हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, गुरुवार, 26 जून, 2025 वर्ष : 13 अंक : 37 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

थरूर पर खड़गे बोले- कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट:हमारे लिए देश पहले... | 57 देशों की भारत-विरोधी लामबंदी | 27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वीआरआरआर की...

संक्षिप्त खबरें

सीबीएसई ने किया बड़ा ऐलान...

अब साल में 2 बार होगी 10वीं की परीक्षा, पहली परीक्षा कम्पलसरी, दूसरी होगी ऑप्शनल

नई दिल्ली: सीबीएसई यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन साल 2026 से 10वीं क्लास के बोर्ड एग्जाम्स दो बार कराएगा। इसके लिए अब मंजूरी मिल चुकी है। एग्जामिनेशन कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने यह जानकारी दी है। पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए जरूरी होगी। पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी मई में होगी। नतीजे अप्रैल और जून में जारी किए जाएंगे। 12वी बोर्ड पर अभी यह फैसला लागू नहीं होगा। ये नियम 2025-26 सेशन से लागू होगा। इसका मतलब है कि साल 2026 में बोर्ड एग्जाम 2 बार आयोजित होंगे।

सिल्ली में किसान के घर में घुसा बाघ, वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू

रांची: रांची के पास स्थित सिल्ली में तब अफरा-तफरी मच गई जब एक बाघ सीधा गांव में घुस आया, वो भी एक घर के अंदर। ये घटना सिल्ली प्रखंड के मारदू गांव की है, जहां बाघ अचानक पुरंदर महतो के घर में दाखिल हो गया. लेकिन पुरंदर ने बिना घबराए फौरन दरवाज़ा बाहर से बंद कर दिया और बाघ को घर में ही बंद कर दिया. इस हिम्मत की हर कोई तारीफ कर रहा है. सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम पलामू टाइगर रिजर्व से मौके पर पहुंची और बाघ को रेस्क्यू किया. बाघ की तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें वो कपड़े से ढका हुआ दिख रहा है. बाघ को फिलहाल मेडिकल जांच के बाद रांची के बिरसा जैविक उद्यान में रखा जाएगा. बिरसा जू में दो दिन रखने के बाद उसे पलामू ले जाया जा सकता है।

इमरजेंसी के 50 साल... पीएम मोदी सहित पूरी कैबिनेट ने मौन रखा, तीन बड़े फैसले लिए गए

झारखंड को बड़ी सौगात, झरिया संशोधित मास्टर प्लान के लिए 5940 करोड़ रु.मंजूर

रांची/नई दिल्ली: केंद्रीय कैबिनेट ने आज झारखंड के धनबाद जिले के काफी पुराने मुद्दे पर अपनी स्वीकृति दे दी है. झरिया भूमिगत (अंडरग्राउंड) आग के लिए संशोधित मास्टर प्लान को लेकर 5940 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी है. ये मुद्दा काफी पुराना है. दिल्ली में आज बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई. इसमें पारित प्रस्ताव की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी. जमीन के अंदर कोयले में लगी आग के कारण झरिया शहर पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से जल रहा है. आग प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए वर्ष 2009 में झरिया मास्टर प्लान बना था. अब 2025 में संशोधित मास्टर प्लान को मंजूरी दी गयी है।

आग प्रभावित क्षेत्रों से पुनर्वासित परिवारों को बड़ी राहत

केंद्र सरकार ने झारखंड के झरिया में भूमिगत आग से निपटने और उससे प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए 5,940 करोड़ रुपए के संशोधित झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) को मंजूरी दी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस फैसले को मंजूरी दी गयी. संशोधित मास्टर प्लान में आग से प्रभावित क्षेत्रों से पुनर्वासित किए जा रहे परिवारों के लिए आजीविका सृजन पर जोर दिया गया है. इसके तहत कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाएंगे. पुनर्वास वाले परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए आय-सृजन के अवसर भी पैदा किए जाएंगे. केंद्र सरकार ने अगस्त 2009 में धनबाद जिले में आग, भूस्खलन और पुनर्वास से निपटने के लिए झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी दी थी. इसकी कार्यान्वयन अवधि 10 वर्ष और कार्यान्वयन-पूर्व अवधि दो वर्ष रखी गई थी. पिछली मास्टर प्लान योजना वर्ष 2021 में खत्म हो गयी थी.

2009 में बना था झरिया मास्टर प्लान

केंद्र सरकार ने 12 अगस्त 2009 को 7112.11 करोड़ रुपए के बजट के साथ झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी दी थी, ताकि अग्नि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास सहित आग और भू-धंसान से जुड़ी समस्याओं का निबटारा किया जा सके। आग से निबटने की पूरी जिम्मेदारी बीसीसीएल की है, जबकि कोलकर्मियों को पुनर्वासित करने की जिम्मेदारी बीसीसीएल और गैर बीसीसीएल कर्मियों के पुनर्वासित करने की जिम्मेदारी झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण (जेआरडीए) की है।

100 से अधिक साल से जल रहा है झरिया शहर

जमीन के अंदर कोयले में लगी आग के कारण झरिया शहर पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से जल रहा है. राष्ट्रीयकरण के वक्त झरिया कोयलांचल के करीब 17.32 स्क्वायर किलोमीटर में आग का दायरा फैला हुआ था, लेकिन यह करीब 1.53 स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्र में सिमट चुका है. एनआरएससी की ताजा रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

मोदी ने लिखा- कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद किया; खड़गे बोले- ये झूठ छिपाने का नाटक

नई दिल्ली: पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर एक प्रस्ताव पास किया गया। इसके बाद आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के रूप में दो मिनट का मौन रखा गया। कैबिनेट बैठक में तीन बड़े फैसले लिए गए। पहला- पुणे मेट्रो विस्तार के लिए 3626 करोड़ रुपये पारित। दूसरा- झरिया (झारखंड) अंडरग्राउंड फायर के लिए 5940 करोड़ रुपये का संशोधित मास्टर प्लान मंजूर। तीसरा- आगरा में 111 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र स्थापित किया जाएगा। इससे पहले बुधवार सुबह पीएम मोदी ने आपातकाल को लेकर सोशल मीडिया X पर लिखा कि इस दिन कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद कर लिया था। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दी थी। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जवाब दिया कि, ये लोग अपनी गलती छिपाने के लिए यह सब नाटक करते हैं। दरअसल 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 यानी 21 महीने तक लागू रहा था। भाजपा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है।

इमरजेंसी को लेकर मोदी ने लिखा, यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना, जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह हमारा कर्तव्य है। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था, जिसके चलते तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे बुरी तरह हार गए। हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। पूरे भारत से अलग-अलग विचारधाराओं के लोग आए, उन्होंने एक उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया।

पीएम बोले- इमरजेंसी के वक्त मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था : पीएम ने अपनी पोस्ट में 'द इमरजेंसी डायरीज' नाम की बुक का भी जिक्र किया। पीएम ने लिखा, जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को दिखाया। साथ ही, मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला।

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

RESIST! EDUCING SUBSTANCE INGESTION AND STOPPING TRAFFICKING

मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरुकता अभियान का

समापन कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह

माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग तथा पंचायती राज विभाग, झारखंड सरकार

इस दौरान मादक पदार्थों के दुरुपयोग से दूर रहने हेतु राज्य के अलग अलग क्षेत्रों में 12000 से भी अधिक जागरुकता कार्यक्रम संचालित किया गया।

इस मौके पर वेबसाइट https://resist.jharkhand.gov.in भी लॉन्च किया जाएगा

दिनांक: 26 जून 2025

समय - अपराह्न 1 बजे से 2:30 बजे तक

स्थान: शौर्य सभागार, डोरंडा, राँची

इससे पूर्व इस वर्ष लगभग 27000 एकड़ में लगे अफीम की अवैध खेती को विनष्ट किया गया है

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 355991 (IPRD) 25-26

संक्षिप्त खबरें...

पुलिस ने छापामारी अभियान चलाकर दो वारंटियों को किया गिरफ्तार

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड अंतर्गत गोरहर थाना पुलिस ने समकालीन छापामारी अभियान चलाकर दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बुधवार को यह कार्रवाई किया।पुलिस ने लंबित वारंट, कुर्की के विरुद्ध महादेव साव पिता लाखों साव तथा उनके पुत्र दिलीप साव ग्राम बेलकप्पी निवासी को गिरफ्तार किया। जिन्हें मेडिकल जांच के बाद हजारीबाग न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ट्रेलर गाड़ी के मोटर साइकिल सवार को चपेट में लेने से महिला की हुई मौत, पति व पुत्र घायल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।बरकट्ठा बगोदर मार्ग के बीच जीटी रोड़ पर बुधवार की सुबह हुई सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई।वहीं पति व पुत्र को मामूली चोटें आई हैं।घटना ग्राम धरगुल्ली मोड़ के समीप ट्रेलर गाड़ी नंबर एचआर 61 ई 8950 के मोटर साइकिल सवार को अपने चपेट में लेने से हुई। इस हादसे में मोटर साइकिल सवार ग्राम जगदीशपुर (पांडेबारा) चौपारण निवासी खतिजा खातून 25 वर्ष पति अरशद अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गईं।जबकि पति अरशद अंसारी और उनके दो वर्षीय पुत्र को मामूली चोटें आईं। घायलों को इलाज के लिए गोरहर थाना पुलिस ने बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने खतिजा खातून को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ट्रेलर गाड़ी को जप्त कर थाना ले आई है।जबकि मृतक के शव को अंत्यपरीक्षण के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बरही भेज दिया है।बताया जा रहा है कि बाइक सवार लोग जगदीशपुर से अपने संबंधी के यहां बनासो विष्णुगढ़ जा रहे थे इसी बीच हादसा हुआ।

बसारिया हरैया टांड़ में बिजली आपूर्ति सेवा हुई बहाल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बसारिया हरैया टांड़ में बिजली आपूर्ति सेवा बहाल हो गई है।जानकारी हो कि हरैया टांड़ में लगा 100 केवीए का ट्रांसफार्मर पांच दिन पूर्व जल जाने से लोग अंधेरे में रहने को विवश थे।जिसकी सूचना ग्रामीणों ने विधायक अमित कुमार यादव को दी।सूचना मिलने पर विधायक ने बिजली विभाग के अधिकारीयों से बात कर 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर मुहैया करवाया। जिसके पश्चात मंगलवार की शाम हरैया टांड़ में ट्रांसफार्मर लगने से बिजली आपूर्ति सेवा बहाल हुई।इस कार्य के लिए अर्जुन प्रसाद, प्रदीप मंडल, कुलदीप प्रसाद, वार्ड सदस्य सुनिल कुमार, सुभाष प्रसाद, शंकर पांडेय, बासुदेव प्रसाद, तुलसी प्रसाद, झब्बु राणा, खुबलाल प्रसाद, विरेन्द्र कुमार, पवन पांडेय, किशोर कुमार, कारू प्रसाद समेत अन्य लोगों ने विधायक का आभार व्यक्त किया है।

वन विकास समिति सिरमा का गठन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव प्रखंड के अंतर्गत सिरमा में वन विकास समिति का गठन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर आवेश सिद्दीकी और संचालन असीम अरशद के द्वारा किया गया , सर्व सहमति से अध्यक्ष मोहम्मद इरफान, सचिव मोहम्मद कमरुद्दीन, कोषाध्यक्ष जानिसार आलम, उपाध्यक्ष सरजू महतो को चुना गया, इस कमेटी का गठन का मुख्य उद्देश्य जंगल को विकास करना , जंगल को सुरक्षित रखना समिति के सभी सदस्यों ने वचन लिया कि अब वन की रक्षा होगी और वन विकास की ओर जाएगी, मौके पर उपस्थित बालेश्वर महतो, इंतेसार आलम,अब्दुल सलाम , कामेश्वर महतो ,शफीक आलम,सईद अनवर,अमानत अली , मो नेजाम,खुर्शीद आलम, अफसर रजा,रमन कुमार, संजय महतो,मनोहर महतो , मो इंतेखाब सहित कई लोग मौजूद थे.

नयाटांड़ में बनस पूजा मेला संपन्न, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव हुए शामिल

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। नयाटॉड में बनस पूजा एवं मेला संपन्न हो गया। भक्तों ने अपने पीठ पर कील लगवा कर 40 फीट ऊंचे लट्ठे से परिक्रमा किया।आयोजित मंडा पूजा मेला में मुखिया लीलावती कुमारी के द्वारा शिव भक्तों के बीच वस्त्र वितरण किया गया। मौके पर मुख्य रूप से मौजूद मेले में पूर्व मंत्री योगेंद्र साव मुखिया प्रतिनिधि अजीत कुमार पंचायत समिति सदस्य प्रभु राम मेले के अध्यक्ष केदार महतो ,सचिव सतीश कुमार दास, कोषाध्यक्ष दीपक कुमार नायक, पुजारी इंद्रदेव नायक, पप्पू प्रजापति ,मुरली महतो, उपेन्द्र राणा, सुनील नायक,रुदेश नायक,सत्यम कुमार,राम महतो, गोपाल नायक के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

1962 पर कॉल कर मोबाइल वेटनरी वैन की सुविधा लें

दुमकाःजिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने जानकारी दी है कि जिले में कुल 11 मोबाइल वेटनरी वैन उपलब्ध हैं। इनमें से प्रत्येक प्रखंड में 1-1 वैन तथा जिला मुख्यालय में 2 वैन तैनात की गई हैं, जिससे पशुपालकों को त्वरित पशु-चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके।डॉ. सिंह ने बताया कि यदि कोई पशु बीमार हो जाए या किसी दुर्घटना में घायल हो, तो टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल करके सहायता प्राप्त की जा सकती है। कॉल करने पर संबंधित प्रखंड की वैन डॉक्टर एवं आवश्यक दवाइयों के साथ न्यूनतम समय में पशुपालक के स्थान पर पहुंचेगी।यह सुविधा पशुओं के जीवन की रक्षा एवं पशुपालकों की सहायता के उद्देश्य से संचालित की जा रही है, ताकि समय पर इलाज मिल सके और पशुधन की हानि को रोका जा सके।

सांसद मनीष जायसवाल की अनूठी पहलः 'सांसद तीर्थ दर्शन-2025' का आगाज़, बुजुर्गों का सपना होगा साकार

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने एक अभूतपूर्व 'सांसद तीर्थ दर्शन- 2025 योजना' की शुरुआत कर क्षेत्र के बुजुर्गों और तीर्थयात्रा से वंचित लोगों को सम्मान और अवसर देने का फैसला किया है। यह आध्यात्मिक पहल न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे राज्य और देश भर में प्रशंसा बटोर रही है ।

29 जून को रवाना होंगे 180 तीर्थयात्री, तैयारियां ज़ोरों पर

'सांसद तीर्थ दर्शन-2025' अभियान का विधिवत शुभारंभ और पहले जत्थे की रवानगी आगामी 29 जून 2025 को हजारीबाग के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल नृसिंह मंदिर प्रांगण से होगी। इस दिन 180 तीर्थयात्री अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकलेंगे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सांसद मनीष जायसवाल, भाजपा के नेता-कार्यकर्ता, सांसद प्रतिनिधि और उनके समर्थक युद्धस्तर पर जुटे हुए हैं।सांसद जायसवाल स्वयं देश और राज्य के पार्टी नेताओं से मिलकर उन्हें निमंत्रण दे रहे हैं, वहीं हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के शहर से लेकर गांव-कस्बे तक एक लाख से अधिक आमंत्रण पत्र वितरित किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि इस अवसर पर तीर्थयात्रियों के सम्मान में जनसैलाब उमड़ेगा ।

सांसद प्रतिनिधियों ने किया स्थल निरीक्षण, तैयारी का लिया जायजा

बुधवार को सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी और इवेंट प्रबंधक सोनू कुमार ने नृसिंह स्थान मंदिर प्रांगण में बन रहे पंडाल के निर्माण कार्य का जायजा लिया।इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि यह योजना सांसद मनीष जायसवाल के सपने को साकार करेगी और क्षेत्र के उन लोगों को तीर्थ दर्शन कराएगी जो किसी कारणवश इस सुख से वंचित रह गए थे, जिससे उनके अरमान पूरे होंगे। लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल क्षेत्र के विकास के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के सम्मान का ध्यान रखते हैं। युवाओं के लिए खेल प्रतिस्पर्धाएं, जरूरतमंद कन्याओं के लिए सांसद सामूहिक विवाह उत्सव, निःशुल्क लहंगा वितरण जैसे कई कार्यों के बाद अब 'सांसद तीर्थ दर्शन - 2025' हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में एक अमिट धरोहर साबित होने जा रहा है।

दो लोग को अज्ञात अपराधियों ने मारी गोली, एक गंभीर को किया गया रेफर

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला अंतर्गत केरेडारी प्रखंड स्थित पतरा पुल के समीप बुधवार को अज्ञात अपराधियों ने दो व्यवसायी को दिन दहाड़े गोली मारकर घायल कर दिया।घायल दोनों व्यक्ति बड़कागांव थाना क्षेत्र के उरीमारी लुरुंगा गांव निवासी कुलेश्वर बेदिया 38 बर्ष पिता चेता बेदिया और बैजू बेदिया 32 बर्ष पिता स्व गणेश बेदिया शामिल हैं। इसमे कुलेश्वर को बायां ओर सीने में गोली लगी है। बकि बैजू बेदिया के हाथ को छूते हुए गोली निकल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों घायलो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केरेडारी में इलाज के लिये लेजाकर भर्ती कराया जहां से चिकित्सक ने कुलेश्वर बेदिया को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया।घटना के संबंध में बताया गया कि दो मोटरसाइकिल में चार अपराधी सवार होकर आए थे और घटना को अंजाम देकर छत्तीसों बहनिया माता स्थान की तरफ से फरार हो गए।घटना के वक्त कुलेश्वर और बैजू बेदिया टेम्पू में सवार होकर पतरा पुल के पास पहुंचे ही थे इसी बीच अपराधियों ने तीन गोली चलाया। जिसमें एक मिस हो गया दूसरा गोली कुलेश्वर के सीने में लगा. वहीं तीसरा गोली बैजू को हाथ को छूते गोली निकल गया।घायल दोनों लोग सुअर पालन का व्यवसाय करते हैं।घटना के बाद केरेडारी थाना पुलिस और सिकरी ओपी पुलिस मामले को छानबीन में जुटी है।

जोराकाठ में आगजनी की वारदात से एनटीपीसी को लगा गहरा झटका

35 करोड़ लागत राशि से हो रहा था एनटीपीसी का कोयला ट्रांसपोर्टिंग रोड का निर्माण

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। एनटीपीसी बादाम कोल ब्लॉक माइनिग परियोजना को लेकर कोयला ट्रांसपोर्टिंग के लिए जोराकाठ में तेजी से हो रहे सड़क निर्माण कार्य में लगे वाहनों को, अपराधियों के द्वारा आग के हवाले कर देने से ,एनटीपीसी को गहरा अघात लगा है। यह रोड निर्माण कार्य एनटीपीसी की 35 करोड़ रूपया लागत राशि,टेंडर के माध्यम से पूजा कंस्ट्रक्शन के द्वारा किया जा रहा था।सड़क निर्माण कार्य काफी तेजी से हो रहा था परंतु, वाहनों में आगजनी होने व रोड निर्माण कार्य में बाधा पहुंचने से एनटीपीसी को काफी नुकसान हुआ है। इस आगजनी में पूजा कंट्रक्शन के करोड़ों रुपए की वाहन जलकर नष्ट हो गए। रुके हुए सड़क निर्माण

कार्य को तेजी से काम कराने के लिए अब कंस्ट्रक्शन के लिए यह बहुत बड़ी, चुनौती भरा कार्य होगा।

सड़क निर्माण कार्य के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा को लेकर संपूर्ण रूप से कंस्ट्रक्शन को सहयोग करने की अपेक्षा होगी।इस बाबत एनटीपीसी बादाम कोल ब्लॉक महाप्रबंधक एके सक्सेना ने कहा कि घटना बहुत बड़ी हुई है, कंस्ट्रक्शन को भारी नुकसान भी हुआ है। हमलोगों का प्रयास होगा कि जल्द से जल्द पुनःसड़क निर्माण कार्य में तेजी से लाएं।

कोयल नदी में नहाने के दौरान दो सगे भाई डूबे, बड़े भाई की मौत, छोटे को मछुआरों ने बचाया

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : रेहला थाने के सिगसिगी गांव के समीप कोयल नदी की गहरे पानी में डूबने से नवीं कक्षा के एक छात्र साकेत राज सिंह (15) की मौत हो गयी। जबकि मृतक के छोटे भाई को वहां मछली मार रहे मछुआरों ने किसी तरह बचा लिया। जानकारी के अनुसार सिगसिगी के सहायक शिक्षक ऋतुराज सिंह की पत्नी,उनके दो बेटे व साला बुधवार को कोयल नदी की तरफ घूमने गये थे। इसी बीच दोनों बच्चे कोयल नदी में नहाने लगे। नहाने के क्रम में जब छोटा भाई सन्निराज सिंह गहरे पानी में डूबने लगा तब बड़े भाई साकेत राज सिंह ने उसे बचाने की कोशिश की। छोटे भाई को बचाने के दौरान वह खुद गहरे पानी मे चले जाने से डूब गया। तभी परिजन की

मृतक साकेत का फाइल फोटो

शोरगुल सुनकर वहां मछली मार रहे उसी गांव के प्रमोद चौधरी ने दौड़कर मृतक के छोटे भाई को किसी तरह पानी से बाहर निकाला। जबकि बड़ा भाई साकेत राज गहरे पानी में चला गया। काफी मशक्कत के बाद प्रमोद चौधरी ने अन्य मछुआरों के सहयोग से उसे पानी से बाहर निकाला। अचेत अवस्था में उसे ग़ढ़वा सदर अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सक ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक रेहला ज्ञान निकेतन में आठवीं कक्षा में पढ़ता था। ज्ञान निकेतन के निदेशक अमित कुमार सिंह उर्फ बाबुल सिंह ने बताया कि साकेत राज काफी मेधावी छात्र था। वह इस बार आठवी बोर्ड का परीक्षा दिया था जिसमे बढ़िया अंक लाकर उत्तीर्ण हुआ था। निदेशक ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने अपने स्कूल का एक होनहार छात्र खो दिया है। इधर घटना के बाद से परिजनों का रो - रो कर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

गोरहर थाना में मोहर्रम का त्योहार सौहार्दपूर्ण मानने को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोरहर थाना परिसर में बुधवार को मोहर्रम का त्योहार सौहार्दपूर्ण मानने को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी श्रवण कुमार झा ने की व संचालन थाना प्रभारी सोनू कुमार ने किया।मौके पर बीडीओ रोशमा डुंगडुंग, पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी मौजूद थे।सीओ श्रवण कुमार झा ने कहा कि सभी लोग सरकारी गाइड लाइन के अनुसार ही त्योहार मनाएं।जुलूस में डीजे पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।उन्होंने त्योहार को सभी लोगों से मिलजुल कर मनाने की अपील किया।पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी ने कहा कि लोग सोशल मीडिया और अफवाहों से बचें। कोई व्यक्ति कानून को अपने हाथों में ना लेकर प्रशासन को सूचित करें।इस अवसर पर एसआई शिवदत्त त्रिपाठी, राजदेव कुमार, मुखिया प्रतिनिधि छोटन कोल, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कुदुस अंसारी, भाकपा माले प्रखंड सचिव शेर मोहम्मद, राजद प्रखंड अध्यक्ष असमत अली, मो मिनहाज अंसारी, नबी मियां, इबरार अंसारी समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

पलामू डीआईजी ने किया रेहला थाना का औचक निरीक्षण, दिये कई निर्देश

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : पलामू डीआईजी नौशाद आलम ने आज रेहला थाने का औचक निरीक्षण किया। थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। डीआईजी के थाना परिसर पहुंचते ही रेहला थाना प्रभारी गुलशन बिरुवा द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद डीआईजी नौशाद आलम को थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। श्री आलम ने थाना में पदस्थापित पदाधिकारी व जवानों के टर्न आउट का निरीक्षण किया। उन्होंने थाना सिरिस्ता में संधारित अभिलेखों का अवलोकन करते हुये त्रुटियों में सुधार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस पदाधिकारी आम जनता के शिकायतों का ईमानदारी से समाधान

करने का प्रयास करें। आम लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें। लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन करें। डीआईजी ने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण व विधि व्यवस्था बनाये रखने,पुलिस मुख्यालय व वरीय पदाधिकारी से प्राप्त आदेश-निर्देश संबंधित पत्रों को पदाधिकारी एवं कर्मियों को अवगत कराते हुये अलग से गार्ड फाइल में रक्षित करने का भी आदेश दिया। इसके अलावा स्कूल-कॉलेज सहित वैसे स्थान जहां महिलाओं-लड़कियों का आना-जाना हो या ज्यादा अड्डा बाजी वाले क्षेत्रों में कारगार पेट्रोलिंग करने,मादक पदार्थों के विरुद्ध छापामारी,नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने सहित कई बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। डीआईजी नौशाद आलम ने निरीक्षण के दौरान थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी व जवानों का मनोबल बढ़ाने के लिये उन्हें पुरष्कृत भी किया। मौके पर पुलिस निरीक्षक रामाशीष पासवान सहित कई पुलिस पदाधिकारी व जवान मौजूद थे।

अदाणी फॉउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर, 35 यूनिट से अधिक किया रक्त संग्रह

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। अदाणी फाउंडेशन ने वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 35 से ज्यादा यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। उल्लेखनीय है कि अदाणी समूह अपने चेयरमैन गौतम अदाणी के जन्मदिवस 24 जून को अदाणी दिवस के रूप में मनाता है। इस मौके पर हर साल रक्तदान शिविर का आयोजन करता है। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना है।हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में आयोजित इस कैंप में अदाणी समूह के सभी कर्मचारियों और सुरक्षा बलों ने रक्तदान किया। कैंप में संग्रहित

यह रक्त जरूरतमंदों के जीवन को बचाने में अहम भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ गोंदुलपारा खनन परियोजना के प्रमुख पुंडरीक मिश्रा ने रक्तदान करके किया। सुबह दस बजे से ही ग्रामीणों और कर्मियों समेत सभी रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे यह अभियान एक सामाजिक उत्सव में बदल गया।

अंबा प्रसाद बिजली व्यवस्था सुधारने को लेकर डीवीसी के डायरेक्टर व जीएम से मिली

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने बड़कागांव केरेडारी समेत हजारीबाग लोकसभा और चतरा जिले में अघोषित बिजली कटौती को लेकर रांची में डीवीसी के रेज़िडेंट डायरेक्टर एवं सीनियर जीएम (एनर्जी) संजय कुमार से मुलाकात किया। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने मुलाकात के संबंध में बताया कि हुई वार्ता में यह साफ़ प्रतीत हुआ कि डीवीसी अब केंद्र सरकार के इशारों पर काम करने वाली संस्था बनकर रह गई है। जिसकी वजह से राज्यहित की

उपेक्षा हो रही है।आगे कहा कि निरंतर प्रयासों से जिस 220/33 KVA पावर ग्रिड की आधारशिला राज्य के मुख्यमंत्री व मेरे द्वारा रखी गई थी। उसका निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है। यही एकमात्र उपाय है जिससे बड़कागांव के साथ-साथ हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र और चतरा ज़िले में बिजली की समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

आगे उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार की लापरवाही और राजनीतिक भेदभाव के चलते गैर-भाजपा शासित राज्यों में जानबूझकर बिजली संकट पैदा किया जा रहा है।

उपायुक्त ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के निदेशानुसार प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा द्वारा प्रखण्ड परिसर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रानीश्वर का औचक निरीक्षण किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का रंगाई-पुताई का कार्य चल रहा था। इस संबंध में स्वास्थ्य केन्द्र के प्रधान सहायक विश्वजीत गोराई से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि इस विषय में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। स्वास्थ्य केन्द्र के ही डिलींग क्लर्क मोनिका मुर्मू से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि इस विषय में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। रंगाई-पुताई का कार्य किस फंड से किया जा रहा है, कितनी राशि का यह कार्य है और किस एजेंसी को वर्क ऑर्डर निर्गत किया गया है, इस संबंध में भी किसी के द्वारा कोई जानकारी नहीं दिया गया।स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित कर्मियों द्वारा बताया गया कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी विभागीय कार्य से राँची गये है। रंगाई-पुताई का कार्य करवा

रहे मुज्जफर अंसारी नामक व्यक्ति द्वारा बताया गया कि विगत 15 दिनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का साफ-सफाई, दों कोट कलर आदि का कार्य उनके द्वारा कराया जा रहा है और यह कार्य कराने का निदेश उन्हें दुमका के सोनू नाम के व्यक्ति द्वारा दिया गया है। जब सोनू नामक व्यक्ति से मोबाईल पर सम्पर्क किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि उनके पास कोई वर्क ऑर्डर नहीं है, बिमल कुमार गुप्ता नामक व्यक्ति के कहने पर यह कार्य उनके द्वारा कराया जा रहा है। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रानीश्वर से विस्तृत जानकारी कार्यालय पत्रांक के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त विगत दो वित्तीय वर्षों से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रानीश्वर को प्राप्त सभी प्रकार के आवंटनों की जानकारी और किये गये व्यय की जानकारी भी मांगा जा रहा है। जानकारी प्राप्त होने के उपरान्त अग्रतर कारवाई किया जायेगा ।इसके अतिरिक्त उपस्थिति पंजी का निरीक्षण करने पर परिवार कल्याण कार्यकर्ता जयदीप कुमार गुप्ता दिनांक 21.06.2025 से अनुपस्थित पाये गये। श्री गुप्ता की अनुपस्थिति के संबंध में भी किसी भी कर्मी के द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, रानीश्वर की अनुपस्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को देख-रेख करने के लिए किस चिकित्सा पदाधिकारी को प्रभारी बनाया गया है, इस विषय में भी प्रधान सहायक विश्वजीत गोराई द्वारा कोई जानकारी नहीं दिया गया। इस संबंध में भी अनुपस्थित कर्मी जयदीप कुमार गुप्ता को स्पष्टीकरण करने के साथ-साथ अन्य विषयों की भी जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से मांगा जा रहा है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल,गुमला
अति अल्पकालीन ई० निविदा आमंत्रण सूचना
ई० निविदा संख्या MID/GUMLA/ F_2-06 /2025-26 दिनांक –24.06.2025

1. ई– निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पता– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला ।
2. ई निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मोबाईल नं0 :– 0651–2214784 मो0 8986890345
3. वेबसाईट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 28.06.2025 (अपराह्न 02:00 बजे से)
4. वेबसाईट में ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 05.07.2025 (अपराह्न 05:00 बजे तक)
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 07.07.2025 (अपराह्न 02:00 बजे)

क0	योजना का नाम	प्रखण्ड	मद	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Construction of Drain With Steel Post With Chain Link At (War Memorial) in Birsa Munda Agro Park, At-Gumla	गुमला	पर्यटन	999800.00	20000.00	1250.00	03 माह
2	गुमला जिलान्तर्गत रायडीह प्रखण्ड के पतराटोली में निर्मित बख्तर साय स्टेडियम का जीर्णोद्धार कार्य।	रायडीह	पर्यटन	6528700.00	130600.00	10000.00	06 माह

नोटः–
(1) केवल ई० निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
(2) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
(3) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी ।
(4) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र की राशि के अनुसार होगी ।
(5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश/परिपत्र लागु होगें ।
(6) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट– http://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल,गुमला।

PR 355905 Minor Irrigation(25-26)D

संक्षिप्त खबरें

ड्रग्स पैडलर्स के खिलाफ बड़ी कारवाई, 400 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रांचीः नशे के तस्करों के खिलाफ रांची पुलिस का ऑपरेशन लगातार जारी है. इसी क्रम में डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रांची के अरगोड़ा इलाके से 400 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ दो ड्रग्स पैडलर्स को गिरफ्तार किया गया है.। डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को गुप्त सूचना मिली थी कि अरगोड़ा इलाके में कुछ नशे के तस्कर किराए के मकान में रह कर मादक पदार्थों का कारोबार कर रहे हैं. सूचना की पुष्टि होने के बाद सिटी एसपी के निर्देश पर हटिया डीएसपी के नेतृव में एक टीम का गठन किया गया. गठित टीम के द्वारा अरगोड़ा के अशोक कुंज स्थित कश्यप विहार में किराए के मकान में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मकान से दिनेश कुमार राम और शिवम कुमार को हिरासत में लिया गया. जब उनके कमरे की तलाशी ली गई तो, वहां से 400 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया गया. गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों ने अपने तीन अन्य साथियों के नाम का भी खुलासा किया है. तीनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा छापेमारी की जा रही है। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि नशे के तत्वों के खिलाफ नो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है. इसी क्रम में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तारी के दौरान मौके से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर की पुड़िया बरामद की गई है. एसएसपी ने कहा कि गिरफ्तार तस्कर दिनेश का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है. एसएसपी ने कहा कि राउरकेला में भी उसे मादक पदार्थों की खरीद बिक्री की वजह से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था.

मोहर्रम जुलूस पूरे अकीकत व मोहब्बत और गाइडलाइन के हिसाब से निकला जाएगा

संवाददाता रांची : सेन्ट्रल मुहर्रम कमिटी की एक अहम बैठक मेन रोड मधुबन मार्केट में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। बैठक वर्ष 2025 के मुहर्रम का जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया। कमिटी के सरपरस्त मो. सईद की सरपरस्ती व कमिटी के अध्यक्ष जावेद गद्दी की अध्यक्षता में हुई। दोनों प्रमुख खलीफा क्रमशः धवताल अखाड़ा के प्रमुख खलीफा जमशेद अली उर्फ पप्पू गद्दी, इमाम बख्श अखाड़ा के खलीफा मो. महजूद के साथ दोनों अखाड़े के अधीन आने वाले तमाम क्षेत्रीय खलीफा एवं पदाधिकारी, सेन्ट्रल मुहर्रम कमिटी के प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्यगण बैठक में मुख्य रूप से शामिल हुए। सर्वसम्मति से इस वर्ष 2025 के मुहर्रम का जुलूस पूरे अकीदत व एहतराम से तथा आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ निकाले जाने का निर्णय लिया गया है। इस वर्ष के मुहर्रम को सफल बनाने हेतु प्रत्येक अखाड़ा धारियों के लिए गाईड लाईन भी जारी कर दिया जाएगा। मौके पर अय्यूब खान ने कहा कि इस वर्ष का मुहर्रम का जुलूस ऐतिहासिक होगा। अय्यूब ने कहा कि भाईचारगी के माहौल में, हिंदू मुस्लिम एकता को मजबूत करने कि दिशा में कार्य किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से सेन्ट्रल मुहर्रम कमिटी के सरपरस्त मो. सईद, अध्यक्ष जावेद गद्दी, धवताल अखाड़ा के प्रमुख खलीफा जमशेद अली पप्पू गद्दी, इमाम बख्श अखाड़ा के प्रमुख खलीफा मो. महजूद उपस्थित थे।

हरिकनक ग्रेटर क्लब ने मंदिर में डस्टबीन डोनेट की

संवाददाता रांचीः मंदिर के निकट हमेशा स्वच्छ वातावरण बनी रहे।इसे ध्यान मे रखते हुए लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर की ओर से जगतपॉल स्ट्रीट सिविल कोर्ट रांची स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में दो डस्टबीन डोनट किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष लायन राजेश केडिया एवं धन्यवाद ज्ञापन लायन साकेत अग्रवाल ने किया।मौके पर लायन राजेश केडिया ने कहा स्वच्छता हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है जो हमें स्वस्थ और खुशहाल रखती है।स्वच्छता से न केवल बीमारियों से बचाव होता है बल्कि सकारात्मक सोच और अच्छे विचार भी आते हैं।हमें अपने घर,आसपास और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए।स्वच्छता को अपनाकर हम एक स्वस्थ और सुंदर समाज का निर्माण कर सकते हैं। इसके पूर्व मंदिर के पुजारी अखिलेश उपाध्याय ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। सबों के बीच प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम की समापन हुई। इस मौके पर हरि कनक ग्रेटर क्लब के कोषाध्यक्ष लायन अंकित सर्राफ,अधिवक्ता लायन सोनाली भट्टाचार्य, छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक विजय कुमार पाठक,दीपक कुमार साहू,पिया बर्मन,रोहित कुमार,अभी सोनी,अभिषेक कुमार एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश सहित अन्य सदस्यगण मौजूद थे।

रांची रथ यात्राः आज को होगा नेत्रदान अनुष्ठान

करीब 15 दिनों के एकांतवास के बाद भगवान जगन्नाथ भक्तों को दर्शन देंगे

रांचीः ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर में 26 जून को आयोजित होने वाला नेत्रदान अनुष्ठान भक्ति, श्रद्धा और परंपरा का अनूठा संगम लेकर आ रहा है. करीब 15 दिनों के एकांतवास (अनासार) के उपरांत भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा 26 जून की शाम 4:30 बजे भक्तों को दर्शन देंगे. यह अवसर हर साल केवल एक बार आता है, जब भगवान 'नेत्रदान' के जरिए अपने भक्तों के सामने प्रकट होते हैं।

एकांतवास से निकलेंगे भगवानः मंदिर समिति के अनुसार, 11 जून को देव स्नान पूर्णिमा के दिन महा स्नान के बाद भगवान ने एकांतवास ग्रहण किया था. इस अवधि में भगवान का स्वास्थ्य अस्थिर माना जाता है और वे किसी से नहीं मिलते हैं. लेकिन नेत्रदान के दिन, विशेष पूजन और अनुष्ठान के पश्चात भगवान अपने इस 'अंतर्मुखी' रूप से बाहर आते हैं और भक्तों के समक्ष सजीव प्रतीक के रूप में प्रकट होते हैं. यही कारण है कि यह दिन अति पवित्र और भावनात्मक रूप से विशेष होता है।

नेत्रदान के बाद, भगवान पूरे दर्शन मंडप में विराजमान रहेंगे और रात यहीं विश्राम करेंगे. इस दौरान मंदिर प्रांगण में विशेष सजावट, दीप प्रज्ज्वलन और कीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा. बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के पहले दर्शन को लेकर उत्साहित हैं।

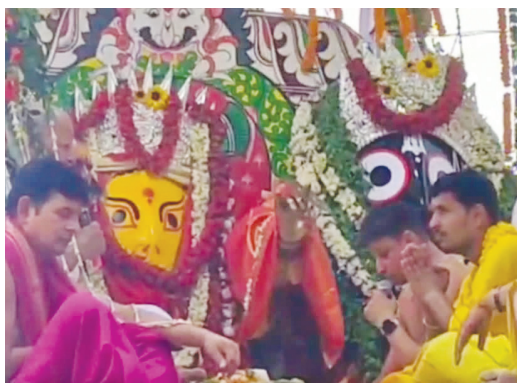

प्रशासन ने कसी कमर, चप्पे-चप्पे पर रहेगी निगरानीः गौरतलब है कि हर साल हजारों श्रद्धालु इस अवसर पर मंदिर पहुंचते हैं. भीड़ और सुरक्षा को लेकर रांची जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है. खुद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

एसएसपी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि "मंदिर परिसर और रथ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे, वॉच टावर और मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं. साथ ही, पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, दंडाधिकारी और महिला सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग, स्वचालित अनाउंसमेंट सिस्टम और पार्किंग जोन तय कर दिए गए हैं. साथ ही श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए स्वास्थ्यकर्मी, एम्बुलेंस और पानी की व्यवस्था भी की गई है।

महिलाएं और बुजुर्गों के लिए विशेष व्यवस्थाः महिला श्रद्धालुओं और बुजुर्गों की सुविधा के लिए अलग कतारें, विश्राम स्थल और हेल्प डेस्क बनाए गए हैं. स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाएं भी प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रही हैं ताकि हर श्रद्धालु सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से दर्शन कर सके।

मंदिर परिसर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ः नेत्रदान अनुष्ठान को लेकर पूरे रांची में उत्सव जैसा माहौल है. मंदिर को फूलों और पारंपरिक झांकियों से सजाया जा रहा है. भक्तों का मानना है कि नेत्रदान के दिन भगवान की पहली झलक, उनके जीवन में शुभता और ऊर्जा का संचार करती है।

26 जून को होने वाला नेत्रदान अनुष्ठान आस्था, परंपरा और प्रबंधन का आदर्श उदाहरण बनने जा रहा है. रांची के श्रद्धालु इस पावन क्षण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और प्रशासन इसे पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए तैयार है।

रथ यात्रा को लेकर ट्रैफिक में बदलाव

रांचीः जगन्नाथपुर में रथ यात्रा और मेला को लेकर 26 जून से इलाके के ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है। धुर्वा गोलचक्कर, नया सराय रोड, जेएससीए स्टेडियम और पुराना विधानसभा रोड पर सुबह 8 से रात 12 बजे तक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से बंद रहेगा। नयासराय और जेएससीए स्टेडियम की ओर से आने वाले वाहन तिरिल मोड़ तक ही आ सकेंगे। इसके अलावा शहीद मैदान से मौसीबाड़ी गोलचक्कर और प्रभात तारा मैदान तिराहा से जगन्नाथपुर बाजार तक वाहनों की इंट्री बंद रहेगी।

इस संबंध में बुधवार को ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने बताया कि वाहन सवार रिंग रोड से ही अपने गंतव्य तक परिचालन कर सकेंगे। साथ ही ट्रैफिक एसपी ने जगन्नाथपुर ट्रैफिक थानेदार को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे खुद अपनी टीम के साथ लगातार भ्रमणशील रहते हुए यातायात व्यवस्था पर पूरी नजर रखेंगे।

पार्किंग की व्यवस्थाः तुपुदाना, हटिया, खूंटी, धुर्वा गोलचक्कर से आने वाले वाहनों के लिए धुर्वा गोलचक्कर के पश्चिम स्थित खाली मैदान और प्रभात तारा के पास मैदान में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। बालालोंग या धुर्वा बस स्टैंड व नया हाईकोर्ट की ओर से आने वाले वाहनों के लिए प्रभात तारा मैदान में नया सराय और न्यू विधान सभा रोड से आने वाले वाहनों के लिए तिरिल मोड़ और हेलीपैड मैदान अरगोड़ा या बिरसा चौक की ओर से आने वाले वाहनों के लिए शहीद मैदान एवं विधानसभा मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। धुर्वा सेक्टर-एक या दो की ओर से आने वाले वाहनों के लिए मौसीबाड़ी गोलचक्कर के बगल में खाली मैदान में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। 26 और 27 को सामान्य वाहनों का प्रवेश रहेगा बंद, 26 और 27 जून को सामान्य वाहनों का परिचालन रहेगा बंद।

ट्रैफिक संचालन को ध्यान में रखते हुए 26 और 27 जून को सामान्य वाहनों का धुर्वा गोलचक्कर से पुराने विधानसभा भवन की ओर परिचालन बंद किया गया है। इसके अलावा प्रभात तारा मैदान से शालीमार बाजार की ओर भी सामान्य वाहनों की इंट्री बंद की गई है। एचईसी और बिरसा चौक की ओर से आने वाले वाहन सवार शहीद मैदान से शालीमार बाजार होते हुए प्रभात तारा मैदान से जेएससीए स्टेडियम से दाहिने मुड़कर तिरिल मोड़ होते हुए अपने गंतव्य की ओर परिचालन कर सकेंगे।

राजेश ठाकुर को मिली बड़ी जिम्मेवारी

रांची : झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर को मध्य प्रदेश का आब्जर्वर बनाया गया है. कांग्रेस पार्टी ने उन्हें जिला अध्यक्षों के चयन के लिए केंद्रिय नेतृत्व ने जिम्मेदारी सौंपी है.

जिला अध्यक्षों के चयन के लिए छह दिनों तक प्रवास कियाः राजेश ठाकुर ने मध्यप्रदेश में जिला अध्यक्षों के चयन के लिए पहले चरण के दौरे में 6 दिनों तक प्रवास किया है. इस दूसरे दौरे में जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा सकता है.

जिम्मेवारी निभाने को पूरी तरह से हैं तैयारः राजेश ठाकुर ने कहा कि अपनी जिम्मेदारी को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. मध्यप्रदेश में जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए काम करेंगे।

विधायक राजेश ने विभिन्न योजनाओं की आधारशिला रखा

संवाददाता रांची/नामकुमः खिजरी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत नामकुम प्रखण्ड में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास राजेश कच्छप खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता के करकमलों द्वारा आधारशिला रखा गया। जिसमें 1. मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना अंतर्गत तेतरी से सहेरा तक (1.95 कि.मी.) पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। 2. रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के अंतर्गत ग्राम खिजरी गांव में कोचा टोली के उत्तर की ओर से विकास नगर के नया टोला तक विभिन्न लेन में पीसीसी पथ का निर्माण (2,42,28,900/- रू) एवं 3. रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के अंतर्गत ग्राम विकास नगर खिजरी कोचाटोली से नया टोली तक विभिन्न गलियों में पीसीसी पथ का निर्माण। (2,47,42,700/- रू) का कार्य किया जाना है। मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि खिजरी विधानसभा में हर गली-मोहल्ले को पक्की सड़क का निर्माण किया जायेगा। उक्त तीनों पथ का निर्माण पर ग्रामीण काफी खुश नजर आए।

मौके पर सतीश पंडा, प्रभारी खिजरी विधानसभा, एतवा मुण्डा, विधायक प्रतिनिधि, मुखिया निशा उरांव, पंचायत समिति सदस्य रोजलीन, शारदा टोप्पो, जातू टोप्पो, राजदीप कच्छप, लखन नायक, रतन उरांव, रिंकू कुमार, दिलिप रजक, कृष्ण गोप, लक्ष्मण लकड़ा, प्रदीप तिर्की, तेफिल सांगा, संजय महतो, बालू महतो, राजेश साहु, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस की सत्ता की भूख का परिणाम था देश में आपातकाल : सुदेश महतो

संवाददाता रांचीः आपातकाल के 50 वर्ष होने पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा है कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता की भूख का परिणाम था। 25 जून 1975 को भारत के इतिहास में एक काला अध्याय लिखा गया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को कुचल दिया। आज जब राहुल गांधी संविधान बचाओ की बात करते हैं तो यह हास्यास्पद लगता है। महतो ने कहा कि आपातकाल वह दौर था जब नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीन लिया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ताला लगा दिया गया और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया। सुदेश महतो ने इस घटना को भारतीय लोकतंत्र पर एक गहरा आघात बताया, जिसने देश की जनता को मजबूर और असहाय बना दिया।

महतो ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने अपनी शक्ति को बनाए

रखने के लिए लोकतंत्र की आत्मा को दबाने का प्रयास किया। प्रेस पर सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और संवैधानिक अधिकारों का हनन उस दौर की सबसे दुखद तस्वीर थी। उन्होंने कहा कि यह समय हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र कितना नाजुक हो सकता है, और इसे संरक्षित करने के लिए हमें सतर्क और संगठित रहना होगा।

झारखंड में भी लोकतंत्र की रक्षा की आवश्यकता : डॉ भगत

मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि आपातकाल ने देश के युवाओं और सामान्य नागरिकों को यह सिखाया कि सत्ता का दुरुपयोग कितना खतरनाक हो सकता है। झारखंड जैसे राज्य, जहां लोग अपनी पहचान और अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्ष करते रहे हैं, वहां लोकतंत्र की रक्षा करना और भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आपातकाल के दौरान जेल में बंद उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष किया।

जेपी आंदोलन ने संघर्ष के लिए प्रेरित किया : प्रभाकर

झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि 1975 की थोड़ी बहुत यादें उनके जेहन में हैं, क्योंकि वह उस वक्त 7 वर्ष के थे और दुमका में आंदोलनकारियों का जुलूस निकलता देख प्रेरित होते थे। आपातकाल में उनके पिता को दुमका और मामा को रांची में बिना कारण गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि आज भी कई बार झारखंड में भी सत्ता पक्ष द्वारा जनता की आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है। ऐसी स्थिति में जनता को जागरूक और संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी।

सैंटेविटा अस्पताल में स्वर्गीय रमेश लाल वर्मा की स्मृति में चैरिटी इवेंट

संवाददाता रांचीः सैंटेविटा अस्पताल में एक विशेष चैरिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो स्वर्गीय श्री रमेश लाल वर्मा की पुण्य स्मृति को समर्पित था। यह आयोजन अस्पताल की कार्यकारी निदेशक (Executive Director) रेशमा साहू द्वारा उनके स्वर्गीय पिता की याद में आयोजित किया गया।

इस चैरिटी कार्यक्रम के अंतर्गत सैंटेविटा अस्पताल के कर्मचारियों के बच्चों को स्कूल बैग, पेंसिल बॉक्स, लंच बॉक्स, पानी की बोतलें एवं शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। इसके अतिरिक्त बच्चों को मनोरंजक खेल सामग्री जैसे शतरंज और लूडो भी उपहार स्वरूप दी गई, ताकि उनका झुकाव मोबाइल गेम्स से हटकर रचनात्मक और मानसिक विकास की ओर हो। कार्यक्रम में स्नैक्स पैकेट भी बच्चों को वितरित

किए गए, जिससे पूरे आयोजन में बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और हर्षोल्लास का वातावरण देखने को मिला।

रेशमा साहू, जो कि रांची में समाजसेवा और परोपकार के कार्यों के लिए जानी जाती है, ने इस अवसर पर कहाः "यह कार्यक्रम मेरे पिताजी के समाज सेवा के सपनों को साकार करने की दिशा में एक विनम्र प्रयास है। बच्चों की मुस्कान और उनके अभिभावकों की संतुष्टि से जो आत्मिक सुख मिलता है, वही इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।" यह चैरिटी कार्यक्रम अब एक वार्षिक परंपरा बन चुका है, जिसे श्रीमती साहू हर वर्ष अपने पिता की स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने और समाज के प्रति सेवा भाव प्रकट करने हेतु आयोजित करती हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और उनके अभिभावकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया, और सैंटेविटा अस्पताल का परिसर बच्चों की हँसी, खुशियों और सामूहिक सहयोग की भावना से गूंज उठा। यह आयोजन न केवल एक यादगार सामाजिक पहल थी, बल्कि यह संस्था की सामुदायिक प्रतिबद्धता का भी उत्कृष्ट उदाहरण बन गया।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें न केवल कर्मचारियों और उनके बच्चों ने भाग लिया , बल्कि अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों, नर्सों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति से इसे और भी गरिमामय बनाया। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया, उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर प्रेरणादायक बातें बताई। इस समर्पण और सहभागिता ने यह दर्शा दिया कि सैंटेविटा अस्पताल केवल एक चिकित्सा संस्थान नहीं, बल्कि एक ऐसा परिवार है जो अपने समुदाय के हर वर्ग की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्थान संगठन जनहित सेवा के अध्यक्ष रेणु सिंह के नेतृत्व में 51 जोड़ीं की शादी हुई सम्पन्न

संवाददाता रांचीः रांची के पुराना बिधानसभा में 51 जोडी की शादी हुई जिसमे मुख्य अतिथि में टाइगर संदीप नायक वा मुकेश कुमार नायक शामिल हुए। नव विवाहित जोड़ों को दिल से बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए मुकेश नायक ने कहा दबे कुचले असहाय गरीब परिवार के बच्चे बचिए को संगठन के द्वारा शादी-विवाह कराकर मानवता का परिचय दिये जो की झारखंड सरकार को इसपर ध्यान देने की जरूरत है लेकिन और महिला संगठन को मदद देकर मानवता दिखाई।

वही टाईगर संदीप नायक ने कहा पिछले 10 सालो से संगठन समाज हित पर काम कर रही हैं चाहे महिलाओ को रोज़गार हो या किसी भी प्रकार का मदद हो संगठन 24 सौ घन्टा तत पे खड़ा रहती है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भारत सरकार के सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा एनएसएस के 80वां दौर जनवरी 2025 से प्रारंभ हुआ है। जनवरी से जून 2025 तक विभिन्न पहलुओं पर आँकड़ों का संग्रहण किया गया जैसे- सामाजिक उपभोगः स्वास्थ्य, सीएमएस-टेलीकॉम व सीएमएस-एजुकेशन पर सर्वेक्षण 30 जून 2025 तक समाप्त किया जा चूका हैं। एनएसएस के 80वें दौर के तहत घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण किया जाएगा। यह सर्वेक्षण एक वर्ष यानि जुलाई 2025 से जून 2026 की अवधि का होगा। पहली बार एक समर्पित सर्वेक्षण 'राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण भी चल रहे एनएसएस 80वें दौर के सर्वेक्षण का हिस्सा होगा। यह सर्वेक्षण भी एक वर्ष (जुलाई, 2025- जून, 2026) की अवधि का होगा। जानकारी के अनुसार, 80वें दौर के घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण व राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण के लिए दिनांक 24-06-2025 से 26-06-2025 तक तीन दिवसीय क्षेत्रीय

प्रशिक्षण शिविर व दिनांक 26-06-2025 से 27-06-2025 तक निर्माण गतिविधियों हेतु दो दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर अतः कुल चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन टुपुदाना, राँची स्थित सप्तऋषि सेवा भवन में हुआ है। चार दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों को सर्वेक्षण संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएंगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सुनीथा भास्कर, अपर-महानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्र संकार्य प्रभाग, मुख्यालय दिल्ली, झारखंड राज्य के क्षेत्रीय प्रमुख उप महानिदेशक डॉ. विनीत कुमार व रमन तिरुनेलवेली वेंकटरमन, सेवानिवृत अपर-महानिदेशक ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम कि मुख्य अतिथि श्रीमती सुनीथा भास्कर, अपर-महानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्र संकार्य प्रभाग, मुख्यालय दिल्ली तथा भारतीय सांख्यिकी सेवा के कुल 4 एवं अधीनस्थ सांख्यिकी सेवा के कुल 65 अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर 90 अधिकारी/ संविदा कर्मी आदि मुख्य लोग उपस्थित थे।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उप महानिदेशक डॉ. विनीत कुमार ने बतया कि एनएसएस के 80वें दौर के घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण का उद्देश्य घरेलू पर्यटन पर व्यय के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र करना है, राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण का उद्देश्य यह जानकारी एकत्र करना होगा कि व्यक्ति भारत में कैसे, कहां और किस उद्देश्य से यात्रा करते हैं तथा निर्माण गतिविधियों के अध्ययन का उद्देश्य, अनिगमित प्रतिष्ठानों (स्वयं के उद्यमशील उद्देश्य को छोड़कर) द्वारा की गई निर्माण गतिविधि और परिवारों द्वारा स्वयं के उपयोग के लिए किए गए स्वयं के खाते के निर्माण के सकल मूल्य उत्पादन / सकल मूल्य वर्धित के आकलन के लिए राष्ट्रीय लेखा प्रभाग को इनपुट प्रदान करना है। साथ ही साथ उप महानिदेशक महोदय ने बताया कि यह कार्य CAPI (कंप्यूटर असिस्टेड पर्सनल इंटरव्यू) के माध्यम से किया जाएगा। आंकड़े सीधे टेबलेट पर एकत्रित किए जाएंगे। इसलिए अधिकारियों को फील्ड ऑपरेशन के दौरान काफी सजग रहने की आवश्यकता है।

स्पीफ 2025 में साइबरपीस के संस्थापक विनीत कुमार ने दिया "साइबर बहुपक्षवाद" का संदेश

संवाददाता रांचीः सेंट पीटर्सबर्ग, रूस दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंचों में से एक, सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (स्पीफ) 2025 में बोलते हुए, साइबरपीस के संस्थापक और वैश्विक अध्यक्ष विनीत कुमार ने डिजिटल युग में संप्रभुता की पुनर्परिभाषा की ज़रूरत पर जोर दिया और सभी वैश्विक नेताओं से एकजुट होकर साइबर लचीलापन और ट्रस्ट-बेस्ड डिजिटल गवर्नेंस को अपनाने की अपील की। वाल्दाई डिस्कशन क्लब द्वारा आयोजित उच्च स्तरीय सत्र में अपने विचार रखते हुए, विनीत कुमार ने बताया कि आज का साइबरस्पेस एक नया भू-राजनीतिक युद्धक्षेत्र बन चुका है - जहाँ शांति और युद्ध, राज्य और गैर-राज्य, और मानव और मशीन के बीच की सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। जहाँ पहले संप्रभुता भौगोलिक सीमाओं से तय होती थी, अब वह साइबर दुनिया की बिना सीमाओं वाली वास्तविकता में चुनौती बन चुकी है। इस

निरंतर बदलती दुनिया में, शांति केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि कोडिंग और विश्वास से स्थापित होगी," विनीत कुमार ने कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि आज की दुनिया को राष्ट्रीय साइबर ढांचे पर हमलों, सीएसएएम (बाल यौन शोषण सामग्री), साइबर दासता, एआई के दुरुपयोग, डीपफेक, गलत सूचना और अदृश्य एल्गोरिदम जैसी खतरनाक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो लोकतंत्र और नागरिक विश्वास की नींव को हिला सकते हैं। कुमार ने डिजिटल संप्रभुता के लिए तीन स्तंभों की रूपरेखा प्रस्तुत कीः

साइबर लचीलापन बिना सीमाओं वाले साइबर खतरों से निपटने की क्षमता

डेटा संप्रभुता - नागरिकों के डेटा को सुरक्षित और नैतिक तरीके से संचालित करना

नैतिक संप्रभुता - एआई, साइबर युद्ध और डिजिटल अधिकारों पर वैश्विक नियम बनाना

विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) देशों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा,."हमें तकनीक का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि इसके सह-लेखक बनना होगा। साइबरपीस एक वैश्विक नागरिक संस्था है जो डिजिटल नैतिकता, साइबर डिप्लोमेसी और सुरक्षित इंटरनेट को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। मंच पर श्री कुमार ने बताया कि संगठन किस प्रकार साइबर फर्स्ट रिस्पॉन्डर को प्रशिक्षित करता है, एआई और साइबर सुरक्षा हैकथॉन आयोजित करता है, और वॉइस क्लोनिंग, साइबर बुलीइंग, सीएसएएम, व साइबर स्लेवरी जैसे खतरों से लड़ता है।

संक्षिप्त खबरें...

पीएम जनमन योजना के तहत बिरहोर टोला में विशेष शिविर का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी(चतरा) प्रखंड के धुना पँचायत अंतर्गत कटुआ बिरहोर टोला में पीएम जनमन योजना के तहत राज्य सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं से आदिम जनजाति समुदाय को आच्छादित कर लाभान्वित करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ वांकिरा ,मुखिया सोनी कुमारी कल्याण पदाधिकारी प्रभाकर जनसेवक बेलाल, डॉ. सुशीला तनवीर, सेवीका नमिता सिन्हा , शिक्षिका मालती कुमारी, जितेंद्र कुमार , संजय कुमार तिवारी ,मनीष कुमार समेत अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया । इस मौके पर बिरहोर परिवारों को आधार कार्ड , आयुष्मान कार्ड , बैंक खाता , अबुवा आवास , पीएम किसान योजना , उज्ज्वला योजना समेत अन्य लाभ दिए गए ।

2 साइबर अपराधी गिरफ्तार, ढाई लाख रुपए बरामद

जामताड़ाः जामताड़ा पुलिस ने पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश व ओडिशा में साइबर ठगी करने वाले दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. यह जानकारी एसपी राजकुमार मेहता ने बुधवार की शाम प्रेस कांफ्रेंस में दी. उन्होंने बताया कि जामताड़ा जिले के रहने वाले प्रदीप कुमार मंडल और रघुवीर कुमार मंडल को गिरफ्तार किया गया है. उनके पास से ढाई लाख रुपए, दस मोबाइल समेत अन्य सामान बरामद हुए हैं. एसपी ने बताया कि ये साइबर अपराधी विभिन्न बैंकों के क्रेडिट और डेबिट कार्ड अपडेट कराने की बात कहकर लोगों को झांसा में लेते थे. फिर उनके मोबाइल पर एक फाइल भेजते थे. उनके मोबाइल में फाइल डाउनलोड करवाकर उनके सारे बैंक की सारी गोपनीय जानकारी प्राप्त कर ठगी करते थे.

भारतीय जनता पार्टी ने आपातकाल की 50वीं बरसी को काला दिवस के रूप में मनाया

आपातकाल के संदर्भ में सेमिनार का अयोजन किया गया

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिला भाजपा कार्यालय में 25 जून आपातकाल पर सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोगता ने किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मिथिलेश गुप्ता ने की। 1975 की सुबह आपातकाल लगाने की घोषणा ने देश को झकझोर दिया प्रदेश महामंत्री सह राज्य सभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने आपातकाल के लिए कांग्रेस को कोसा। इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल 25 जून 1975 की सुबह आपातकाल लगाने की घोषणा रेडियों से की गई थी। 25 और 26 जून की मध्यरात्रि इमरजेंसी के आदेश पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद दस्तखत कर चुके थे। इसके साथ ही देश में आपातकाल लागू हो चुका था। आपातकाल की 50 वीं बरसी आज मनायी गयी । आपातकाल पर कांग्रेस को घेरने के लिए बीजेपी ने आज प्रेस कांफ्रेंस भी की। सिमरिया विधायक कुमार उज्वल ने कहा कि पार्टी आपातकाल की 50 वीं बरसी पर चतरा में काला दिवस के रूप में मना रही है। भारतीय राजनीति के इतिहास का यह वह काला अध्याय है जिसने लोकतंत्र के सिद्धांतों को धराशाई कर दिया था। प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे। अपने विचारों की अभिव्यक्ति करना ही गुनाह था। इन दिनों की याद करके रोकने खड़े हो जाते हैं। देश के कई नेताओं को कारागार में डाल दिया गया था।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर जिलाध्यक्ष श्री रामदेव सिंह भोगता, ने आपातकाल को लेकर पार्टी की तैयारियों पर चर्चा की। श्री भोक्ता ने बताया कि आज का दिन भारतीय जनता पार्टी काला दिन के रुप में मना रही है। पार्टी ने तय किया है कि वो प्रदेश के युवाओं को आपातकाल का न सिर्फ मतलब बताएगी बल्कि ये भी बताएगी कैसे कांग्रेस ने देश के साथ अन्याय किया। आधी रात को कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या करने की कोशिश की। भारतीय राजनीति के इतिहास का आपातकाल एक काला अध्याय है। आपातकाल के दौरान व्यक्ति के स्वतंत्रता पर और प्रजातंत्र की मौलिक भावनाओं पर कुठाराघात किया गया था। भारतीय जनता पार्टी हमेशा से आपातकाल लगाए जाने पर कांग्रेस और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर सवाल खड़े करती रही है। आपात काल के दौरान विपक्ष के नेताओं को चुन चुनकर जेल में डाला गया। विरोध प्रदर्शन और आवाज उठाने वालों को कैद दिया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मिथलेश गुप्ता ने किया वहीं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री डॉक्टर मृत्युंजय सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश सिंह, रजनीकांत सिन्हा, नवीन साह, अक्षयवट पाण्डेय,गोबिंद राम दांगी, शिवकुमार चौबे, टूनटुन सिंह, सरयू राम, उपेंद्र सिंह, भूपेंद्र मिश्रा,सुजीत जयसवाल, बिद्यासागर आर्य, प्रभु सिंह, बिन्देसवरी यादव, कपिल पासवान, सुनील चौरसिया, अभिषेक केसरी,चम्पा सबरी, अनामिका देवी, गायत्री देवी, दिनेसर भारती, पप्पू सिंह, काली यादव, अमित सिंह, बब्लू सिंह, धर्मेंद्र शर्मा भवानी राय, आईटी सेल राजाकुमार मालाकार, सोशल मिडिया खगेश्वर साहू, शिवम गुप्ता, जिला कार्यसमिति सदस्य गण सभी मंडल अध्यक्ष सुबोध सिंह गुड्डू, ठाकुर जीतेन्द्र सिंह, सतीश दांगी, महेन्द्र नायक, बिनोद यादव, दिलेश्वर सिंह भोगता, जीतेन्द्र सिंह, दयनीधी सिंह, कपिल दांगी, संजीव पाण्डेय, सहित काफी संख्या में कार्यकर्त्ता शामिल हुए।

स्वच्छ ग्रामीण सर्वेक्षण के तहत प्रखंड कार्यालय इटखोरी में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी(चतरा बुधवार को स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छ ग्रामीण सर्वेक्षण के तहत प्रखंड कार्यालय इटखोरी के सभा कक्ष में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा सभी जलसहिया को संबोधित करते हुए निर्देश दिया गया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात सभी लोग इसका प्रचार प्रसार करते हुए फीडबैक दिलाने का कार्य करेंगे। ताकि सरकार तक ग्राम की स्पष्ट वस्तुस्थिति पहुंचायी जा सके। इस कार्यक्रम के तहत ब्लॉक वाश समन्वयक श्री अरुण कुमार मिश्रा के द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के पोर्टल पर ग्राम स्तर पर स्वच्छता से संबंधित पूछे जाने वाले सवालों के बारे में सभी मुखिया एवं जलसहिया दीदी को विस्तृत रूप से बताया गया। साथ ही सभी स्थानीय ग्रामीणों को इस ऐप के बारे में प्रचार प्रसार कर फीडबैक दिलाने का निर्देश दिया गया।

जर्जर स्कूल भवनः जमुआ के बच्चे मौत को दावत देते हुए पेड़ के नीचे शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर

बरसात के मौसम में पेड़ नीचे आसमानी बिजली का जानलेवा खतरा..!

कोयलांचल संवाद संवाददाता

प्रतापपुर(चतरा) जिले के प्रतापपुर प्रखंड के टंडवा पंचायत में स्थित जमुआ गांव का उत्क्रमित मध्य विद्यालय (यूएमएस जमुआ) बदहाली की ऐसी तस्वीर पेश कर रहा है, जहां जर्जर और जानलेवा भवन के कारण नौनिहाल बच्चे पेड़ों की छांव में बैठकर शिक्षा की ज्योत जलाने को संघर्ष कर रहे हैं। बरसात के इस मौसम में खुले आसमान के नीचे पढ़ाई करना उनके लिए मौत को दावत देने के बराबर हो सकता है। पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ना, खासकर बरसात के मौसम में, बच्चों के लिए सीधे तौर पर जानलेवा है। आकाशीय बिजली गिरने का खतरा हर पल बना रहता है, जो किसी भी क्षण एक बड़ा हादसा बनकर इन मासूमों की जान ले सकता है। स्कूल का भवन इतना पुराना और खराब हो चुका है कि इसकी छत और दीवारें कभी भी गिर सकती हैं, जिससे बच्चों को अंदर पढ़ाना असंभव है। इस गंभीर समस्या को लेकर शिक्षक से लेकर परिजनों तक ने कई बार अधिकारियों, नेताओं और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई है, लेकिन सभी बेसुध बने हुए हैं। किसी ने भी अब तक इन बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा की ओर ध्यान नहीं दिया है। यह स्थिति सरकार के शिक्षा पर करोड़ों खर्च करने के दावों पर सवाल उठाती है और दिखाता है कि ज़मीनी स्तर पर क्या हकीकत है।

रिपोर्ट सौंपी गई, अब आदेश का इंतजार..

राहत की बात यह है कि इस गंभीर मामले की जांच पड़ताल कर वरीय अधिकारियों को रिपोर्ट सौंपी गई है। अब उम्मीद की जा रही है कि आदेश मिलने के बाद जल्द ही नए भवन का निर्माण कार्य शुरू होगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द से जल्द इस समस्या पर संज्ञान लेगा और जमुआ के बच्चों को एक सुरक्षित और बेहतर माहौल में शिक्षा का अधिकार मिल पाएगा, ताकि उन्हें जान का जोखिम उठाकर पढ़ाई न करनी पड़े।

नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता रहती हैं मुझेः स्कूल सचिव

विनय शंकर ने बताया, "जर्जर भवन के डर से हम बच्चों को बाहर पेड़ के नीचे पढ़ाते हैं, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।" हालांकि, उन्होंने आगे कहा, "लेकिन अब बरसात के मौसम में पेड़ के नीचे भी बच्चे सुरक्षित नहीं हैं।" उनकी यह टिप्पणी स्कूल में पढ़ रहे नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ाती है।

जान का जोखिम और बेबसी

सचिव के बयान से यह स्पष्ट होता है कि बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पढ़ाने का कोई विकल्प नहीं बचा है। जर्जर भवन कभी भी ढह सकता है, और बरसात में पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ने का मतलब आकाशीय बिजली गिरने जैसे जानलेवा खतरों को मोल लेना है। इस बेबसी में शिक्षक और बच्चे दोनों ही अपनी जान जोखिम में डालकर शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं।

यह स्थिति स्थानीय प्रशासन और शिक्षा विभाग की लापरवाही को उजागर करती है, जिन्होंने अब तक इस दशकों पुरानी समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। विनय शंकर के बयान ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया है कि बच्चों की सुरक्षा और उनके भविष्य के लिए तत्काल एक नए और सुरक्षित स्कूल भवन का निर्माण कराया जाए।

संच समिति की मासिक बैठक संपन्न, शामिल हुए संच सचिव

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग) चौपारण प्रखंड में संघ से संचालित एकल विद्यालय परिवार व संच समिति की महत्वपूर्ण व मासिक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता संच सचिव बच्चू कुमार राणा, संचालन संच प्रमुख नंदकेसरी के द्वारा किया गया। बैठक में प्रखंड में संचालित छब्बीस एकल विद्यालयों के आचार्या बहनों की शत प्रतिशत उपस्थिति हुई। संच प्रमुख ने ओम् उच्चारण, गायत्री मंत्र, हनुमान चालीसा, और चौपाई के साथ रामायण लघुकथा का शानदार प्रेरक प्रसंग कह सुनाई।

तत्पश्चात जून माह की हर एक्टीविटी को सराहा गया, और मूल्यांकन के पश्चात मासिक प्रतिवेदन से संतुष्टि मिली ,अगले माह में और बेहतर करने का सलाह संच सचिव बच्चू कुमार राणा के द्वारा दिया गया। आज प्रमुख मासिक बैठक में संच अध्यक्ष शेखर गुप्ता की उपस्थिति होनी थी, परन्तु अति अनिवार्य कार्य निष्पादन हेतु बाहर जाना पड़ा। बैठक में रिंकू देवी, झरोखा देवी,इंदू देवी, कुंती देवी, पार्वती देवी, करीना देवी,रिंकी देवी, ममता कुमारी, सुनिता कुमारी, रेखा कुमारी,रीता कुमारी, बबीता देवी, कुंती देवी, बेबी देवी,पुनम देवी,दीपा देवी, मुन्नी देवी, पार्वती देवी,शीतल देवी, चंचला देवी सहित आचार्या बहनों की उपस्थिति हुई।

संच ब्यास प्रेम कुमार दांगी की उपस्थिति ने चार चांद कर दिया, इन्होंने अच्छे सुर ताल के साथ भजन कर सभी आचार्या बहनों को झुमने के लिए मजबुर कर दिया, सभी सम्मानित बहनों ने झुम कर भर पूर मनोरंजन किया। श्री दांगी ने संधी योग भी करवायें और गायत्री मंत्र उच्चारण के पश्चात आज की बैठक सम्पन्न की गई।

ओरमांझी प्रखंड स्तरीय खरीफ सह मिलेट मिशन कार्यशाला का आयोजन

किसानों को खेत की मिट्टी जांच एवं बीज उपचार कर नई तकनीकी से खेती करने मिली जानकारी

ओरमांझी(मोहसीन आलम)ः ओरमांझी प्रखंड सभागार में बुधवार को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा प्रखंड स्तरीय खरीफ सह मिलेट मिशन कार्यशाला का आयोजन किया गया,कार्यशाला का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया जिला परिषद सदस्य पूर्वी सरिता देवी व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया,मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किसानों को खेत की मिट्टी जांच एवं बीज उपचार कर नई तकनीकी से खेती करने का सलाह दिया,कार्यशाला का संचालन प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक मोहम्मद अलीजान ने किया एवं सरकार की किसान उपयोगी योजनाओं के बारे में जानकारी दिया इस कार्यशाला में खरीफ में होने वाली खेती धान मक्का मड़वा,मूंगफली अरहर,आदि फसलों का नर्सरी से लेकर रोपाई कटाई कीट प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा किया गया.इस कार्यशाला में प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी विश्वनाथ टोप्पो कृति रानी शुभम कुमार,पिरामल फाऊंडेशन अमन भगत इफको,रमेश चंद्र,प्रखंड तकनीकी प्रबंधन कुमार रणधीर पंचायत समिति सदस्य ललिता मेहता दीपक बधाई शशि मिश्रा मुखिया रमेश बेड़िया धनराज बिटिया भानु प्रताप,जनसेवक कृषक मित्र प्रगतिशील कृषक एवं जनप्रतिनिधि आदि शामिल रहे।

धनबाद में बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

चोरी की 21 बाइक बरामद, इंजन-चेसिस नंबर बदलकर बेच देते थे

धनबादः धनबाद जिला पुलिस ने जिले में सक्रिय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है. उनकी निशानदेही पर चोरी की 21 बाइक व उनके पास से 2 मोबाइल फोन बरामद किया है. यह जानकारी एसएसपी प्रभात कुमार ने बुधवार को प्रेसवार्ता में दी. उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हो रही बाइक चोरी की रोकथाम और बरामदगी के लिए सिटी एसपी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था.

टीम में शामिल सिंदरी एसडीपीओ व झरिया थाना प्रभारी ने पुलिस बल के साथ जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चोरी की गई 21 बाइक बरामद की. साथ ही बाइक चोरी में शामिल पांच अपराधियों को भी अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया, जिसमें झरिया का एक दुकानदार भी शामिल है. यह दुकानदार चोरी की गई बाइक के इंजन व चेसिस नंबर बदलकर उन्हें बेचने का काम करता था.

गिरफ्तार आरोपियों में मो. आरिफ अंसारी उर्फ आरिफ गद्दी, छोटू कुमार उर्फ छोटू पंडित, सूरज कुमार, मो. असलम व जागो उर्फ जगदीश भुईयां शामिल हैं. पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है. उम्मीद है कि चोरी की और बाइक भी बरामद की जा सकती हैं. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह के तार अन्य जिलों या राज्यों से जुड़े हैं या नहीं.

मानसून चक्रवात बारिश में उच्च स्तरीय पुल से लेकर राजमार्ग तक नुकसान एनएचएआई-आरसीडीअभियंता निरीक्षण तक नहीं पहुंचे :- अमर महतो

रांची : मानसून चक्रवात ने भारी तबाही मचाई 1 करोड़ों रुपए के सड़क पुल पुलिया तबाह हो गया. राजमार्ग सड़कों पर सैकड़ो ऐसे गड्ढे ,जो दुर्घटना के कारण बन सकते हैं. रांची -जमशेदपुर -चाईबासा- सरायकेला क्षेत्र के सड़क मरमती के कगार पर हैं.

एनएचएआई के महाप्रबंधक एवं प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता इस विषय को लेकर त्वरित कार्रवाई अब तक नहीं किया. नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेताओं ने क्षेत्र का निरीक्षण के दौरान में पाया , कि एजेंसी टोल नाका पर सिर्फ पैसा वसूलने में लगी हुई है. सड़कों को कैसे ठीक करना है इस विषय में अब तक विशेष पहल नहीं किया गया.

सुमन बढ़ा ने कहा सरकार एवं संवेदक अभियंता के निरीक्षण में प्रतिवर्ष छोटे-मोटे मिलकर 50 से ज्यादा पुल पुलिया एवं सड़क बनाते हैं लेकिन एक बारिश बारिश में बर्बाद हो जाता है. गुणवत्ता में कमी ,कमीशन खोरी एवं जनप्रतिनिधि के नजर अंदाज से सड़कों का हाल है. पंचपरगना के बुंडू, राहे ,सिली, सोनाहातू ,तमाड़, इचागढ़ क्षेत्र में देखा जाए तो विधानसभा एवं प्रखंडों को जोड़ने वाली सड़क टूट गया है.

प्रमोद ठाकुर ने कहा प्रखंड एवं जिला से प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मुआयना करना उचित नहीं समझा. ग्रामीणो ने कहा सड़कों के गड्ढे होने से हाल फिलहाल में मोटरसाइकिल में दुर्घटना बढी है.

भाजपा ने संगोष्ठी व प्रेस कांफ्रेंस कर आपातकाल के काले अध्याय को बताया

आपातकाल में जो जुल्मों सितम ढाया गया उसे आम जन को बताना होगाः सीपी सिँह

ओरमांझी(मोहसिन)ः भाजपा राँची जिला ग्रामीण ने बुधवार को मेसरा रिंग रोड स्थित बैंक्विट हॉल में अपने सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ विशेष संगोष्टी कार्यक्रम आयोजित कर 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में इमरजेंसी की घोषणा के 50 साल पूरे होने पर बीजेपी इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया. बीजेपी ने आपातकाल के 50वें वर्ष पूरा होने पर आपातकाल की भयावहता, क्रूरता और कांग्रेस की दमनकारी नीति पर चर्चा की,संगोष्ठी कार्यक्रम में राँची विधायक सीपी सिँह,पूर्व सांसद रामटहल चौधरी,पूर्व खिजरी विधायक रामकुमार पाहन शामिल हुए. कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा के तेजतर्रार युवा नेता कमलेश राम व संचालन नरेंद्र कुमार कर रहे थे।

जिला स्तर के विशेष संगोष्ठि के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं,प्रेस की स्वतंत्रता,न्यायपालिका और देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलने वाले आपातकाल के काले अध्यायों पर संवाद करते हुए उस समय के प्रधानमंत्री इंद्रा गाँधी की दमन कारी नीति पर ब्यख्यान करते हुए आपातकाल की भयावहता की याद किया गया।वहीं उपस्थित लोगों से वक्ताओं ने कहा की आपातकाल के काले अध्याय को आम जनता को बताने की जरूरत हैं. कार्यक्रम के समापन के उपरांत प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया, जहां सी सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल के घटना को लोगों को बताने की आवश्यकता है जिस तरह आपातकाल में लोगों पर अत्याचार हुआ वह किसी से छुपा हुआ नहीं है,जो जुल्मों सितम ढाया गया और लोगों की अभिव्यक्ति व्यक्ति छीनने का प्रयास किया गया,उसे आम जनों को बताने की आवश्यकता है,मौके मुख्य रूप से जलेन्द्र कुमार,रणधीर चौधरी,राधाचरण सिंह, संजीत सिंह सहित भाजपा के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

आपातकाल केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान पर सबसे बड़ा हमला था - अमर कुमार

दुमकाः भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई दुमका द्वारा देश के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्याय आपातकाल के 50वें वर्ष पर आपातकाल : लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला विषय पर एक विचार गोष्ठी (सेमिनार) सह प्रदर्शनी का आयोजन अग्रसेन भवन में किया गया।इस अवसर पर पूर्व मंत्री सह पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, पूर्व राज्यसभा सांसद अभयकांत प्रसाद, दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत समेत अनेक वरिष्ठ नेता मंचासीन रहे।अपने संबोधन में अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आपातकाल केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्य और संविधान पर सबसे बड़ा हमला था। यह कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का प्रमाण है, जिसने देश की जनता की आवाज को दबाने का प्रयास किया। हमें इस दिन को केवल याद ही नहीं करना है, बल्कि इससे सबक लेकर आने वाली पीढ़ी को लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरूक करना है।पूर्व राज्यसभा सांसद अभयकांत प्रसाद ने कहा कि आपातकाल का विरोध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक और वैचारिक आंदोलन था। हजारों देशभक्तों ने जेलें भरीं, यातनाएं सहीं लेकिन लोकतंत्र से समझौता नहीं किया। आज भारतीय जनता पार्टी उन्हीं बलिदानों की विरासत को आगे बढ़ा रही है।कार्यक्रम के दौरान आपातकाल विरोधी आंदोलन में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों राधेश्याम वर्मा, प्रेम केसरी, मनोहर केसरी, राजेंद्र सिंह, शिव शंकर चौधरी, प्रभात चंद्र लायक, मदन प्रसाद रजक, अफजल अहमद खान, सूर्यकांत शुक्ला आदि को अमर कुमार बाउरी द्वारा अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर आपातकाल की घटनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें उस समय के अखबारों की कतरनें, दुर्लभ दस्तावेज़ और तस्वीरें प्रदर्शित की गईं, जिससे युवाओं को उस दौर की भयावहता का सीधा अनुभव हो सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने की, जबकि मंच संचालन जिला महामंत्री डॉ पवन केसरी ने किया। कार्यक्रम में भाजपा के जिला व मंडल पदाधिकारी, मोर्चा प्रमुख, वरिष्ठ कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी वर्ग एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION, KODERMA

Very Short e-Procurement Notice

Tender Reference No:- 03/BCD/EE/KODERMA/2025-26 Date:-25-06-2025

Gr. No.	Name of the work	Estimated Cost (in Rs.)	Time of Completion
1.	RENOVATION AND ROOF TREATMENT OF COLLECTORATE BUILDING BLOCK-A (D.C. BLOCK) AT KODERMA	87,37,600.00	4 Month
i.	Date of Publication of Tender on website	03.07.2025 at 10:00AM	
ii.	Last date/Time for receipt of bids	10.07.2025 up to 3:00PM	
iii.	**Date & Time of opening of tender**	11.07.2025 at 3:00PM	
iv.	Name & address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Koderma	
v	Contact no. of Procurement officer	91029-79082	
vi.	Helpline number of e-Procurement cell	99315-10044	

Further details and subsequent amendments can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Koderma

PR 355917 Building(25-26).D

संक्षिप्त खबरें...

नीतीश के मंत्री अशोक चौधरी 58 की उम्र में बने असिस्टेंट प्रोफेसर, 2020 में निकली थी बहाली

पटना. बिहार की नीतीश सरकार में ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी असिस्टेंट प्रोफेसर बनने वाले हैं। अशोक चौधरी असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चयनित हुए हैं। उनका चयन पॉलिटिकल साइंस के लिए हुआ है। अशोक चौधरी बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं और उन्होंने पीएचडी तक पढ़ाई की है। बताया जा रहा है कि पॉलिटिकल साइंस के लिए आयोग ने 274 उम्मीदवारों का चयन किया है। चौधरी का चयन एससी कैटिगरी में हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार अलग-अलग कॉलेजों में प्रोफेसरों के खाली पड़े पदों को भरने के लिए बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग ने योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे थे। साल 2020 में आयोग ने साक्षात्कार आयोजित किया था। इस साक्षात्कार में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 55 वर्ष तय थी। हाल ही में इसका फाइनल रिजल्ट घोषित किया गया है। 58 साल के अशोक चौधरी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी नेताओं में से एक हैं। वह बिहार में कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे महावीर चौधरी के बेटे हैं। अशोक ने कांग्रेस से राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। वे शेखपुरा की बरबीघा सीट से दो बार विधायक रहे। राबड़ी सरकार में मंत्री भी रहे। वे बिहार में कांग्रेस की कमान भी संभाल चुके हैं। 2018 में वे कांग्रेस छोड़कर जेडीयू में आ गए थे। अशोक चौधरी दलित वर्ग से आते हैं। उनकी बेटी लोजपा-रामविलास से समस्तीपुर से सासंद हैं।

स्कूल ड्रेस में नहीं आए तो परीक्षा में नहीं मिली एंट्री

पटना . पटना में 12वीं की परीक्षा के दौरान एक परीक्षा केंद्र पर जमकर हंगामा हुआ है। दरअसल स्कूल ड्रेस में नहीं आने पर छात्रों को परीक्षा में बैठने की इजाजत नहीं दी गई। परीक्षा देने से वंचित छात्र इस बात से नाराज हो गए और इसपर उन्होंने जमकर हंगामा किया। पटना से सटे फुलवारीशरीफ में आदर्श उच्च विद्यालय पलंगा छात्रों का हंगामा हुआ है। यहां 12वीं की त्रैमासिक परीक्षा चल रही है लेकिन स्कूल यूनिफॉर्म में नहीं आने के कारण छात्रों को परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया। इस बात को लेकर छात्र उग्र हो गए। छात्रों का कहना थ कि विद्यालय में बैठने तक की सुविधा नहीं है। इस बात को लेकर स्कूल प्रशासन और छात्रों के बीच तनातनी शुरू हो गई। मौके पर पुलिस भी पहुंची है

बेतिया में बाइक गैरेज में शॉर्ट सर्किट से आग

बेतिया. बेतिया के भंगहा थाना क्षेत्र अंतर्गत भंगहा बाजार में मंगलवार की देर रात एक बड़ी अगलगी की घटना सामने आई है। यहां एक बाइक गैरेज में अचानक आग लग गई, जिससे पूरा गैरेज और उसमें रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने का कारण बिजली के शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है। इस घटना में करीब 10 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, गैरेज मालिक गौरीशंकर गुप्ता उर्फ पप्पु, जो मैनाटाड़ थाना क्षेत्र के रमपुरवा गांव का रहने वाला है, रोज की तरह मंगलवार शाम को अपनी दुकान बंद कर घर चला गया था। देर रात करीब एक बजे उसे किसी ने मोबाइल पर सूचना दी कि उसकी दुकान में आग लग गई है। जब वे मौके पर पहुंचे तो देखा कि गैरेज धू-धू कर जल रहा था। स्थानीय लोगों की मदद और फायर ब्रिगेड की टीम के प्रयास से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक गैरेज में रखे अधिकांश सामान जल चुके थे।

शेखपुरा में लड़की डेढ़ साल से लापता

शेखपुरा. शेखपुरा के नगर थाना क्षेत्र के कारे गांव से एक युवती पिछले डेढ़ साल से लापता है। पुलिस ने युवती की बरामदगी के लिए 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। नगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार के अनुसार, महेश बिंद की बेटी जानवी कुमारी (20) 29 सितंबर 2022 को घर से गायब हो गई थी। युवती के भाई ने नगर थाना में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि युवती का कई युवकों से फोन पर संपर्क था। पुलिस ने नालंदा, लखीसराय और कोसुंभा से 3 युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। नालंदा के सुसंडी गांव निवासी धर्मराज कुमार ने घटना से 10 दिन पहले युवती को मोबाइल और सिम दिया था। युवती के माता-पिता दिल्ली में मजदूरी करते थे और वह अपने भाई के साथ गांव में रहती थी। CCTV फुटेज से पता चला कि घटना वाले दिन वह पटना रेलवे स्टेशन पहुंची थी। इसके बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने कई संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। पुलिस ने कहा कि घर से गायब हुई इस युवती के बारे में सही सही जानकारी देने वाले को स्थानीय जिला पुलिस द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा।

कार ने ठेले में मारी टक्कर, 5 फीट नीचे गिरी

भागलपुर. भागलपुर के नवगछिया में बुधवार की सुबह 80 की स्पीड में जा रही कार संतुलन खोकर 5 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में एक युवती घायल हुई है। खगड़िया की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही कार बेकाबू हो गई। सबसे पहले उसने फुटपाथ पर लगे आम के ठेले में टक्कर मारी। टक्कर लगने के बाद वह सड़क किनारे 5 फीट गहरी खाई में जा गिरी।
हादसा नवगछिया के भवानीपुर थाना क्षेत्र के चकरामी गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-31 पर हुआ। एक्सीडेंट में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि आम का ठेला भी क्षतिग्रस्त हुआ है। लगभग 30 हजार से अधिक का नुकसान हुआ है।हादसे में आम बेचने वाली एक युवती भी घायल हुई है, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायल की पहचान अशरफ अली की बेटी रेशमा खातून उर्फ दिलशाना के तौर पर हुई है। अशरफ अली ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि रोज की तरह वह ठेले से आम बेचने के लिए निकले थे। इसी दौरान बुधवार को चकरामी गांव के पास वह आम का ठेला लगाए थे और बगीचे से आम लेने के लिए गए थे। कार ने ठेले में टक्कर मार दी। ठेला सहित आम में 30 हजार से अधिक का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद करीब 50 मीटर तक आम बिखर गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और कार को जब्त कर लिया गया है।

दूसरी शादी करने जा रहा था, पत्नी पहुंच गई : हंगामा

समस्तीपुर. समस्तीपुर कोर्ट में पति-पत्नी का हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। शादीशुदा होने के बाद भी मोहम्मद कलाम खुद को कुंवारा बताकर शादी करने जा रहा था। पत्नी ने ना सिर्फ शादी रुकवाई, बल्कि कोर्ट में भी जमकर हंगामा किया। पहली पत्नी की कहानी सुनकर लड़की ने शादी से इनकार कर दिया, लेकिन घंटों कोर्ट में हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। मोहम्मद कलाम की पत्नी नसीमा खातून ने बताया- '3 साल पहले मोहम्मद कलाम की रॉन्ग नंबर से बातचीत शुरू हुई। धीरे-धीरे मुलाकातों का दौर शुरू हुआ। दोनों एक दूसरे को दिल दे बैठे। प्यार परवान चढ़ा तो हमने मुस्लिम रीति रिवाज से शादी कर ली। 'शादी के बाद मोहम्मद कलाम मुझे अपने साथ करनाल लेकर चला गया। 3 सालों तक करनाल में रहा, लेकिन मुझे बच्चा नहीं हुआ।' 'मैंने शादी के वक्त ही उसे बता दिया था कि मुझे बच्चे नहीं हो सकते हैं। मैंने फैमिली प्लानिंग करा रखी है। इसी बात को लेकर हमारा करनाल में झगड़ा हुआ, वो वहां से भाग कर समस्तीपुर चला गया।' ड्रामे का वीडियो भी सामने आया है। वकीलों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। हालांकि, पुलिस के पहुंचने पर गांव समाज के लोगों ने मामले को अपने स्तर पर सुलझा लेने की बात कही। पत्नी के हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद दूसरी लड़की के घर वालों ने शादी से इनकार कर दिया।

मायके जाने से नाराज पति ने पत्नी का किया मर्डर

सासाराम (रोहतास). रोहतास में मायके जाने पर नाराज पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने उसी बंदूक से खुद को भी शूट कर लिया। पति को गंभीर हालत में सासाराम के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया है। घटना नटवार थाना क्षेत्र के सारांव गांव की है। मृतका की पहचान सुगंध कुमार की पत्नी पूनम देवी (35) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही बिक्रमगंज के SDPO कुमार संजय मौके पर पहुंचे। मृतक बेटे रोहित ने बताया, 'हम सो रहे थे। एक बार आवाज आई तो जाकर देखा की मम्मी का खून निकल रहा था।' पुलिस ने मौके से दोनाली बंदूक, एक जिंदा कारतूस और तीन खोखे बरामद किए हैं।

पटना में 15 साल की लड़की से गैंगरेप, चार स्कूली छात्र गिरफ्तार

8वीं-10वीं के है छात्र, बॉयफ्रेंड ने होटल में रेप किया, फिर 3 दोस्तों को बुलाया; इंस्टाग्राम से हुई थी दोस्ती

पटना. पटना में 15 साल की लड़की के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में 4 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी 8वीं और 10वीं के छात्र हैं। पीड़िता के मुताबिक, उसके साथ मंगलवार को एक होटल में रेप किया गया, जबकि आरोपियों का कहना है कि ये घटना एक महीने पुरानी है। पीड़िता प्रेग्नेंट बताई जा रही है। मामला पुलिस के पास मंगलवार को पहुंचा। पीड़िता ने बताया कि, 'चार लड़के मुझे कोतवाली इलाके के एक होटल में ले गए थे। वहां मेरे साथ रेप किया।

मैंने होटल से निकलने के बाद परिजनों को इस बारे में जानकारी दी। फिर हम पुलिस के पास पहुंचे।' आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि, 'इंस्टाग्राम के जरिए एक लड़के की लड़की से पहचान हुई थी। धीरे-धीरे बातें होने लगीं। वो उससे प्यार करने लगी थी।' 'इसके बाद उसे अपने ग्रुप के सभी दोस्तों से मिलवाया। नजदीकी भी बढ़ती चली गई। एक महीने पहले लड़की दीपनगर इलाके में अपने बॉयफ्रेंड से मिलने पहुंची।' 'यहां उसके बॉयफ्रेंड ने उसके साथ संबंध बनाए। इसके बाद लड़की ग्रुप के 3 दोस्तों के साथ बाईपास से सटे एक होटल में गई। यहां तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ रेप किया।'

फिलहाल कोतवाली थाने की महिला पुलिसकर्मी शोभा कुमारी और ASI राजीव रंजन कोर्ट में लड़की का बयान दर्ज कराने के गए हैं। वहीं, नाबालिगों के परिजनों का कहना है कि 'सभी नशे के भी आदि हैं। सुधारने के लिए पटना लाए थे, लेकिन यहां और बिगड़ गए। बच्चे हैं, सुधरने का मौका तो देना ही होगा।' जानकारी के मुताबिक, घटना के बाद पीड़िता मेहदीगंज थाने पर पहुंचीं, लेकिन शिकायत दर्ज नहीं हुई। इसके बाद वह जक्कनपुर थाने गई, वहां भी मामला दर्ज नहीं किया गया। दिनभर भटकने के बाद शाम में लड़की कोतवाली थाने पहुंची। वह उसने घटना के बारे में जानकारी दी, तब जाकर मामला दर्ज हुआ। DSP कृष्ण मुरारी प्रसाद लॉ एंड ऑर्डर ने बताया, 'लड़की का मेडिकल कराया जा रहा है। यह पिछले कई महीनों से चल रहा था। घटना कोतवाली इलाके के एक होटल में भी हुई थी। गैंगरेप बच्ची के साथ हुआ था।' 'देर शाम परिजनों ने कोतवाली थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। जिसके आधार पर कार्रवाई की गई है। सभी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।'

सड़क हादसे में मृत युवक के परिजनों ने किया हंगामा:आवेदन लेने में देरी से थे नाराज; पुलिस के लाठीचार्ज में 5 लोग घायल

बेतिया. बेतिया में सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत के बाद बुधवार को सिरिसिया थाना पहुंचे परिजन और ग्रामीणों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। बताया जा रहा है कि आवेदन लेने में हो रही देरी को लेकर परिजन आक्रोशित हो उठे थे। भीड़ के उग्र होने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिससे कई लोग घायल हो गए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। पुलिस और ग्रामीणों के बीच पथराव की भी सूचना है। पुलिस की लाठी से चूहड़ी निवासी विनोद बैठा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं ।जिन्हें इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। वहीं मनु यादव, ललिता देवी, सुजीत कुमार और अमित कुमार को भी हल्की चोटें आई हैं।

आवेदन नहीं लेने का लगाया आरोप

मृत युवक दीपू राम के पिता नंदू राम ने बताया कि शनिवार को दीपू राम बाइक से घर लौट रहा था, तभी आजाद चौक पर दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। घायलावस्था में उसे जीएमसीएच लाया गया और फिर गोरखपुर रेफर किया गया, जहां मंगलवार शाम उसकी मौत हो गई।बुधवार सुबह परिजन थाना में आवेदन लेकर

पहुंचे, लेकिन उन्हें बताया गया कि संबंधित अधिकारी सो रहे हैं। आवेदन नहीं लिया गया और परिजन वापस लौट गए। कुछ देर बाद वे शव के साथ फिर से थाना पहुंचे और कार्रवाई की मांग करने लगे। इसी दौरान भारी पुलिस बल पहुँची और लाठीचार्ज कर दिया।घटना की सूचना पर चनपटिया, कुमारबाग, शनिचरी, योगापट्टी, मनुआपुल, गोपालपुर, कालीबाग आदि थानों की पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेजा गया।इस मामले में एसडीपीओ सदर-2 रजनीश कुमार प्रियदर्शी और यातायात डीएसपी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इंदिरा गांधी संविधान को ताक पर रखती; राहुल जेब में : अनुराग

मोतिहारी. मोतिहारी के रामसर प्लाजा होटल में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर बुधवार को भाजपा ने विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर पहुंचे थे। जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस पर कई गंभीर आरोप लगाए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि इंदिरा गांधी संविधान को ताक पर रखकर चलती थीं। राहुल गांधी उसे जेब में रखकर चलते हैं। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी ने संविधान की आत्मा को कुचल दिया था। कांग्रेस पार्टी आज भी उसी तानाशाही मानसिकता में जी रही है।

बिहार चुनाव पर भी टिप्पणी

राजद प्रमुख लालू यादव पर टिप्पणी करते हुए ठाकुर ने कहा कि वे जेपी आंदोलन से निकले थे। अब

कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू यादव ने बाबा साहेब को अपने पांव तले रखने का काम किया है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे पाकिस्तान की भाषा क्यों बोलते हैं। सेना के शौर्य और ऑपरेशन पर सवाल उठाते हैं। बंद कमरे में चीनी अफसरों से मुलाकातें होती हैं। राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से फंडिंग मिलती है। उन्होंने इसे देश के लिए चिंता का विषय बताया। बिहार की राजनीति पर बात करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस और राजद का गठबंधन जनता को गुमराह करने का प्रयास है। बिहार में कांग्रेस की हार तय है और वह राजद के साथ डूबेगी।"उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जागरूक रहें और ऐसे दलों को सबक सिखाएं जिन्होंने आपातकाल जैसे काले अध्याय को देश पर थोपा।

बिहार में अब तेजस्वी की पार्टी के नेता की पिटाई, डायन होने का आरोप लगा मां को भी डंडे से धुना

खगड़िया. बिहार में अब तेजस्वी यादव की पार्टी के एक नेता की जमकर पिटाई की गई है। वारदात खगड़िया जिले की है। दबंगों ने यहां राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रखंड अध्यक्ष की मां को भी पीटा है। जिले में चौथम थाना क्षेत्र के करुआ गांव में मंगलवार को डायन का आरोप लगाकर दबंगों ने राजद प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इकबाल अली की मां मनीना खातून को मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया। अपनी मां को बचाने आए राजद प्रखंड अध्यक्ष को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। दोनों घायल मां और बेटे का इलाज चौथम सीएचसी में किया गया। इधर मामले को लेकर पीड़िता मनीना खातून ने चौथम थाना में आवेदन देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। थाना में दिए आवेदन में पीड़िता ने कहा कि मंगलवार की सुबह वह अपने खेत में लगे झिंगा तोड़ रही थी। इसी दौरान गांव के ही मो शमीम, मो शाहनवाज, मो फैजान, मो मतीन सहित 16 की संख्या में आए महिलाएं और पुरुष एक मत होकर लाठी, डंडे और लोहे का पाइप लेकर वहां पहुंचे। आते ही इन लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दिया। विरोध करने पर मारपीट कर मनीना खातून को घायल कर दिया गया। इधर जब उनके बेटे और राजद प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इकबाल अली अपनी मां को बचाने आए तो दबंग उनपर भी टूट पड़े। लाठी-डंडे से उनसे भी मारपीट की गई।

पूर्णिया में बदमाशों ने मामा-भांजे को मारा चाकू: जीएमसीएच के डॉक्टरों ने ऑपरेशन के बाद हथियार निकाला; शादी से इनकार पर अटैक की आशंका

पूर्णिया. पूर्णिया में मंगलवार रात बदमाशों ने घर में सोए मामा-भांजे को चाकू गोद दिया। दोनों के ऊपर धारदार हथियार से जानलेवा हमले किए। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया है। घटना सुपौल के खरही टोला थाना क्षेत्र के लछमिनिया हाजीगंज के ललित ग्राम की है। घायलों में सुपौल के छातापुर थाना क्षेत्र के रामपुर सोहरबा के रहने वाले भांजा मोहम्मद वारिश (23) है। सुपौल के खरही टोला थाना क्षेत्र के लछमिनिया हाजीगंज के ललित ग्राम निवासी मामा मोहम्मद सहीम भी जख्मी है। जीएमसीएच के डॉ तारकेश्वर और डॉ विकास

कुमार ने सफल ऑपरेशन के बाद मोहम्मद वारिश को गोदी गई चाकू निकाल लिया है। शादी से इनकार के बाद अटैक की आशंका है। मो. सोहेल, नाना मो. ईशा और स्थानीय जनप्रतिनिधि राजद के प्रखंड अध्यक्ष जिब्रान आलम ने बताया कि मंगलवार को वारिश के नाना यजुब की बीमारी से जूझते हुए इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इन्ही को मिट्टी देने के लिए रिश्तेदार घर पहुंचे थे। रिश्तेदारों की संख्या काफी ज्यादा होने की वजह से घर में जगह कम पड़ गई थी। जिस वजह से रात गए मामा-भांजे पड़ोसी के घर के बरामदे में सो रहे थे। तभी बदमाश घर में आ घुसे। धारदार हथियार से दोनों के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। दोनों के चीखने की आवाज सुनकर घर वालो की नींद खुली। मगर तब तक आरोपी भाग निकले थे। जीजा मो. सोहेल ने बताया कि मो. वारिश के मामा मो. सहीम की सुपौल की ही रहने वाली एक लड़की से शादी तय हुई थी। मगर बाद में मो सहीम ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। उन्हें शक है कि बदले की भावना से लड़की के रिश्तेदारों ने जानलेवा हमला किया है। हमले में घायल मामा भांजे को गंभीर हालत में सुपौल स्थित स्थानीय अस्पताल और फिर वहां से GMCH पूर्णिया लाया गया, जहां मामा मो सहीम की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। जबकि भांजा मो वारिश का नाजुक हालत में मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।घटना को लेकर स्थानीय पुलिस को जानकारी दी गई है

ट्रांसफर से नाखुश शिक्षकों को एस सिद्धार्थ ने लताड़ा, बोले- परिक्रमा मत करो

पटना. बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने ट्रांसफर से संबंधी समस्याओं को लेकर पटना आ रहे शिक्षकों को लताड़ा है। एसीएस ने बुधवार को सभी जिलाधिकारियों को इस संबंध में पत्र जारी किया है। उन्होंने शिक्षकों से कहा है कि वे पटना स्थित राज्य मुख्यालय आकर सचिवालय की परिक्रमा नहीं करें। उन्होंने जिलाधिकारियों से इस संबंध में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। एसीएस सिद्धार्थ ने पत्र में कहा कि तबादला से जुड़ी दिक्कतें लेकर शिक्षकों के मुख्यालय आने से शिक्षा विभाग का कामकाज प्रभावित होता है। जिलों में ही स्थानांतरित शिक्षकों की स्थापना संबंधित

समस्याओं के समाधान की व्यवस्था की है। ऐसे में शिक्षकों का सीधे राज्य मुख्यालय की परिक्रमा करना उचित नहीं है। अगर किसी टीचर को अपने ट्रांसफर से संबंधित कोई दिक्कत है तो वह अपने नजदीकी पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए विभाग के मुख्यालय आने की कोई जरूरत नहीं है। बता दें कि बिहार में हाल ही में बड़े पैमाने पर शिक्षकों का ऐच्छिक ट्रांसफर हुआ है। राज्य के 1.30 लाख शिक्षकों का एक जिले या अनुमंडल से दूसरे जिले या अनुमंडल में तबादला किया गया। स्थानांतरित शिक्षकों को जिला आवंटन पहले ही हो चुका है। अब उन्हें स्कूलों का आवंटन किया जा रहा है। ट्रांसफर हुए शिक्षकों को 30 जून तक नए स्कूल में योगदान करने को कहा गया है। हालांकि, कई शिक्षक ऐसे हैं जो अपने ट्रांसफर से नाखुश थे। शिक्षा विभाग ने उन्हें नए स्कूल में जॉइन करने से मना किया है। अगर कोई टीचर नए स्कूल में योगदान नहीं देता है, तो 1 जुलाई से उसका ट्रांसफर आदेश रद्द हो जाएगा। वह स्वतः ही अपने पुराने स्कूल में बना रहेगा।

नाबालिग बेटियों से रेप करता था पिता, दादा थाने पहुंचे:बोले- कहता है मेरी बेटियां हैं, जो चाहे करूं

बांका. बांका में एक पिता पर अपनी 2 नाबालिग बेटियों के साथ डेढ़ साल तक रेप करने का आरोप लगा है। बच्चियों के दादा की शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार (24 जून) की रात पिता को गिरफ्तार कर लिया है। दादा ने बताया, 'मेरा बेटा शराब के नशे में अक्सर अपनी बेटियों के साथ रेप करता था। उन्होंने कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन वह मेरे साथ भी गाली-गलौज और मारपीट करता था।' घटना रजौन थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली 12 और 14 साल की बेटियों के साथ हुई। दादा के मुताबिक, 15 जून की रात भी आरोपी ने दोनों बेटियों से रेप का प्रयास किया। बच्चियों की चीख सुनकर दादा ने उन्हें बचाया।

विरोध करने पर पत्नी के साथ मारपीट की

दादा के मुताबिक, आरोपी पिता ने कहा कि ये उनकी बेटियां हैं, वह जो चाहे कर सकता है। परिवार के विरोध पर उसने घर को जलाने की धमकी दी। पत्नी के विरोध पर उसके साथ भी मारपीट करता था। घटना के बाद दादा ने दोनों पोतियों को अपने पास रख लिया है। इसके बावजूद आरोपी बार-बार उन्हें खींचकर ले जाने की कोशिश करता है। जिसके बाद दादा ने थाने में अपने बेटे के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। लड़कियों ने घटना को लेकर पुलिस को बताया, 'मम्मी डेढ़ साल से मायके में रह रही है। हमलोग दादा, चाचा, पापा के साथ रहते हैं। मम्मी के जाने के बाद पिता अक्सर हमलोग के साथ मारपीट करते थे।' वहीं, पुलिस की पूछताछ में आरोपी पिता ने बताया, 'मेरे पिता और भाई ने मिलकर मुझे फंसाया है। मेरे ऊपर झूठा आरोप लगा रहे हैं। जमीन को लेकर वो लोग ये काम कर रहे हैं।' 'अक्सर मेरे और मेरी पत्नी के बीच शराब को लेकर विवाद होता था। वो मुझे पीने से मना करती थी। इस झगड़े से परेशान होकर पिता ने हम दोनों को घर से निकाल दिया और बच्चियों को अपने साथ रख लिया।'

ऑटो में टक्कर; दो की मौत, 5 घायल:छपरा-सीवान एनएच पर रील्स बनाने के दौरान हादसा, चालक फरार

सारण. छपरा-सीवान एनएच-531 पर आमडाढ़ी ओवरब्रिज के पास मंगलवार शाम एक सड़क हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई। वहीं पांच अन्य लोग घायल हो गए। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार सभी दाउदपुर से काम कर लौट रहे थे। तभी ऑटो को केदार परसा गांव के पास सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक घायल ने आज इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान गंगवा गांव की धूईली देवी (45) और केदार परसा गांव के रंगलाल महतो (42) के रूप में हुई है। वहीं घायलों में आरती देवी, अमरजीत महतो, ऑटो चालक मुकेश महतो, सावली महतो और राजू महतो शामिल हैं। सभी घायलों को एकमा के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार सभी की स्थिति स्थिर है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कॉर्पियो सवार रील्स बना रहे थे। इसी दौरान उन्होंने वाहन का नियंत्रण खो दिया। हादसे के बाद स्कॉर्पियो सवार वाहन छोड़कर फरार हो गए।

पटना में फिर 'ठांय-ठांय', जेपी गंगा पथ पर पुलिस एनकाउंटर में मोहम्मद राजा को गोली लगी

पटना . बिहार की राजधानी पटना में एक बार फिर पुलिस और अपराधियों के बीच एनकाउंटर हुआ है। गंगा नदी के किनारे स्थित जेपी गंगा पथ मरीन ड्राइव पर बिहार पुलिस की एसटीएफ और अपराधियों के बीच बुधवार दोपहर बाद मुठभेड़ हुई। इसमें मोहम्मद राजा नाम के अपराधी को पैर में गोली लगी है। वह दो मर्डर केस में वांटेड था। पुलिस ने उसे इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया है। पटना के एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि अपराधी मोहम्मद राजा को पुलिस लंबे समय से पकड़ने की कोशिश कर रही थी। बुधवार को उसे गिरफ्तार कर पटना लाया जा रहा था। तभी जेपी गंगा पथ पर उसने भागने की कोशिश की। उसके पैंट में एक बंदूक थी,

जिसे निकालकर वह फायर करने लगा। पुलिस ने जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली मारी और दबोच लिया। एसएसपी के अनुसार इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मियों को भी चोट आई है। बता दें कि बिहार में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों की धरपकड़ की जा रही है। इस दौरान कई अपराधियों के बीच पुलिस की मुठभेड़ हो चुकी है। पटना में ही बीते कुछ दिनों के भीतर कई एनकाउंटर हुए, जिनमें पुलिस की गोली लगने से अपराधी घायल हुए हैं। बीते 13 जून को पटना के सीढ़ी घाट के पास हत्या के एक आरोपी को पुलिस हथियार बरामदगी के लिए लेकर गई थी। तभी उसने पिस्टल लेकर भागने की कोशिश की और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई और पुलिस ने पकड़ लिया। इससे पहले 11 जून को बिहटा से गिरफ्तार कर मर्डर के एक आरोपी को पुलिस पटना लेकर आ रही थी। देर रात उसने शौच का बहाना बनाकर गाड़ी रुकवाई। फिर भागने की कोशिश करने लगा।

बिहार में चुनाव छठ के बाद! 22 साल बाद वोटर लिस्ट के गहन पुनरीक्षण में जुटा आयोग

पटना. भारत निर्वाचन आयोग बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों में जुटा हुआ है। 22 साल बाद राज्य में वोटर लिस्ट का गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके लिए चुनाव आयोग की ओर से हाल ही में कैलेंडर जारी किया गया। इससे संकेत लगाए जा रहे हैं कि इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव दिवाली और छठ पूजा महापर्व के बाद कराए जा सकते हैं।
चुनाव आयोग के कैलेंडर के अनुसार सबसे पहले वोटर लिस्ट के अंदर मतदाताओं के नामों को जोड़ा और हटाया जाएगा। इसके लिए बीएलओ या चुनाव आयोग के कर्मी घर-घर जाकर सर्वे करेंगे। वे सभी वैध मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। फिर उस आधार पर वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाएगा। यह काम आखिरी बार साल 2004 के लोकसभा चुनाव से पहले किया गया था। पिछले दिनों जारी हुए चुनाव आयोग के कैलेंडर के अनुसार मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधित किए जाने के आवेदन लेने का काम बुधवार 25 जून से शुरू कर दिया गया है। यह कार्य लगभग एक महीने तक चलेगा। 26 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) वोटर लिस्ट को संशोधित करेंगे। इन आवेदनों के आधार पर राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से 1 अगस्त को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा।
फिर अगले एक महीने यानी 1 सितंबर 2025 तक इस पर दावा-आपत्तियां मांगी जाएंगी। अगर किसी को संशोधित मतदाता सूची में दी गई जानकारी पर आपत्ति है, तो उसमें सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह काम भी महीने भर तक चलेगा। आखिर में दावा-आपत्तियों का निबटारा करने के बाद 30 सितंबर को फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित कर दी जाएगी।

अक्टूबर के पहले सप्ताह में घोषित हो सकता है चुनाव कार्यक्रम

सितंबर 2025 तक बिहार में वोटर लिस्ट का काम पूरा कर लिया जाएगा। मतदाता सूची फाइनल होने के बाद अक्टूबर महीने के पहले सप्ताह में बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की जा सकती है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। पूर्व में सितंबर महीने में ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण होने के चलते इसमें थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है। चुनाव आयोग की तैयारियों को देखते हुए यह कयास लगाए जा रहे हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतदान दिवाली और छठ पूजा के बाद शुरू हो सकता है। क्योंकि 30 सितंबर तक मतदाता सूची प्रकाशित होगी। इसके बाद अक्टूबर के पहले सप्ताह में भी चुनाव कार्यक्रम घोषित होता है, तो इसके कम से कम एक-दो दिन बाद से चरणवार नोटिफिकेशन निकलेंगे।

57 देशों की भारत -विरोधी लामबंदी

57 इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की हालिया बैठक में भारत के खिलाफ सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव पारित किया गया है। जिसमें भारत की विदेश नीति और ऑपरेशन सिंदूर के निर्णयों को कठघरे में खड़ा किया गया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के विदेशी दौरे और विदेश नीति के साथ-साथ, 51 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गया था। बहुचर्चित ऑपरेशन सिंदूर की साख पर भी ओआईसी के प्रस्ताव से तगडा झटका लगा है। 51 सांसदों को विदेशों में भारत का पक्ष रखने भेजा था। पाकिस्तान के दुष्प्रचार की असलियत बताने और भारत का पक्ष रखकर कूटनीतिक समर्थन जुटाने सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों का विभिन्न देशों में भेजा था। इन सारे प्रयासों की हकीकत यह है, जिन देशों में यह डेलिगेशन गये थे, उन्हीं देशों ने भारत के खिलाफ पारित प्रस्ताव पर दस्तखत किए हैं। कुवैत, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, मलेशिया, कतर, इंडोनेशिया, मिस्र, अल्जीरिया, गुयाना और सिएरा लियोन सहित 11 देशों ने भारत का पक्ष नहीं लिया उल्टे विरोध किया है। ओआईसी संगठन ने कश्मीर और सिंधु जल संधि जैसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले प्रस्ताव पर पाकिस्तान के पक्ष में समर्थन दिया है। जो भारत सरकार की विफल विदेश नीति को दर्शाता है।

यह केवल कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि भारत के लिये एक शर्मनाक स्थिति है। करोड़ों करदाताओं के टैक्स में जमा सरकारी धन के खर्चे पर सांसदों के प्रतिनिधि मंडलों को विदेशों मे भेजा गया था। जिन देशों में यह प्रतिनिधिमंडल गए थे। वहां पर इसका कोई व्यावहारिक प्रभाव नहीं पड़ा। सरकारी मंच और मीडिया के माध्यम से जनता के बीच जरुर यह भ्रम फैलाया गया। भारत सरकार की यह कोशिशें बड़ी सफल रहीं है। सांसदों के प्रतिनिधि मंडल ने सभी देशों में जाकर भारत का पक्ष अच्छी तरह से रखा है। यह प्रचारित किया गया, सांसदों के प्रतिनिधिमंडल की यात्राओं ने भारत का डंका दुनिया के कई देशों में बजाया है। भारत के सामने पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है। भारत को हर देश से समर्थन मिला है। ओआईसी के पारित प्रस्तावों ने यह सिद्ध कर दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। भारत सरकार की तमाम कोशिशें एवं प्रचार-प्रसार मीडिया तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर उसका प्रभाव देखने को नहीं मिला। प्रधानमंत्री मोदी की 150 विदेश यात्राएँ, जयशंकर की विदेश मंत्री के रूप में सक्रियता भारत की कूटनीति और सांसदों के "डिप्लोमेसी टूर" मैं जो बताया गया था, ठीक उसके विपरीत वर्तमान स्थिति है। भारत की इस फजीहत का क्या कारण है। वर्तमान स्थिति में देश के नागरिकों के मन में तीव्र जिज्ञासा है, जनता जानना चाहती हैं। क्या विदेश यात्राएँ राष्ट्रीय हित के लिए थीं। क्या इस तरह की विदेश यात्राएं राजनीतिक और व्यक्तिगत फायदे के लिये होती हैं। देश को वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार की आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। किसी भी राष्ट्र के साथ अपने संबंधों को बनाना, कूटनीति के साथ रिश्तों को राष्ट्रीय हित में बेहतर स्थिति में ले जाना, यह वास्तविक कार्य प्रणाली से ही संभव है। इवेंट मैनेजमेंट के जरिए रिश्तों का कोई फायदा नहीं होता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है। भारत को "विश्व गुरु" के मुखौटे से बाहर निकलना होगा। हम 140 करोड़ की आबादी वाले देश हैं। इससे भी हमें बाहर निकालने की जरूरत है। रिश्ते दो पक्षों के बीच में बनते हैं। दोनों पक्ष एक दूसरे की आवश्यकता जरूरत और संबंधों के आधार पर रिश्ते प्रगाण होते हैं। नए वैश्विक समीकरणों को देखते हुए भारत को राष्ट्रीय हितों, कारोबार की नीतियों तथा संबंधों की स्पष्टता को ध्यान में रखते हुए विदेश नीति बनानी होगी। तभी दुनिया भारत के ऊपर विश्वास करेगी। घरेलू राजनीति एवं वैश्विक राजनीति के अलग आधार होते हैं। घरेलू राजनीति को ध्यान में रखते हुए वैश्विक इवेंट कुछ समय के लिये घरेलू राजनीति में सत्ता पक्ष के लिये फायदेमंद हो सकते हैं। राजनैतिक हल्कों में कहा जा रहा है कि संसद का विशेष सत्र ना बुलाना पड़े इसके लिये 51 सांसदों को डेलीगेशन के रुप में विदेश भेजा गया था। इसमें सभी दलों के सांसद थे। जब भी संसद में चर्चा होगी यही सांसद सदन में सरकार के समर्थन में खड़े होंगे। पिछले 2 सप्ताह में पाकिस्तान को अमेरिका वैश्विक संस्थाओं से वित्तीय सहायता तथा ओआईसी के 57 देशों का समर्थन मिला है। वह भारत की चिंता को बढ़ाने वाला है।

आखिर कब तक बम की शरण में रहेंगे

अब अमेरिका भी ईरान और इजरायल के बीच टकराव की आग में खुलकर कूद पड़ा है। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों - फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान पर इतिहास का सबसे सफल सैन्य हमला किया। नॉथ्रॉप बी-2 स्पिरिट, जिसे स्टील्थ बॉम्बर के नाम से भी जाना जाता है, अमेरिकी भारी बमवर्षक B-2 है जिसमें स्टील्थ तकनीक है जिसे बंकर को भेदने के लिए डिज़ाइन किया गया। बंकर एक रक्षात्मक सैन्य किला है जिसे लोगों सामग्रियों को गिरने वाले बमों, तोपखाने या अन्य हमलों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया जाता है। बी-2 बमवर्षक विमानों ने 37 घंटे तक बिना रुके उड़ान भरी, 7000 मील से अधिक की दूरी तय कीः अमेरिका ने ईरान की रूसी वायु रक्षा मिसाइलों को मात देकर उसके परमाणु स्थलों पर हमला किया • बंकर कंक्रीट के ढांचे होते हैं, जिन्हें आंशिक रूप से जमीन में खोदा जाता है चालक दल के दो लोगों के साथ एक सबसोनिक फ्लाइंग विंग, विमान को उड़ाते हैं इसे नॉथ्रॉप (बाद में नॉथ्रॉप ग्रुम्मन) द्वारा डिजाइन किया गया था, जिसमें बोइंग, ह्यूजेस और वॉट प्रमुख भागीदार थे, और इसका उत्पादन 1988 से 2000 तक किया गया था। बमवर्षक पारंपरिक और थर्मोन्यूक्लियर हथियार गिरा सकता है, जैसे अस्सी 500 पाउंड (230 किलोग्राम) एमके 82 जेडीएएम जीपीएस-निर्देशित बम, या सोलह 2,400 पाउंड (1,100 किलोग्राम) बी-2 स्पिरिट बम जो 2016 में प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ते पाए गए थे। कार्टर प्रशासन के दौरान एडवांस्ड टेक्नोलॉजी बॉम्बर (ATB) परियोजना के तहत विकास शुरू हुआ, जिसने मैक-2-सक्षम B-1A बॉम्बर को आंशिक रूप से रद्द कर दिया क्योंकि ATB ने वादा दिखाया, लेकिन विकास संबंधी कठिनाइयों ने प्रगति में देरी की और लागत बढ़ा दी। अंततः, कार्यक्रम ने विकास, इंजीनियरिंग, परीक्षण, उत्पादन और खरीद सहित प्रत्येक $2.13 बिलियन (2024 में $4.17 बिलियन) की औसत लागत पर 21 B-2 का उत्पादन किया। प्रत्येक विमान के निर्माण में औसतन US$737 मिलियन की लागत आई, जबकि कुल खरीद लागत 2023 में औसतन प्रति विमान $929 मिलियन थी परिणामस्वरूप, 1980 और 1990 के दशक के अंत में सांसदों ने 132 बमवर्षकों की योजनाबद्ध खरीद को घटाकर 21 कर दिया। इसमें बिना ईंधन भरे 6,000 समुद्री मील (11,000 किमी; 6,900 मील) से अधिक की सीमा है और एक बार हवा में ईंधन भरने पर यह 10,000 समुद्री मील (19,000 किमी; 12,000 मील) से अधिक उड़ान भर सकता है। यह 1997 में लॉकहीड एफ-117 नाइटहॉक हमले के विमान के बाद उन्नत स्टील्थ तकनीक के साथ डिजाइन किए गए दूसरे विमान के रूप में सेवा में आया था। मुख्य रूप से एक परमाणु बमवर्षक के रूप में डिजाइन किए गए बी-2 का पहली बार 1999 में कोसोवो युद्ध में पारंपरिक, गैर-परमाणु आयुध गिराने के लिए इस्तेमाल किया गया था एक 2008 की दुर्घटना में नष्ट हो गया और दूसरा 2022 की दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हो गया, संभावित मरम्मत की लागत और अवधि के कारण सेवा से सेवानिवृत्त हो गया। वायु सेना ने 2032 तक बी-2 को संचालित करने की योजना बनाई ये सारी खबरें खबरों के हिसाब से सही नहीं लगती हैं। जानकारी के अभाव में ऐसा दिखाया जा रहा है। रेडिएशन लीक होने की वजह ये है कि ये जमीन के अंदर काफी अंदर था और बॉम्बर बी-2 बम एक नहीं बल्कि 6 थे, तो एक-एक करके उन्हें मिट्टी के अंदर गिरा दिया और विस्फोट हो गयागया होगा। ये बहुत खतरनाक बम हैं जो कंक्रीट में घुसकर 200 फीट नीचे जाकर सब कुछ नष्ट कर देते हैं। 6, B-2 वाले बम ने प्लांट के अंदर बहुत नुकसान पहुंचाया। उस परमाणु संयंत्र के अंदर काम करने वाले लोग भी मारे गए होंगे अगर इसे शिफ्ट किया गया है तो किस प्लांट में ले जाया गया होगा? वो भी कहीं ले जाया गया होगा। ये बिल्कुल वही मटीरियल है या अन्य इसे कैसे परिभाषित करें और हथियार बनाने में कितना समय लगेगा। वैसे भी अमेरिका को इसमें नहीं कूदना चाहिए। अगर कोई कुछ बना रहा है तो उसमें उसकी तकनीक शामिल है। इससे उस देश में अमेरिका के प्रति नफरत पैदा होगी। ये तो ईरान और इजरायल के बीच युद्ध था, लेकिन ईरान की तरफ मिसाइल दागे जाने से इजरायल को जो झटका लगा है, वो भी ईरान की ताकत है, जिसने मिसाइल तकनीक में काफी तरक्की कर ली है। भारत को दोनों देशों के बीच शांति बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए। युद्ध से हमेशा नुकसान होता है। ईरान की मिसाइल ने इजरायल में इतना हंगामा मचा दिया है कि टेलीविजन और मीडिया में इजरायल की छवि खराब हो रही है। लोगों में डर का माहौल बन गया है। लेकिन ईरान के तीनों परमाणु रिएक्टर उसके परमाणु रिएक्टर पर हमले में नष्ट हो गए। लेकिन एक परमाणु रिएक्टर इस तरह से बनाया जाता है कि भूकंप में भी इसे नुकसान नहीं पहुंचता।

जातिगत जनगणनाः लोकतंत्र की आत्मा या सत्ता का समीकरण?

> जातिगत जनगणना केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व, भागीदारी और अवसरों की समानता का आधार है। ऐसे में जातिगत जनगणना को लेकर जो भ्रम और भय फैलाए जाते हैं, वे वास्तव में सत्ता के भीतर छिपी असहजता को दिखाते हैं। यदि भारत को वाकई में सामाजिक न्याय पर आधारित समावेशी लोकतंत्र बनाना है, तो उसे अपनी सच्चाइयों से डरना नहीं, उन्हें स्वीकार करना होगा। जातिगत जनगणना कोई चमत्कार नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार की दिशा में एक तार्किक और आवश्यक कदम है। यह इस देश के करोड़ों नागरिकों को यह विश्वास दिलाने का माध्यम बन सकती है कि उनकी गिनती भी लोकतंत्र में मायने रखती है।

सोनम लववंशी

बीते दिनों केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की मंजूरी दे दी है। पहली बार देश में डिजिटल जनगणना होगी जो अपने आपमें स्वागतयोग्य कदम है, क्योंकि जो दिखता नहीं, वो गिना नहीं जाता और जो गिना नहीं जाता, वो सत्ता और संसाधनों की दौड़ में कहीं पीछे छूट जाता है। भारत में जाति एक सामाजिक सत्य है, जिसे नजरअंदाज करना असंभव है। आजादी के 75 वर्ष बाद भी जाति भारतीय समाज की संरचना, अवसरों की उपलब्धता, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण का निर्धारक बनी हुई है। ऐसे में जातिगत जनगणना केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ सवाल है। जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय के लिए आधारभूत आवश्यक है। यह जानना जरूरी है कि कौन सी जातियाँ कितनी संख्या में हैं, उनकी सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति क्या है। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल आरक्षण देना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि समाज के सभी वर्गों को समान अवसर, सम्मान और भागीदारी प्राप्त हो। जब तक पिछड़े वर्गों की वास्तविक स्थिति का आंकलन नहीं होगा, तब तक नीतियों की प्रभावशीलता संदेहास्पद रहेगी। जातिगत जनगणना के बिना यह जानना संभव नहीं कि-

1) कौन सी जातियाँ आरक्षण का वास्तविक लाभ ले रही हैं? 2) किन समुदायों को आज भी हाशिए पर रखा गया है?

3) क्या वर्तमान आरक्षण नीति सामाजिक न्याय के लक्ष्यों को पूरा कर रही है?

आर्थिक आधार पर पिछड़ापन तय करने की मांग लगातार उठती रही है। लेकिन भारतीय संदर्भ में यह तर्क अधूरा है। गरीब तो सभी वर्गों में हो सकते हैं, लेकिन हर गरीब की सामाजिक स्थिति समान नहीं होती। एक सवर्ण गरीब और एक दलित गरीब के बीच जमीन-आसमान का फर्क होता है। दलित या ओबीसी गरीब को सामाजिक भेदभाव, उत्पीड़न, और प्रतिनिधित्व आदि वंचनाओं का सामना करना पड़ता है। इसके उलट, सवर्ण गरीब को सामाजिक नेटवर्क, सम्मान और अवसरों की सांस्कृतिक पूंजी प्राप्त होती है। इसलिए केवल आर्थिक पिछड़ेपन को आधार बनाना, जातिगत असमानताओं की अनदेखी करना है। जाति और आर्थिक स्थिति दोनों को समग्रता में समझना होगा। और इसके लिए जातिगत आंकड़े अनिवार्य हैं। भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय की अवधारणा निहित है। अनुच्छेद 15(4) और 16(4) में राज्य को यह अधिकार दिया गया है कि वह सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधान करे, लेकिन सवाल यह है कि बिना आंकड़ों के हम यह कैसे तय करेंगे कि पिछड़ा वर्ग कौन है और कितना पिछड़ा है? क्या यह उचित है कि 90 साल पुराने आंकड़ों के आधार पर 140 करोड़ की आबादी के लिए नीतियां बनाई जाएं? जातिगत जनगणना संविधान की उस आत्मा को सशक्त करती है जो समानता, स्वतंत्रता और न्याय की बात करती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल मतदान का अधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को बराबरी के अवसर देना भी है। जातिगत जनगणना केवल सामाजिक नहीं, बल्कि एक राजनीतिक मुद्दा भी है। यह चुनावी गणित और सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि केंद्र की सरकारें वर्षों से इसे टालती रही हैं। अगर जातिगत आंकड़े सामने आ जाए और यह साबित हो जाएगा कि ओबीसी वर्ग की आबादी 50 फीसदी से कहीं अधिक है, तो यह मांग उठेगी कि आरक्षण भी उस अनुपात में बढ़ाया जाए। इससे संविधान में तय 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा (इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार, 1992) को चुनौती दी जा सकती है। यह राजनीतिक दलों, खासकर सत्तारूढ़ दलों के लिए असहज स्थिति पैदा करता है। बीजेपी जैसी पार्टी, जो एक ओर तो ओबीसी नेतृत्व को उभारने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर उच्च जातियों के पारंपरिक वोट बैंक को भी बनाए रखना चाहती है। ऐसे में जातिगत जनगणना उनके लिए डबल एज्ड स्वॉर्ड बन जाती है।

2023 में बिहार सरकार ने एक साहसी निर्णय लेकर जातिगत सर्वेक्षण कराया। इसमें यह सामने आया कि ओबीसी और ईबीसी की संयुक्त आबादी 63 फीसदी से अधिक है। यह आंकड़ा सामाजिक और राजनीतिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। बिहार के इस कदम ने यह दिखा दिया कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो जातिगत गणना संभव है। साथ ही इसने अन्य राज्यों और केंद्र सरकार पर नैतिक दबाव भी बनाया कि वे भी यह पहल करें। इस सर्वेक्षण से यह भी स्पष्ट हुआ कि ओबीसी और ईबीसी वर्गों के भीतर भी भारी विषमता है। कुछ जातियाँ बार-बार प्रतिनिधित्व पा रही हैं, जबकि कई अभी भी उपेक्षित हैं। यह सामाजिक न्याय के भीतर न्याय की मांग को जन्म देता है।

जातिगत जनगणना का विरोध करने वाले अक्सर यह तर्क देते हैं कि इससे समाज में जातिवाद बढ़ेगा। लेकिन यह सत्य नहीं है। जातिवाद तब तक रहेगा जब तक सामाजिक असमानताएं रहेंगी। जातिगत आंकड़ों को सामने लाना इन असमानताओं से लड़ने का एकमात्र वैज्ञानिक तरीका है। जातिगत जनगणना जातिवाद को बढ़ावा नहीं देती, बल्कि उसे तर्क, आंकड़ों और योजनाओं के माध्यम से चुनौती देती है। यह एक उत्तरदायी और जागरूक लोकतंत्र की निशानी है कि वह अपने भीतर की असमानताओं को न केवल देखे, बल्कि उन्हें स्वीकार कर सुधार की दिशा में कदम भी उठाए। सरकार जब भी कोई योजना बनाती है, तो उसका लाभ किन्हें मिलेगा, यह आंकड़ों के आधार पर तय किया जाता है। लेकिन जब जातिगत आंकड़े ही उपलब्ध नहीं हैं, तो यह कैसे सुनिश्चित होगा कि योजनाएं वंचितों तक पहुँच रही हैं?

1) योजनाओं का लक्षित क्रियान्वयन संभव होगा, 2) बजट आवंटन अधिक न्यायपूर्ण होगा, 3) आरक्षण की समीक्षा और पुनर्संरचना के लिए मजबूत आधार मिलेगा, 4) और सामाजिक समरसता के लिए ठोस रणनीति बन सकेगी।

अक्सर कहा जाता है कि दुनिया के किसी लोकतंत्र में जाति आधारित जनगणना नहीं होती, तो भारत में क्यों हो? लेकिन भारत की सामाजिक संरचना अद्वितीय है। पश्चिमी समाजों में जातिगत भेदभाव जैसी जटिलताएँ नहीं हैं। वहाँ नस्लीय या क्षेत्रीय आधार पर गणनाएँ होती हैं। भारत में जाति जन्म से जुड़ी सामाजिक स्थिति को परिभाषित करती है। यहाँ तक कि विवाह, पेशा, शिक्षा, और राजनीतिक पहुँच भी जाति से जुड़े हैं। इस वास्तविकता को नकारना आत्मवंचना है।

जातिगत जनगणना केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व, भागीदारी और अवसरों की समानता का आधार है। ऐसे में जातिगत जनगणना को लेकर जो भ्रम और भय फैलाए जाते हैं, वे वास्तव में सत्ता के भीतर छिपी असहजता को दिखाते हैं। यदि भारत को वाकई में सामाजिक न्याय पर आधारित समावेशी लोकतंत्र बनाना है, तो उसे अपनी सच्चाइयों से डरना नहीं, उन्हें स्वीकार करना होगा। जातिगत जनगणना कोई चमत्कार नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार की दिशा में एक तार्किक और आवश्यक कदम है। यह इस देश के करोड़ों नागरिकों को यह विश्वास दिलाने का माध्यम बन सकती है कि उनकी गिनती भी लोकतंत्र में मायने रखती है। सवाल यह नहीं है कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए या नहीं।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकने में सक्रिय सामुदायिक सहायता की ज़रूरत

> बात अगर हम मादक पदार्थों की करेंतो गुटखा तंबाकू तंबाकू के उपयोग से होने वाली हानियां, मदिरा अफीम, कोकीन, भांग, चरस, गांजा , हशीश, एलएसडी आदि अन्य पदार्थ भी मादक पदार्थों के रूप में प्रचलन में है। युवा इनको प्रयोग विभिन्न कारण से कर बैठते हैं और चंगुल में फंस जाते हैं। इनके प्रयोग से दुष्प्रभाव परिवार से विच्छेदन, अपराध प्रवृति की वृद्धि शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आते हैं। कुछ समय के लिए मस्ती देनेवाले नशीले द्रव्यों के निरंतर सेवन से मनुष्य के तन-मन निष्क्रिय और शिथिल हो जाते हैं, दृष्टि कमजोर हो जाती है, पाचनशक्ति मंद पड़ जाती है तथा हृदय और फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। इससे स्वास्थ्य चौपट हो जाता है और मनुष्य असमय ही मृत्यु का द्वार खटखटाने लगता है।

किशन सनमुखदास भावनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तरपर मादक पदार्थों के सेवन और नशीली दवाओं के दुरुपयोग तथा उसकी अवैध तस्करी के मामलों से करीब-करीब हर देश पीड़ितहै और यह समस्या दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। खासकर मानवीय युवा पीढ़ी जिन्हें भविष्य की बागडोर संभालनीं है, यानें हमारी अगली पीढ़ी बनने वाले युवा और बच्चों की रुचि मादक पदार्थों में बढ़ती ही जा रही है।हम अपने आसपास भी देखते होंगे कि बच्चे भी सिगरेट, बीड़ी, बीयर पीने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं जो वैश्विक समस्या बनती जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यहां गुटखा पाबंदी होने के बावजूद स्कूलों के आसपास भी भारी मात्रा में तंबाकू युक्त गुटके मिलते रहते हैं जो बिना मिलीभगत के संभव नहीं है, नशा, एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर उसे कई तरह से बीमार कर रही है।शराब, सिगरेट,तम्बाकू एवं ड्रग्स जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा नशे का शिकार हो रहा है। आज फुटपाथ और रेल्वे प्लेटफार्म पर रहने वाले बच्चे भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। लोग सोचते हैं कि वो बच्चें कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थो की ही जरुरत नहीं होती, बल्कि व्हाइटनर,नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे भी किए जाते हैं, जो बेहद खतरनाक होते हैं।नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि अब व्यक्ति मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए जुर्म भी कर सकता है। नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है।इसीलिए ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस 26 जून 2025 के उपलक्ष में हम इस आर्टिकल के माध्यम से,आओ नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी को रोकने सक्रिय भूमिका बढ़ाएं पर परिचर्चा करेंगें। साथियों बात अगर हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की करें तो, ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने उल्लेख किया है, एक साथ, हम विश्व नशीली दवाओं की समस्या से निपट सकते हैं। मजबूत दृढ़ संकल्प और नशीली दवाओं से संबंधित ज्ञान साझा करके, हम सभी नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त एकअंतरराष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।जब ड्रग्स का दुरुपयोग व्यापक रूप से समाज के अमीर और गरीब वर्ग के बीच फैल जाता है तो उस समय सबसे अधिक अनिवार्य है नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामुदायिक सहायता की ज़रूरत की। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ़ युद्ध में प्रसिद्ध कहावत रोकथाम इलाज से बेहतर है, काफी प्रासंगिक है। ड्रग्स के दुरुपयोग और इससे जुड़ी अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के दिन जनजागृति बढ़ाना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मादक पदार्थों की करेंतो गुटखा तंबाकू तंबाकू के उपयोग से होने वाली हानियां, मदिरा अफीम, कोकीन, भांग, चरस, गांजा , हशीश, एलएसडी आदि अन्य पदार्थ भी मादक पदार्थों के रूप में प्रचलन में है। युवा इनको प्रयोग विभिन्न कारण से कर बैठते हैं और चंगुल में फंस जाते हैं। इनके प्रयोग से दुष्प्रभाव परिवार से विच्छेदन, अपराध प्रवृति की वृद्धि शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आते हैं। कुछ समय के लिए मस्ती देनेवाले नशीले द्रव्यों के निरंतर सेवन से मनुष्य के तन-मन निष्क्रिय और शिथिल हो जाते हैं, दृष्टि कमजोर हो जाती है, पाचनशक्ति मंद पड़ जाती है तथा हृदय और फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। इससे स्वास्थ्य चौपट हो जाता है और मनुष्य असमय ही मृत्यु का द्वार खटखटाने लगता है। नशीली दवाओं की लत एक कट्टर दानव है जो हमारे समाज के विकास पर रोक लगा सकती है। कैंसर जैसी अनेक भयंकर बीमारियां हमेशा सक्रियता से होने का डर बना रहता है।

साथियों बात अगर हम भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कौन-कौन से कदम उठाए हैं, की करें तो भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोका जा सके।यहां कुछ प्रमुख सरकारी प्रयासों का विवरण दिया गया हैः(1)नशा मुक्त भारत अभियान-यह अभियान अगस्त 2020 में शुरू किया गया था,इसका उद्देश्य देशभर में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना, लोगों को सहायता देना और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराना है।अब तक 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा चुका है, 3 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थान और 8,000 से अधिक मास्टर वॉलंटियर्स इस अभियान में जुड़े हैं। (2) कानूनी और प्रशासनिक सख्ती-नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट के तहत सख्त कानून बनाए गएहैं2014 के बाद से ड्रग्स के मामलों में 152 पेर्सेंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, गिरफ्तारियों में 400 पेर्सेंट की वृद्धि हुई है और जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 30 गुना बढ़ा है। 2014 से अब तक 12 लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई हैं। (3) इंटर-एजेंसी समन्वय और तकनीकी उपाय -नारको कोऑर्डिनेशन सेंटर और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी के जरिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है।सिम्स पोर्टल विकसित किया गया है, जिससे ड्रग्स से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग और डेटा ट्रैकिंग आसान हुई है।समुद्री मार्गों की निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई गई है। (4) जागरूकता और शिक्षा-स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। युवाओं और अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे नशे के दुष्परिणाम समझ सकें और समय रहते मदद ले सकें। (5) पुनर्वास और सहायता केंद्र- देशभर में सरकारी और गैर-सरकारी पुनर्वास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां नशा पीड़ितों को इलाज, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा मिलती है।

अपेक्षा और उपेक्षा के दोराहे पर खड़ा मानव जीवन

डॉ. शारदा मेहता

अपेक्षा एक ऐसा शब्द है जिसका अर्थ है किसी से कुछ आशा रखना, कुछ प्राप्ति की इच्छा रखना। सामाजिक सम्बन्धों में, पारिवारिक सम्बन्धों में यदि मानव ने किसी से भी प्राप्त करने की आशा रखी कि सम्बन्ध में कुछ कड़वाहट का आभास होने लगता है। ऐसे नकारात्मक विचारों का प्रवेश हमारे मस्तिष्क में होने लगता है कि आपसी सम्बन्धों में वैमनस्य दृष्टिगोचर होने लगता है जो हमारे लिए दुरूख का कारण हो जाता है। अपेक्षा रखना ही है तो हमें परमपिता परमेश्वर को हृदय से स्मरण करो वे आपकी अपेक्षा अवश्य पूरी करेंगे। शिशु अपने माता-पिता से अपेक्षा रखता है। किशोरवय बालक भी जब तक स्वावलंबी न हो जाए तब तक माता-पिता पर ही निर्भर रहता है। मानव को भी ईश्वर से अपेक्षा रखना चाहिए, अपने पारिवारिक सदस्यों से नहीं। सामान्यतरू कई माता-पिता की यह विचारधारा होती है कि मैंने अपनी सन्तानों के लिए जीवन में बहुत त्याग किया अतरू बदले में वे भी मेरे लिए कुछ करें- ऐसा सोचना, उनसे अपेक्षा रखना एकदम हर समय सम्भव नहीं है। ऐसी सोच जीवन में शून्यता लाती है। पारिवारिक सम्बन्धों में दरार उत्पन्न करती है। स्वयं संतानों का यह कत्तव्य है कि वे इस विषय पर विचार करें। हमारा उन्हें बारम्बार कहना जीवन में निराशा को जन्म देता है और वातावरण को नकारात्मक बनाना है। अपेक्षा की भावना रखने से जीवन में कटुता, वैमनस्य, द्वेष, अशान्ति, ईर्ष्या, प्रतिशोध, असन्तोष जैसे विकारों को प्रस्फुटित करता है। अतरू ऐसे कुत्सित विचारों को अपने मन में प्रवेश न दें तो आपसी सम्बन्धों में सामंजस्य बना रहेगा। परिवार में सुख शान्ति रहेगी। घर का वातावरण सुखद रहेगा। उच्च रक्तचाप, शुगर, हृदय रोग जैसी व्याधियों से रक्षा होगी और प्रेम, दया, सेवा, सहानुभूति त्याग की भावना से घर महकता रहेगा।

परम पिता परमेश्वर से उनकी कृपा पाने की अपेक्षा रखो। ईश्वर में श्रद्धा रखना चाहिए, विश्वास रखना भी अति आवश्यक है, प्रतिदिन भगवान से प्रार्थना भी करना चाहिए, इससे आत्मा को शान्ति प्राप्त होती है।

अपेक्षा का विपरीत शब्द है उपेक्षा जिसका अर्थ है किसी की अवहेलना करना, जिसे इंग्लिश में कहते हैं, निग्लेक्ट करना। किसी की उपेक्षा नहीं करना चाहिए। उपेक्षा करने से किसी व्यक्ति को अपमान का भान होगा जो अनुचित है। बड़ों की उपेक्षा करना उनका अपमान करने जैसा ही है। उनकी कोई बात आपको अनुचित भी लगे तो उसे सहजता से स्वीकार कर लेना चाहिए। इससे उनकी प्रसन्नता देखकर आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। इच्छाओं की पूर्ति प्रत्येक बार हो इस बात की अपेक्षा व्यक्ति हर समय करता रहता है। परन्तु यह हर बार सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति करते हैं तो दूसरी वस्तु प्राप्त करने की आकांक्षा प्रारंभ हो जाती है। इच्छाएँ अनन्त हैं। संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध कवि भर्तृहरि ने अपनी प्रसिद्ध रचना वैराग्य शतक में कहा है- भाव यह है कि मानव वृद्ध हो जाता है परन्तु उसकी तृष्णा (लालसा, इच्छा) द्विगुणित हो जाती है इससे क्षणिक भौतिक सुख प्राप्त होता है। स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब एक सर्व सम्पन्न व्यक्ति भी अपनी अपेक्षा पूर्ति के लिए दीन हीन स्वरूप धारण कर लेता है। उसे आत्म सम्मान का भी ध्यान नहीं रहता है।

चावल खाने के अनेक स्वास्थ्य फायदे

चावल भारत के लगभग हर घर में आहर के रूप में प्रयोग किया जाता है, चाहे उसका खाने के प्रयोग किसे भी व्यंजन के रूप में ही क्यों ना किया जाए। आप अनेक रूप में चावल के अनेक व्यंजन बना सकते है। जो की बहुत ही लजीज और स्वादिस्ट होते है। लेकिन क्या आप चावल खाने के फायदे जानते है। यदि नही तो आइए जानिए।

1. चावल विभिन्न प्रकार के पोष्टिक तत्व, विटामिन और खनिज पदार्थो का स्रोत है, जैसे नियासिन, विटामिन डी, कैल्शियम, फाइबर, आयरन थायमिन और राईबोफ्लेविन पर्याप्त मात्रा में होते है।
2. चावल में पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है, जो की शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। इस उर्जा की आवश्यकता शरीर के हर हिस्से को होती है। मस्तिक ईसी उर्जा से शरीर का संचालन करता है। चावल से प्राप्त उर्जा उपापचय की क्रिया को भी नियमित रखता है।
3. दस्त में हल्का गिला चावल खाना काफी उपयोगी होता है, प्राचीनकाल में तो इसे इसके लिए बतौर दवा के रूप में प्रयोग किया जाता था।
4. चावल में सोडियम की मात्रा ना के बराबर है, ऐसे में ये उन लोगो के लिए काफी उपयोगी है, जिनको हाई ब्लडप्रेशर और हाइपरटेंशन की समस्या रहती है।
5. चावल के मांड को व्यूटी प्रोडक्ट्स के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। ये त्वचा सम्बंधी कई बीमारियों के लिए फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटीओक्सिडेंट गुण झुरियों को आने से रोकते है, और ढलती उम्र के प्रभाव को कम करते है।
6. चावल खाना स्वास्थ्य के के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें ना तो हानिकारक फैट होता है और ना ही कोलेस्ट्राल व सोडियम यह एक संतुलित आहर होता है। यह बहुत ही अच्छी बात है, की कोई खाद्य पदार्थ बिना किसी नुकशान के फायद दे रहा है, तो इसे बेहतर क्या हो सकता है।
7. जो भूरा चावल होता है, उसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, चावल में पाया जाने वाला यह फाइबर बहुत प्रकार के कैंसर से शरीर की रक्षा करता है। जानकारों का माना है की यह तत्व कैंसर की कोशिकाओं को विकसित नही होने देता है।
8. चावल आसानी से पच जाता है, इसलिए डायरिया और अपच होने पर चावल का सेवन करने से पेट को आराम मिलता है। दस्त और पेचिस की समस्या होने पर चावल का प्रयोग दूध या दही के साथ करने से आराम मिलता है।
9. अगर चावल का प्रयोग खाने में संतुलित प्रयोग किया जाए, तो यह वजन घटाने में भी साहयक होता है। यह गलत धारणा है की चावल मोटापा बढ़ता है।

चावल के औषधीय गुण और फायदे

चावल का मांड

यानि की चावल को पकाते समय जो सफेद पानी बचता है, उसे मांड कहते है। यह गाढ़ा पानी एक औषधि होती है। इसमें प्रोटीन, विटामिन और खनिज पदार्थ होते है। इसलिए इसको आहर में खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। यह भी चावल के औषधीय गुणों में से एक है।

आंधा सीसी या माइग्रेन

रात में खाना खाने के बाद चावल का पाउडर एक छ्म्म्च छोटा को सहद में मिलाकर खाने से अर्धमस्तिक रोग दूर होता है। इसके लिए आप को 3 से 4 सप्ताह तक यह प्रयोग करना होगा।

दस्त और भुखार

चावल के दानों को पीसकर पाउडर बना ले दो छोटा चम्मच पाउडर ले उसमें सहद और गाय का दूध आवश्यकतानुसार मिलाकर इसका उपयोग करने से बुखार, दस्त, सीने की जलन आदि के निवारण में लाभ मिलता है। यह भी चावल के औषधीय गुणों में से एक है।

अम्लपित्त

चावल का लावा 100 से 150 ग्राम को बराबर मात्रा में सहद और आवश्यकतानुसार चीनी में मिलाकर लेने से अम्लपित्त या एसिडिटी रोग में लाभ मिलता है।
गले का बैठना- चावल का पाउडर, जुड़ और चीनी को मिलाकर लेने से गला ठीक होता है। यह भी चावल के औषधीय गुणों में से एक है।
उलटी- इसके लावाको, चीनी और सहद को मुंग के काढ़े के साथ मिलाकर लेने से उलटी बंद हो जाती है।

फोड़े की जलन

यदि शरीर के किसी भाग पर फोड़ा है। और उसमें असहनीय पीड़ा, जलन और सुजन हो रही है, तो चावल को भिगोकर पिस ले इसके बाद फोड़े पर लेप लगा ले इसे फोड़े की पीड़ा, जलन और सुजन में रोगी को आराम मिलेगा।

चेहरे के धब्बे या झुरी

रात्रि में चावल को पानी में भिगोकर छोड़ दे और सुबह इस पानी से चेहरा साफ़ करने से चेहरे के धब्बे ओए झुरी साफ़ हो जाते है और चेहरा चमकदार हो जाता है।

आखों का लालपन

यदि वादी या काफ के कारण आखें लाला रहती है, तो Rices को उबाल कर उसको हल्का गर्म होने दे। इसके बाद पोटली में बांधकर आखों पर रखे आराम मिलेगा। यह भी चावल के औषधीय गुणों में से एक है।

गर्भनिरोधक

चावल का दोहन और इसके पौधे की जड़ को पीसकर छान ले इसके बाद इसमें सहद मिलकर पिने से गर्भ स्थिति नही बन पाती, यह सहज और हानि रहित है।

वीर्य नाक योग

चावल दाल, नमक मिर्च, हिंग, अदरक, मसाले और गाय का घी डालकर सेवन करने से वीर्य की वृद्धि होती है, और पतलापन दूर होता है। यह सरीर के मल और मूत्र जैसे विकारों को दूर करने की प्रक्रिया है।

कैंसर और लो ब्लडप्रेशर

इसका मांड का पानी पिने से कैंसर नही होता, शरीर के तापमान का संतुलन बना रहता है, रक्तसंचार अच्छा बना रहता है। इसके साथ साथ लो ब्लडप्रेशर की समस्या भी दूर होती है। यह भी चावल के औषधीय गुणों में से एक है।
पेट के कीड़े- चावल को भुनकर इसको रात में पानी में भिगो देना चाहिए और सुबह उस पानी को पी लेना चाहिए। इससे पेट के कीड़े मर जाते है। इस प्रकार चावल के औषधीय गुण अनेक है।

चावल के नुकसान

1. अधिक सेवन- अन्य अनाज की तुलना में चावल में पोषक तत्व कम पाए जाते है। इसलिए इसका अधिक प्रयोग शरीर के लिए कोई खास लाभदायक नही होता।
2. कई बार चावल का सेवन एलर्जी का कारण भी बन जाता है, इसके अधिक सेवन से शरीर को कई अन्य शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
3. डायबिटीज के रोगियों के लिए चावल नुकशान देह हो सकता है, इसके लिए उनको चावल का ज्यादा सेवन नही करना चाहिए।
4. अस्थमा के रोगी को भी चावल से परहेज करना चाहिए क्योकि चावल ठंडा होता है। जिसे उनको साँस लेने में तकलीफ हो सकती है।
5. चावल का सेवन आलसी बनाता है। क्योकि इसकी प्रकृति ठंडी है। इसलिए नींद आना स्वभाविक है।

मानसून से पहले पहुँचने वाला मेहमान चातक पक्षी

मानसून के पहले एक प्यारा सा मेहमान पहुँच जाता है, दूर देश से उड़ के आने वाले इस मेहमान को चातक कहते हैं, आम तौर पर या पक्षी जून माह के प्रथम सप्ताह तक पहुँच जाता है. कोयल परिवार का ये परिंदा मेरा पुराना परिचित है. मैं हर साल इसकी पियू-पियू..पी की आवाज की प्रतीक्षा करता हूं. मेरा इसका परिचय तीस-पैंतीस साल पुराना है. मेरे मंगला गाँव के फार्म में आने वाले मेहमान को पुराने खेतिहर साथी भी पहचानते है और वो भी कभी-कभी इसके आगमन की जानकारी मुझे पहले दे देते हैं.

पक्षी विज्ञानी सलीम अली के अनुसार कोयल प्रजाति के वर्षा प्रिय चातक की एक प्रजाति [रेरेट्स] अफ्रीका से आती है. जब ये पहुँचती है तब मीलों लम्बी उड़ान के बाद थकी होती है और काफी करीब जाने पर भी ये नहीं उड़ती. पर सप्ताह भर में इसको उतने करीब नहीं देखा जा सकता . चातक करीब 18 इंच लम्बा प्रवासी पक्षी है जिसके नीचे के पर सफ़ेद और ऊपर के काले होते है और पूंछ के पंख लम्बे, इसकी उडान कोयल की उड़न शैली से मिलती जुलती है. उड़ाते समय दोनों तरह पंखों में एक रूपये के आकार का सफ़ेद गोला सुंदर दिखाई देता है.

कीट-पतंगे और इलियाँ इसकी आहार तालिका में शामिल हैं. नर-मादा के पीछे एक उड़न भरते दिखाई देते हैं, ये उनका प्रजनन काल होता है. कोयल परिवार की दीगर सदस्यों की भांति ये भी चिड़िया अपने अंडे नहीं सेती. गर्मी और वर्षा की नमी कई परिंदों के वंशवृद्धि का काल होता है, ये बड़े चुपके से उनके अण्डों में अपना एक-एक अंडा रख देती हैं. और फिर वह चिड़िया ही इनके बच्चों को पालती है. बाद बड़े होने पर ये अपने असली माँ-बाप से मिल जाते है. माना जाता हैं चातक स्वाति नक्षत्र की पहली बूंद का सेवन करता है ,पर इसका कोई प्रमाण नहीं .लेकिन मैंने ये हमेशा देखा है,कि जब-जब सूरज के सामने बदली छाती है ये परिंदा हर्षित हो पर पेड़ के ऊपर से 'पियू-पियू..पी.. की रट लगता है, जैसे वर्षा की चाह रखता हो और मेघों को बरसने कह रहा हो ..द्व ये परिंदा शहर के किनारे बगीचों में गाँव के करीब बिगड़े वनों में तो देखा जाता है पर साल के सघन वन में कभी नहीं दिखा.

शरदकाल इसके वापसी का समय है, सारी वर्षाऋतु जो धीमी उड़ना भरता रहा वो पक्षी अपनी उडान में परिवर्तन ले आता है ,और ऊँची उड़ान भरता दिखता है तब ये छह या आठ का समूह होता है ,इतनी ऊँची उड़ान की दिखाई भी नहीं देता और परिवार के साथ वापस चला जाता है अपने देश ,अगले साल वर्षाकाल से पहले आने के लिए .. मैं सोचता हूँ ये परिंदा भी जानता है कि मानसूनी हवा के वेग को उसके पंख न झेल सकेंगे इसलिए वो प्रजननकाल के पहले यहाँ पहुँच जाता है.और मैं जान जाता हूं कि मानसून आने वाला है खेती के काम शुरू कर दो।

व्हाइट ब्रेड और पास्ता बना सकते हैं अवसाद का शिकार

अगर आप अधिकतर समय व्हाइट ब्रेड और पास्ता खाते हैं तो इसे बंद कर दें यह आपकों बीमार बना सकता है। खानपान का भी सेहत पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ब्रेड और पास्ता कभी कभी-कभी खाने में कोई खतरा नहीं है पर अगर आप अक्सर नाश्ते में ब्रेड या पास्ता ही खाते हैं तो यह आपके लिए चिंता का कारण हो सकता है। एक हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है कि व्हाइट ब्रेड और पास्ता का सेवन अवसाद का शिकार बना सकता है।

अध्ययन रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि व्हाइट ब्रेड और पास्ता में पाये जाने वाले कार्बोहाइड्रेट आपके भीतर चिड़चिड़ापन और चिंता बढ़ा सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार सफेद ब्रेड, चावल और पास्ता जैसी खाने की चीजें आपको अवसाद का शिकार बना सकती हैं। वहीं इस खतरे को अनाज और हरी सब्जियां कम कर सकती हैं। सफेद ब्रेड और सफेद चावल खाने से शरीर में हार्मोनल प्रतिक्रिया होती है जो ब्लड शुगर लेवल को घटाती है जिसके कारण चिड़चिड़ापन, थकान और डिप्रेशन के कई लक्षण लोगों में आने लगते हैं।

शोध के मुताबिक ब्रिटेन में प्रति 100 में से 3 लोग अवसाद के शिकार हैं जो कि सफेद ब्रेड और पास्ता जैसे बुरे कार्बोहाइड्रेट्स की वजह से भी होते हैं। इन बुरे कार्बोहाइड्रेट्स की वजह से मोटापा, थकान और अनिद्रा जैसी बीमारियों के खतरे बढ़ सकते हैं।

हिंदू धर्म में तुलसी का महत्व

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का बहुत महत्व होता है। तुलसी हमारे आंगन की शोभा बढ़ाती है। हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का इस्तेमाल कई अलग-अलग शुभ कामों में किया जाता है। कहते हैं भगवान विष्णु को तुलसी बहुत प्रिय है। भगवान विष्णु के प्रसाद में तुलसी के पत्ते का इस्तेमाल जरूर किया जाता है। इसके अलावा भी तुलसी के पत्ते से भगवान का भोग लगाया जाता है। तुलसी में कई गुण पाए जाते हैं। तुलसी के पत्ते का रोजाना सेवन करने से कई रोगों से छुटकारा मिलता है।

इस दिन नहीं तोड़ें तुलसी पत्ते

तुलसी के पत्ते हमारे जीवन में एक वरदान की तरह है लेकिन इन पत्तों को कुछ खास दिन को नहीं तोड़नी चाहिए। जैसे चंद्रगहण, एकादशी और रविवार के दिन तुलसी के पत्तियों को नहीं तोड़ना चाहिए। सूरज ढ़लने के बाद भी तुलसी के पत्तों को नहीं तोड़ना चाहिए।

पूजा में करें उपयोग

यह मान्यता है कि अगर हमारे हर में कोई विशेष पूजा या कार्यक्रम हो रहा हो तो उसमें तुलसी के पत्तियों का इस्तेमाल करना जरूरी होता है वरना पूजा सफल नहीं होती है। घर में तुलसी का पौधा रखना शुभ माना जाता है। घर में पौधा लाने के बाद हर दिन सुबह-शाम दीपक जलाकर पूजा करनी चाहिए। घर के आंगन में तुलसी के रहने से नकारात्मक का प्रवेश नहीं होता है। तुलसी के पत्तों का रोजाना खाली पेट सेवन करने से सेहत सही रहती है। यह आपको कई रोगों से भी बचाती है।

जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हुई

कोड ऑफ कंडक्ट का पालन नहीं कर रहे जज

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी आवास पर भारी मात्रा में अधजली नकदी मिलने के मामले में फंसे हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला मंगलवार को संसद की स्थायी समिति की बैठक में भी उठा। समिति के सदस्यों ने पूछा कि मामले में कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि चर्चा के दौरान समिति के सदस्यों ने वीरस्वामी मामले की समीक्षा का सुझाव दिया। इसके अलावा समिति ने जजों के लिए आचार संहिता बनाने और सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद लेने के लिए कूलिंग-ऑफ अवधि के बारे में भी सुझाव दिया। संसदीय समिति ने यह चर्चा उस समय की है, जब अगले महीने संसद के मॉनूसन सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी हो रही है। राज्यसभा की इस समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद बृजलाल हैं और इसमें भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई (जो एक मनोनीत सांसद हैं), पूर्व कानून राज्य मंत्री पी पी चौधरी, तृणमूल कांग्रेस सांसद सुखेंदु शेखर राय और कल्याण बनर्जी, कांग्रेस के विवेक तन्खा और द्रमुक के पी विल्सन तथा ए राजा प्रमुख सदस्य हैं। कुछ सदस्यों ने जजों के लिए बने 16 पॉइंट के कोड ऑफ कंडक्ट का पालन न होने पर भी सवाल पूछे। यह कोड ऑफ कंडक्ट सुप्रीम कोर्ट ने ही 1997 में लागू किया था। सांसदों ने कहा कि जजों के लिए यह कोड ऑफ कंडक्ट सिर्फ कागजों में ही है। इसके 2023 में सिफारिश की गई थी कि जजों को अपनी संपत्ति घोषित करनी चाहिए, लेकिन इसका पालन भी अधूरा ही है।

राजस्थान में फर्जीवाड़ा करने की दोषी 28 गौशालाएं ब्लैकलिस्ट

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में गौसेवा के नाम पर करोड़ों रुपये की अनियमितता का मामला चर्चा में है। गोपालन विभाग ने जैसलमेर जिले की 28 गौशालाओं को फर्जीवाड़ा करने का दोषी पाकर ब्लैकलिस्ट किया है। इन संस्थाओं द्वारा 49 हजार 314 फर्जी गौवंश टैग लगाकर सरकारी अनुदान राशि उठाने की कोशिश की थी। लेकिन गोपालन विभाग ने समय रहते कार्रवाई कर करीब 29 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि बचा ली है। मामले की विस्तृत जांच अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को सौंपी गई है। गोपालन, डेयरी, पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि विभाग की तकनीकी प्रणाली को बेहतर किया गया है, जिसके बाद अब डुप्लीकेट टैग से अनुदान लेना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि इस सुधार के चलते राज्य सरकार को बड़ी आर्थिक हानि से बचाया गया है। भजनलाल सरकार में मंत्री कुमावत ने बताया कि नवंबर 2024 से मार्च 2025 की अवधि के लिए 811 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जल्द जारी की जाएगी। इसके पहले सभी गौशालाओं का भौतिक सत्यापन कराया जा चुका है। राजस्थान सरकार ने प्रति गौवंश अनुदान राशि में 25 प्रतिशत तक की वृद्धि की है, जिससे प्रदेश की तीन हजार से अधिक गौशालाओं के करीब 13.80 लाख गौवंश को बेहतर चारा-पानी मिल सकेगा। भजनलाल सरकार नंदी संरक्षण को भी प्राथमिकता दे रही है। पंचायत समिति स्तर पर नंदीशालाएं खोलने के लिए प्रति स्थान 1.57 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं।

हैदरी दल 25 का संस्थापक गिरफ्तार, कुकर्म और उन्माद फैलाने का है आरोप

पुलिस ने किया मोबाइल जब्त, दर्जनों अश्लील वीडियो और फोटो मिले

बरेली,(ईएमएस)। उतर प्रदेश के बरेली जिले में हैदरी दल 25 के संस्थापक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर धार्मिक उन्माद फैलाने और नाबालिग से कुकर्म करने का आरोप है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी बीसलपुर रोड स्थित साठा पुलिया के पास खड़ा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पहले ही कई टीम बनाई गई थी। सभी टीमों ने तालमेल बिठाकर घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में एसपी देहात ने बताया कि फरीदपुर के ग्राम पिपरथरा निवासी नबी हसन द्वारा गुलशने मुस्तफा मदरसे में पढ़ रहे एक नाबालिग छात्र के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया था। जिसकी वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी जाती थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने इंस्टाग्राम पर एक फर्जी आईडी हैदरी दल 25 बरेली बनाकर साम्प्रदायिक तनाव फैलाने वाली आपत्तिजनक सामग्री शेयर की थीं। बता दें कि हैदरी दल 25 के कई मेंबर पहले भी गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन इसका संस्थापक नबी हसन काफी समय से फरार था। बीते दिन पुलिस ने उसे भी धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक, नबी हसन के पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है जिसमें नाबालिग छात्र से कुकर्म की वीडियो मिली है। ये छात्र उसी के मदरसे में पढ़ता था। इसके अलावा उसके मोबाइल में दर्जनों अश्लील वीडियो/फोटो मिले हैं। साथ ही हसन के द्वारा ही हैदरी दल 25 इंस्टाग्राम अकाउंट संचालित होने के प्रमाण भी मिले हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को लगाई फटकार, आदेश के बाद भी कैदी नहीं छोड़ा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी की योगी सरकार को फटकार लगाई है। गाजियाबाद जेल में जमानत के आदेश बावजूद कैदी को 28 दिन तक नहीं छोड़ा गया। जिसके बाद कोर्ट ने कैदी को रिहा न करने पर 5 लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि यह लिपिकीय चूक नहीं, यह सिस्टम का फेलियर है। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और एनके सिंह की पीठ ने कहा कि तकनीकी खामी या लिपिकीय त्रुटि के नाम पर किसी व्यक्ति की आज़ादी नहीं छीनी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि जमानत आदेश में अपराध और आरोप स्पष्ट थे, फिर भी एक उपधारा का उल्लेख न होने के बहाने रिहाई नहीं की गई। जेल अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश हुए, जबकि यूपी के डीआईजी (जेल) वीसी के जरिए पेश हुए।

चोरी के आरोपी को जूतों की माला पहनाकर पुलिस जीप पर घुमाया, अब होगी जांच

जम्मू(ईएमएस)। जम्मू के मध्य क्षेत्र में एक संदिग्ध चोर को पकड़कर उसे सार्वजनिक रूप से जूतों की माला पहनाकर पुलिस जीप की बोनट पर बिठाकर घुमाया गया। इस अपमानजनक रवैया को लेकर जिले के पुलिस अधीक्षक ने आपत्तिजनक बताया और जांच के आदेश दिए हैं। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वहां मौजूद लोग इस काम पर तालियां बजाते और खुशी मनाते हुए नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो पर यूजर अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जहां कई लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की वैधता और नैतिकता पर सवाल उठाए हैं तो वहीं कुछ लोगों ने इसे 'जंगल राज' करार दिया है। जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने कहा कि पुलिसकर्मियों की कार्रवाई 'गैर-पेशेवर और अनुशासित संगठन के सदस्यों के लिए अनुचित' है तथा उन्होंने इस मामले की सख्त विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

थरूर पर खड़गे बोले- कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट:हमारे लिए देश पहले; शशि ने मोदी को भारत की प्रमुख संपत्ति बताया था

नई दिल्ली/मॉस्को: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में बुधवार को शशि थरूर को लेकर कहा- मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी (थरूर की) लैंग्वेज बहुत अच्छी है। इसलिए हमने उन्हें पार्टी की वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि पूरे विपक्ष ने मिलकर कहा कि हम आर्मी के साथ हैं। हमारे लिए देश पहले है, लेकिन कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट हैं। सोमवार को द हिंदू में पब्लिश एक आर्टिकल में थरूर ने लिखा था कि मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा वैश्विक मंच पर भारत के लिए प्रमुख संपत्ति बनी हुई है, लेकिन उन्हें और ज्यादा सपोर्ट मिलना चाहिए। इस आर्टिकल को थरूर का कांग्रेस पार्टी को नाराज करने और उसकी लीडरशिप के साथ उनके संबंधों में बढ़ती दरार के रूप में देखा गया। हालांकि, कांग्रेस ने थरूर के बयान से यह कहकर किनारा कर लिया कि यह उनकी निजी राय सकती है, पूरी पार्टी की नहीं।

शशि थरूर ने कहा था- ऑपरेशन सिंदूर के बारे में उनका आर्टिकल प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की पार्टी BJP में शामिल होने का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय एकता, हित और भारत के लिए खड़े होने का बयान है।

मॉस्को में मीडिया से चर्चा करते हुए सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर और पीएम मोदी की तारीफ पर कहा, "मैंने यह इसलिए कहा क्योंकि प्रधानमंत्री ने खुद दूसरे देशों के साथ बातचीत में गतिशीलता और ऊर्जा दिखाई है। उन्होंने किसी भी प्रधानमंत्री की तुलना में ज्यादा देशों की यात्रा की है और ऐसा उन्होंने भारत के संदेश को दुनिया भर में ले जाने के लिए किया है।"

थरूर के बयान की बड़ी बातें...

- मैं संयुक्त राष्ट्र में 25 साल की सेवा के बाद भारत वापस आया। मैंने भारत की सेवा करने के लिए ऐसा किया और मुझे ऐसा करने का अवसर पाकर बहुत गर्व है।
- मैं भी लंबे समय से मानता रहा हूं कि हमारे लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद सीमाओं पर ही रुक जाना चाहिए। हमारे लिए वास्तव में भाजपा की विदेश नीति या कांग्रेस की विदेश नीति जैसी कोई चीज नहीं है, केवल भारतीय विदेश नीति और भारतीय राष्ट्रीय हित है।
- मैं कुछ नया नहीं कह रहा हूं, मैंने यह बहुत साल पहले कहा था। और मैंने यह सार्वजनिक रूप से रिकॉर्ड पर पहली बार तब कहा था जब मैं 2014 में विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष बना था।

कांग्रेस का दावा- मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह असफल

थरूर ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा ऐसे समय में की है जब कांग्रेस लगातार मोदी सरकार पर उसकी विदेश नीति को लेकर हमला कर रही है। कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय कूटनीति बिखर रही है और देश वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है। वहीं, पहलगाम हमले के बाद से थरूर भारत-पाकिस्तान संघर्ष और कूटनीतिक पहुंच पर ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं जो कांग्रेस के रुख से अलग हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया कि अमेरिका का भारत की यात्रा करने वाले उसके नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करना देश को बदनाम करता है।

कांग्रेस ने मांग की कि सरकार को अपना विरोध दर्ज कराना चाहिए और साथ ही सख्त रुख अपनाना चाहिए। उसने यह भी दावा किया कि मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह से असफल हो गई है।

फ्रांसीसी युवती से रेप, आरोपी कास्टिंग कंपनी का मालिक: सलमान व अक्षय के साथ काम किया

उदयपुर: उदयपुर में एड शूट करने आई फ्रांस की युवती से रेप के आरोपी को चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है। वह कास्टिंग कंपनी का मालिक है। मूवी से लेकर ऐड, सॉन्ग और सीरियल में कास्टिंग करता है। सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे बॉलीवुड स्टार की फिल्मों में कास्टिंग कर चुका है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29) ने कहा है कि उसके साथ हनी ट्रैप हुआ है। उसे बॉलीवुड के कुछ लोग फंसा रहे हैं। पुष्पराज चित्तौड़गढ़ के गंगरार तहसील क्षेत्र का रहने वाला है। वह करीब 8 साल से उदयपुर में रह रहा है।

बहाने से अपने फ्लैट पर ले गया

बुधवार को उदयपुर में एसपी योगेश गोयल ने कहा- कास्टिंग कॉल नाम से आरोपी और उसके सहयोगी की कंपनी है। इस कंपनी ने ही शूट के लिए युवती

को हायर किया था। युवती 22 जून को मोबाइल ऐड शूट के लिए उदयपुर आई थी। इसी दिन पिछोला, सज्जनगढ़ फोर्ट और आस-पास के रेस्टोरेंट में शूटिंग की गई। इसके बाद रात को क्रू मेंबर्स ने टाइगर हिल स्थित द ग्रीक फॉर्म एंड रेस्ट्रो कैफे में पार्टी की।

पार्टी के दौरान सिद्धार्थ स्मोक के बहाने फ्रांस की युवती को अपने सुखेर स्थित फ्लैट पर लेकर गया और रेप किया। SP ने दावा किया कि पूछताछ में पुष्पराज ने अपना गुनाह कबूल किया है। सात दिन में पूरी जांच कर कोर्ट में चालान पेश करेंगे। युवती लंबे समय से दिल्ली में रह रही है। राजस्थान में पहले भी आ चुकी है।

फिल्मों में कास्टिंग करवाता

सूत्रों ने बताया कि पुष्पराज उदयपुर के सिटी पैलेस में शूट हुई सलमान खान की मूवी 'प्रेम रतन धन पायो' और होटल रेडिसन में शूट हुई अक्षय कुमार की मूवी 'खेल-खेल में' कास्टिंग की थी। इतना ही नहीं, क्राइम पेट्रोल से लेकर कई सॉन्ग और ऐड के लिए कास्टिंग कर चुका है। वह पिछले दस साल ये काम कर रहा है।

युवती अंबामाता इलाके के एक होटल में रुकी थी। घटना के बाद युवती को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। उसकी हालत खतरे से बाहर है। 24 जून को एफआईआर दर्ज की गई थी।

आरोपी बोला- मैंने रेप नहीं किया

पुलिस कस्टडी में एसपी ऑफिस जाते समय पुष्पाराज (आरोपी) जोर-जोर से बोला कि उसने रेप नहीं किया है। मैं बाहर का बंदा हूं। यहां इंडस्ट्री का शूटिंग का काम कर रहा हूं। मेरे को यहां से वापस भेजने की साजिश है। मैंने भागने की कोशिश नहीं की। मैं खुद सरेंडर करने आ रहा था, तो पकड़ा गया।

रेप के आरोपी को पीटने दौड़े कांग्रेस कार्यकर्ता: उदयपुर में बढ़ते अपराध को लेकर और बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर आज कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस आरोपी को लेकर SP ऑफिस पहुंची। वहां पहले से ही शहर कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। ये लोग उसे मारने दौड़े। कुछ ने आरोपी का हाथ खींचा।

पंजाब के अकाली नेता बिक्रम सिंह के घर पर विजिलेंस टीम की छापेमारी

चंडीगढ़,(ईएमएस)। पंजाब के पूर्व मंत्री और अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के घर पर विजिलेंस टीम ने छापेमारी की है। बुधवार सुबह ही विजिलेंस की टीम ने मजीठिया के अमृतसर स्थित घर पहुंची और छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। अब तक यह जानकारी नहीं मिल सकी है कि यह छापेमारी किस केस में की गई है, लेकिन अब भी टीम वहां मौजूद है। घर पर मौजूद विजिलेंस टीम के साथ अपनी बातचीत का वीडियो भी मजीठिया ने सोशल मीडिया पर शेयर कर भगवंत मान सरकार पर बदले की कार्रवाई करने का आरोप लगा दिया है। विजिलेंस टीम के करीब 30 अधिकारियों ने मजीठिया के घर पर छापेमारी की है। मजीठिया की पत्नी गनीव कौर मजीठिया भी मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, मैंने बहुत पहले ही बता दिया था कि जब मान सरकार को झूठे ड्रग केस में मेरे खिलाफ कुछ नहीं मिला, तब अब वे मेरे खिलाफ एक नया झूठा केस दर्ज करने की तैयारी कर रहे हैं। बुधवार सुबह विजिलेंस के एसएसपी के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की है। मान जी ये समझ लीजिए, जितने पर्चे देने हैं दे दीजिए, ना मुझे डर है और ना ही आपकी सरकार मेरी आवाज दबा सकती है। मैंने हमेशा पंजाब के मुद्दों पर बात की है और आगे भी करता रहूंगा। मजीठिया ने कहा कि मुझे अकाल पुरुख, गुरु साहिब पर पूरा भरोसा है। अंतिम विजय सत्य की होगी।

वीडियो में मजीठिया अधिकारियों से कहते दिख रहे हैं कि यदि आपको कोई जानकारी चाहिए, बैठिए और मुझसे पूछिए। उन्होंने कहा कि सरकार यदि जबरदस्ती कुछ करना चाहती है, तब वह ठीक नहीं है। इसके अलावा अधिकारी से वे कहते हैं कि आपको इसतरह सादी वर्दी में नहीं आना चाहिए। आपको अपनी वर्दी में रहना चाहिए। इसतरह से कोई भी आकर कह देगा कि मैं एसपी हूं।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर केमिकल टैंकर आग का गोला बना: ड्राइवर जिंदा जला, गाड़ियां छोड़कर भागे लोग

जयपुर: जयपुर में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक केमिकल टैंकर में आग लग गई। नेशनल हाईवे-48 पर हुए हादसे में टैंकर ड्राइवर जिंदा जल गया। हादसा बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे जिले के मोखमपुरा कस्बे में हुआ। टैंकर में भरा मेथेनॉल हाईवे पर बिखर गया। आग फैलने के डर से टैंकर के करीब चल रहीं गाड़ियां हाईवे पर ही रुक गईं। कई ड्राइवर मौके से गाड़ी छोड़कर भाग गए। हादसे के करीब आधा घंटे बाद तक हाईवे पर जाम लगा रहा।

नेशनल हाईवे का ट्रैफिक एक लेन पर डायवर्ट

मौखमपुरा थाने के हेड कॉन्स्टेबल मदन कसवा ने बताया कि जानकारी मिलने पर टीम मौके पर पहुंची। हादसे में टैंकर ड्राइवर राजेन्द्र जिंदा जल गया। टैंकर में लगी आग और धुंआ करीब 300 मीटर दूर से ही नजर आ रहा था। इस कारण हाईवे पर चल रहीं दूसरी गाड़ियों के ड्राइवर भी डर गए। कई लोग बीच हाईवे पर

गाड़ी छोड़कर खेतों में भाग गए।

डर के कारण हम लोग भागे- प्रत्यक्षदर्शी

प्रत्यक्षदर्शी विशाल ने बताया कि वह जयपुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान टैंकर पलटा और आग का गोला बन गया। हम सभी लोग डर गए और कार से उतरकर पीछे की ओर भागे। हमारे साथ चल रही और गाड़ी वालों ने भी कार रोकी और खुले की तरफ भागने लगे। गनीमत रही कि किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ।

भांकरोटा हादसे में हुई थी 20 लोगों की मौत

दिसंबर-2024 में इसी हाईवे पर हुए एलपीजी टैंकर ब्लास्ट में 20 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 35 से ज्यादा लोग बुरी तरह झुलस गए थे। बुधवार को जहां केमिकल टैंकर पलटा उस जगह की दूरी भांकरोटा से करीब 30 किलोमीटर है। स्थानीय लोगों का कहना है पिछले साल हुए हादसे के बाद भी प्रशासन ने कोई सबक नहीं सीखा है। केमिकल या गैस से भरे टैंकर की सुरक्षा को लेकर कोई सख्ती नहीं हुई है।

एससीओ समिट में पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ, पाकिस्तान से नहीं होगी कोई चर्चा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में भाग लेने के लिए चीन के किंगदाओ पहुंचे हैं, जहां पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी मौजूद हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पहली बार होगा, जब भारत-पाकिस्तान के रक्षा मंत्री एक मंच पर है। हालांकि, एससीओ समिट में सिंह और ख्वाजा आसिफ द्विपक्षीय वार्ता नहीं करने वाले है। क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने पाकिस्तान के साथ अपनी सभी तरह की डिप्लोमेटिक बातचीत बंद की है। चीन में आयोजित सम्मेलन में क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य पर व्यापक चर्चा होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, रक्षा मंत्री सिंह एससीओ के सिद्धांतों और उद्देश्यों के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करने वाले है। वे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने और क्षेत्र में आतंकवाद और उग्रवाद को खत्म करने के लिए संयुक्त और निरंतर प्रयासों का आह्वान करने वाले है। इसके अलावा, वे एससीओ के अंदर व्यापार, आर्थिक सहयोग और कनेक्टिविटी को बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर देने वाले है।

अमेरिका ने दी भारतीयों को चेतावनी

वीजा नियम तोड़ने वालो पर होगी कार्रवाई, अगली बार एंट्री नहीं

अमेरिका ने भारतीय नागरिकों को चेतावनी दी है कि अगर वे गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में घुसने की कोशिश करते हैं या वीज़ा का दुरुपयोग करते हैं, तो उन्हें हिरासत, देश से निकाले जाने और भविष्य में वीज़ा न मिलने जैसी गंभीर सज़ाओं का सामना करना पड़ सकता है। 25 जून 2025 को अमेरिका के भारत स्थित दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया, "अमेरिका ने इमिग्रेशन कानूनों को लागू करने की प्रक्रिया तेज कर दी है और अवैध रूप से रह रहे लोगों को देश से निकाला जा रहा है। गैरकानूनी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने वालों को हिरासत में लिया जाएगा, उन्हें देश से निकाला जाएगा और भविष्य में वीज़ा के लिए अयोग्य करार दिया जाएगा।" बयान में आगे कहा गया, "अगर कोई व्यक्ति अवैध तरीके से अमेरिका में प्रवेश करता है, तो उसे जेल और निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। ऐसी महंगी और खतरनाक यात्रा का अंजाम या तो जेल होता है या फिर अपने देश वापसी – वो भी रिकॉर्ड पर स्थायी दाग के साथ। यह बयान अमेरिकी दूतावास ने अपने आधिकारिक 'X' (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर साझा किया है। दूतावास ने इस महीने पहले भी कई बार वीज़ा दुरुपयोग और गैरकानूनी इमिग्रेशन को लेकर सख्त रुख जताया है।

हाल ही में अमेरिका के न्यूआर्क एयरपोर्ट से एक भारतीय युवक को जबरन भारत भेजे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। यह मामला जून महीने का है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अमेरिका के सुरक्षा अधिकारी युवक को हथकड़ी पहनाकर ज़मीन पर दबोचे हुए हैं। युवक हरियाणा का रहने वाला बताया गया है। यह वीडियो भारतीय मूल के अमेरिकी उद्यमी कुणाल जैन ने रिकॉर्ड किया था। उन्होंने इसे "एक मानवीय त्रासदी" बताया और इस कार्रवाई पर नाराज़गी जाहिर की। वीडियो सामने आने के बाद अमेरिका में बसे भारतीय समुदाय में भी इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

हिमाचल के कुल्लू में दो जगह बादल फटा,अस्थाई पुल बहा:5 जिलों में बाढ़ का अलर्ट; हल्द्वानी में 4 की मौत, जम्मू में युवक का रेस्क्यू

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ: हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बुधवार को दो जगह बादल फटा। सैंज घाटी में जीवा नाला उफान पर आ गया और मणिकर्ण के ब्रम्हगंगा में बादल फटने से यहां के नदी-नालों का जल स्तर अचानक से बढ़ गया। उत्तराखंड के हल्द्वानी में बुधवार सुबह एक कार नहर में गिर गई। 7 लोगों में 4 की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है। पीड़ित अस्पताल से बच्चे की डिलीवरी के बाद घर जा रहे थे। जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। एसडीआरएफ के लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया।

गुजरात के सूरत का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई

सोसाइटियों में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिए रेस्क्यू किया गया। परवत पाटिया इलाके में 5 फीट से ज्यादा पानी भरा हुआ है। यहां बीमार बुजुर्ग को स्ट्रेचर पर लिटाकर पानी से निकालकर एम्बुलेंस तक ले जाया गया।

पहाड़ों पर भारी बारिश की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ों पर नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड और लद्दाख में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। मध्य भारत के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी गुजरात और राजस्थान के कई हिस्सों में भी भारी बारिश के संकेत हैं। अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी तेज बारिश हो सकती है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में 26 जून से मानसून सक्रिय होने के साथ बारिश तेज होने की संभावना है। जयपुर में मंगलवार सुबह 8 से शाम 5 बजे तक 3 इंच से ज्यादा (77.8MM) बारिश हुई। मध्य प्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग के मुताबिक, ट्रफ गुजरने के साथ ही साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है। प्रदेश में अगले 4 दिन तेज बारिश की संभावना है।

देश के अन्य राज्यों के मौसम का हाल

हिमाचल प्रदेश: सोलन, शिमला और कुल्लू जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। सिरमौर, ऊना, बिलासपुर, मंडी, हमीरपुर, कांगड़ा, चंबा और मंडी जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने को कहा है। **पश्चिम बंगाल:** 25 से 27 जून तक दक्षिणी बंगाल के हुगली, दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम, पुरुलिया, बांकुरा और पश्चिम बर्धमान में भारी बारिश की संभावना है। उत्तरी बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में 25, 28 और 29 जून को भारी बारिश होने की संभावना है।

देश में आज का मौसम कैसा रहेगा

26 जून: दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा में बहुत भारी बारिश की संभावना है। दिल्ली में तापमान अधिकतम 36°C और न्यूनतम 28°C के आसपास रह सकता है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय में भी तेज बारिश का अलर्ट है। यहां बिजली गिरने का भी चेतावनी है। मध्य प्रदेश-गुजरात में भी तेज बारिश होगी। गुजरात के जिलों में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ सकती है। गोवा, कर्नाटक में भारी बारिश जारी रहेगी। मुंबई में भी तेज बारिश होगी। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में तेज बारिश का रेड अलर्ट है।

अमेरिकी हमले ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह तबाह नहीं कर सके अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी की लीक रिपोर्ट में दावा जिसे ट्रंप बता रहे 'फेक'

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान के परमाणु ठिकानों पर हाल में हुई अमेरिकी एयरस्ट्राइक्स को लेकर अब अमेरिका में ही मतभेद सामने आ रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों को 'इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियान बताया है, जबकि अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी की एक लीक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी हमले में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह तबाह नहीं किया जा सका। उधर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक रूस ने इजराइल के परमाणु कार्यक्रमों को लेकर उसे घेरा और दावा किया कि इस यहूदी देश के पास 90 परमाणु हथियार हैं।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी हमलों से ईरान के संवर्धित यूरेनियम का भंडार और प्रमुख सेंट्रीफ्यूज सुरक्षित है, जबकि ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा कर चुके हैं कि ईरान का पूरा परमाणु ढांचा तहस-नहस कर दिया गया है। ट्रंप ने इस रिपोर्ट को 'फेक' बताया है। एक मीडिया रिपोर्ट पर आरोप लगाया कि वे 'एक ऐतिहासिक सैन्य जीत को नीचा दिखाने की साजिश कर रहे हैं। ट्रंप ने इसके साथ ही बी-2 बॉम्बर्स का एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें ये ईरानी परमाणु पर बंकर बस्टर बम गिराते दिख रहे हैं।

उधर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बयान जारी कर डीआईए की रिपोर्ट को सिरे से खारिज किया और कहा कि यह एक 'गोपनीय रिपोर्ट का लीक' है, जिसे किसी 'नीच दर्जे के खुफिया अफसर' ने गलत मंशा से लीक किया है। मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फोर्दो, नतांज़ और इस्फहान में हुए हमलों से ज्यादातर नुकसान सिर्फ पावर यूनिट्स और बिल्डिंग की बाहरी दीवारों जैसी ऊपर की संरचनाओं को ही हुआ है। असल में ईरान पहले ही अपने संवेदनशील यूरेनियम स्टॉक को उन ठिकानों से हटा चुका था, जिससे अमेरिका की बमबारी का असर और कम हो गया।

उधर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मंगलवार को ईरान के यूएन दूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि इजराइल के साथ संघर्ष के बाद बने सीजफायर ने कूटनीति की ओर लौटने का एक नया अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि जिस लंबी और बड़े पैमाने की जंग के ज़रिए वे ईरान को घुटनों पर लाना चाहते थे, वह पूरी तरह फेल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति साफ तौर पर साबित करती है कि 'डिप्लोमेसी और संवाद ही ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम पर विवाद सुलझाने का एकमात्र रास्ता है।

वहीं, सुरक्षा परिषद में रूस के प्रतिनिधि वसिली नेबेन्जिया ने भी अमेरिका और इजराइल पर निशाना साधा और कहा कि ईरान पर हमला परमाणु अप्रसार संधि के अधिकार को सीधी चुनौती देता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की सैन्य कार्रवाइयों से पूरे मध्य पूर्व में रेडियोलॉजिकल खतरा फैल सकता है। उन्होंने कहा कि हमें हैरानी है कि इजराइल इस बैठक में हिस्सा ले रहा है, जो एनपीटी के एजेंडे के तहत हो रही है। क्या यह संकेत है कि इजराइल एनपीटी में शामिल होने की सोच रहा है?

बता दें इजराइल एनपीटी का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है और माना जाता है कि उसके पास करीब 90 परमाणु हथियार हैं। एक और जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जहां ईरान पर हुई बमबारी को ऐतिहासिक जीत बता रहे हैं, वहीं उनकी ही खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट्स इस दावे पर सवाल उठा रही हैं। उधर यूएन में रूस ने इजराइल की उपस्थिति और उसकी परमाणु नीति पर कटाक्ष कर यह साफ कर दिया है कि यह मसला अब सैन्य कार्रवाई से ज्यादा कूटनीति और वैश्विक दबाव का बन चुका है।

फिर मुकरे ट्रंप बोले- ईरान में सत्ता बदलना हमारा मकसद नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी बात से मुकर गए हैं। पहले उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि ईरान की सत्ता भी बदली जा सकती है। अब कह रहे हैं कि सत्ता परिवर्तन हमारा मकसद नहीं है। मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, नहीं... अगर ऐसा कुछ था भी, तो था। मैं चाहता हूं कि सबकुछ जल्द से जल्द शांत हो जाए। शासन परिवर्तन अराजकता लाता है, और आदर्श रूप से हम इतनी अराजकता नहीं देखना चाहते, तो देखते हैं आगे क्या होता है। ट्रंप का यह ताजा बयान ऐसे समय आया है जब वह ईरान में शासन परिवर्तन को लेकर तीसरी बार अपना रुख बदल चुके हैं। रविवार (स्थानीय समय) को उन्होंने इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तेहरान में शासन परिवर्तन की संभावना जताई थी, जबकि कुछ दिन पहले ही उन्होंने इससे इनकार किया था।

रविवार को ट्रंप ने एक्स पर लिखा था, अगर मौजूदा ईरानी शासन ईरान को फिर से महान नहीं बना सकता, तो शासन परिवर्तन क्यों न हो! ट्रंप ने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलेंगे और वह एक महान व्यापारिक राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि सबकुछ जल्द से जल्द शांत हो जाए। यह बयान इजराइल और ईरान के बीच संघर्षविराम (सीजफायर) की घोषणा के कुछ घंटों बाद आया।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा करते हुए सीजफायर की पुष्टि की और कहा, इजराइल और ईरान दोनों ही युद्ध रोकना चाहते थे। यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात थी कि मैंने सभी परमाणु ठिकानों और क्षमताओं को नष्ट किया, और फिर, युद्ध रोक दिया! ब ट्रंप से पूछा गया कि क्या सीजफायर प्रभाव में है, तो उन्होंने कहा कि हां, यह पूरी तरह प्रभाव में है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इजराइल ने पीछे हटने का फैसला किया, जिसे उन्होंने सराहा। ट्रंप ने कहा, इजराइल, जैसा कि आप जानते हैं, पीछे हट गया। उन्होंने आज सुबह वह हमला नहीं किया। यह बड़ी बात थी। इसके लिए आभार। उनके पास बहुत सारे जेट तैयार थे और वे कुछ करने जा रहे थे, लेकिन उन्होंने नहीं किया। हम इससे खुश हैं। बहुत खुश हैं।इससे पहले सोमवार (स्थानीय समय) को ट्रंप ने ऐलान किया था कि इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर पर सहमति बन गई है। हालांकि, कुछ घंटों बाद इजराइल ने ईरान पर संघर्षविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। अमेरिका की ओर से हफ्ते के आखिर में ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद शांति की दिशा में पहल की गई और सीजफायर पर सहमति बनी। इसके बाद ट्रंप ने अपनी टीम से कहा कि अब शांति कायम करनी है।

ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा दो टूकः अमेरिका से किसी आक्रामक रुख की उम्मीद नहीं करें

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर होते ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को स्पष्ट कह दिया है कि अब अमेरिका से किसी तरह की आक्रमक रुख अपनाने की अपेक्षा न करें। इससे पहले ईरान और इजरायल के बीच युद्ध की समाप्ति की घोषणा हो गई। ईरान और इजरायल सीजफायर पर सहमत हो गए। डोनाल्ड ट्रंप दुनिया को इसकी जानकारी दी। डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर वाले ऐलान पर ईरान ने भी मुहर लगा दी है। ईरान ने इजरायल के साथ सीजफायर की घोषणा कर दी है। हालांकि, सीजफायर का ऐलान करने से पहले ईरान ने इजरायल पर खूब मिसाइलें दांगी। इससे पहले ईरान ने अपनी कसम पूरी करने के लिए कतर में अमेरिकी एयरबेस पर हमला किया। सीजफायर की घोषणा से पहले ईरान ने 6 मिसाइलें कतर की ओर दागीं, जो अमेरिकी आर्मी बेस के ऊपर जाकर खाक हो गईं। डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे पहले दुनिया को सीजफायर की सूचना दी थी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि इजराइल और ईरान के बीच पूर्ण युद्धविराम पर सिद्धांत रूप में सहमति बन गई है, जिससे 12 डे वॉर का अंत होगा। ट्रंप ने लिखा, सभी को बधाई। इजराइल और ईरान के बीच पूरी तरह से सहमति बन गई है कि 6 घंटे के भीतर एक पूर्ण और समग्र युद्धविराम लागू होगा (जब तक दोनों देश अपने अंतिम सैन्य अभियानों को पूरा कर लेंगे)। पहले 12 घंटे ईरान युद्धविराम का पालन करेगा, फिर इजराइल। इसके 24 घंटे बाद यह युद्ध समाप्त माना जाएगा। ट्रंप ने दोनों देशों की हिम्मत, बुद्धिमत्ता और सहनशक्ति की तारीफ करते हुए कहा कि यह युद्ध वर्षों तक चल सकता था और पूरे मध्य पूर्व को तबाह कर सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और कभी नहीं होगा!

पीएम मोदी के लिए स्पेशल डिनर के चलते भड़क गए शी जिनपिंग, सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

रियो डी जेनेरियो(ईएमएस)। अगले हफ्ते ब्राजील में होने जा रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल नहीं होंगे। जिसको लेकर ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा परेशान हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के राष्ट्रपति की ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की शिड्यूल से परेशानी हैं और इसलिए वो इसमें शामिल नहीं होंगे। चीनी राष्ट्रपति की जगह देश के प्रधानमंत्री ली कियांग अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ इसमें शामिल होंगे। लेकिन परदे के पीछे से आ रही रिपोर्ट्स में कहा गया है कि शी जिनपिंग, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए रखी गई डिनर पार्टी से नाराज हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मेलन के बाद विशेष स्टेट डिनर के लिए आमंत्रित किया है। इसकी वजह से बीजिंग काफी असहज हो गया है। कहा जा रहा है कि चीन को आशंका है कि यदि शी जिनपिंग सम्मेलन में शामिल होते हैं, तो ब्राजील और भारत के नेताओं की आपसी मुलाकात इस मंच से महफिल लूट लेगी। और चीनी राष्ट्रपति की भूमिका सिर्फ साइड एक्टर की तरह नजर आएगी। जो विदेशों में बनाई गई उनकी सशक्त नेता की छवि को धूमिक कर सकती है। ब्राजील के अधिकारियों के मुताबिक राष्ट्रपति लूला ने मई 2025 में चीन की यात्रा भी विशेष रूप से इसलिए की थी, ताकि शी जिनपिंग को ब्रिक्स सम्मेलन में आमंत्रित किया जा सके। उन्होंने इसे गुडविल जेस्चर बताते हुए उम्मीद जताई थी, कि शी जिनपिंग ब्राजील दौरे को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे। ब्राजील के विशेष विदेश नीति सलाहकार सेल्सो अमोरीम ने भी चीनी विदेश मंत्री वांग यी के सामने इस मुद्दे को उठाया भी था। फिर भी चीनी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। दूसरी तरफ चीनी अधिकारियों का कहना है कि शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति की अटकलों का एक और कारण यह है, कि लूला और शी जिनपिंग एक साल से भी कम समय में दो बार मिल चुके हैं। उनकी पहली मुलाकात जी20 शिखर सम्मेलन में पिछले साल नवंबर में ब्रासीलिया की राजकीय यात्रा के दौरान, और फिर मई में बीजिंग में चीन-सेलाक फोरम के दौरान हो चुकी है।

चीन ने कहा है कि वह ब्राजील की ब्रिक्स अध्यक्षता का समर्थन करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि बीजिंग अपने सदस्यों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देना चाहता है। चीनी अधिकारियों ने कहा है कि एक अस्थिर और अशांत दुनिया में, ब्रिक्स राष्ट्र अपने रणनीतिक संकल्प को बनाए रखते हैं और वैश्विक शांति, स्थिरता और विकास के लिए मिलकर काम करते हैं। लेकिन चीन की ये दलील पल्ले नहीं पड़ रही है। क्योंकि द्विपक्षीय मुलाकात अलग है और ब्रिक्स एक मल्टीफोरम प्लेटफॉर्म है। साल 2008 में जब ब्रिक्स का पहला शिखर सम्मेलन ब्राजील में ही हुआ था, उस वक्त चीन के राष्ट्रपति हू जिंताओ चीन में आए विनाशक भूकंप के बावजूद शामिल हुए थे। वो भले ही एक ही दिन रहे, फिर भी वो शामिल हुए थे। विदेश मामलों के एक्सपर्ट्स का मानना है कि शी जिनपिंग अगर ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल नहीं होते हैं तो इससे ब्राजील-चीन रिश्तों को झटका लगेगा और चीन की उन कोशिशों को भी झटका लगेगा, जिसमें वो खुद को ब्रिक्स में नेतृत्वकारी भूमिका में दिखाना चाहता है।

ट्रंप ने कहा था अब परमाणु बम नहीं बना पाएगा ईरान, वेंस बोले- 10 बम बनाने की क्षमता है मौजूद

वॉशिंगटन(ईएमएस)। ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि अब ईरान परमाणु बम नहीं बना पाएगा क्योंकि अमेरिका ने सभी को नष्ट कर दिया है। वहीं उप राष्ट्रपति जीडी वेंस ने कहा कि 4 सौ किलो यूरेनियम गायब हो गया है, इससे 10 परमाणु हथियार बना सकता है ईरान। वेंस ने कहा कि ये यूरेनियम भंडार ईरान के प्रमुख परमाणु स्थलों में संग्रहित था, लेकिन अमेरिकी हमलों से पहले ही इसे दूसरी जगहों पर ले जाया गया। उन्होंने दावा किया कि फोर्दो परमाणु फैसिलिटी को इस मिशन में गंभीर क्षति पहुंची है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सटीक स्थिति की जानकारी नहीं है।

वेंस ने कहा, "इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य फोर्दो परमाणु फैसिलिटी को नष्ट करना था और हमें पूरा विश्वास है कि हमने इस लक्ष्य को काफी हद तक प्राप्त किया है। साथ ही उन्होंने यह भी पुष्टि की कि आने वाले हफ्तों में ईरान के साथ लापता यूरेनियम को लेकर बातचीत की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ ईरान बार-बार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है, जबकि इजरायल का कहना है कि ईरान हथियार बनाने के करीब पहुंच चुका है। अमेरिका में इस पर मतभेद रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान तीन साल दूर था, लेकिन अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने हाल ही में कहा कि ईरान कुछ हफ्तों में हथियार बना सकता है। यह बयान ट्रंप द्वारा उनके पूर्वानुमान को गलत कहने के बाद आया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑपरेशन को निर्णायक रूप से पूर् सफल बताया है। उन्होंने कहा, ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। हमलों के बाद ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने की धमकी दी। उप विदेश मंत्री तख्त रवांची ने कहा, कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए।

रचा इतिहासः फिल्म निर्देशक मीरा नायर का बेटा जोहरान ममदानी बना न्यूयॉर्क का मेयर!

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने अमेरिकी राजनीति में इतिहास रच दिया है। 33 वर्षीय ममदानी का न्यूयॉर्क सिटी का मेयर बनना अब तय हो गया है। भारतीय मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते वाले ममदानी इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी और पहले मुस्लिम होंगे। जोहरान ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ था, लेकिन उनके माता-पिता भारतीय मूल के हैं। उनकी मां मीरा नायर, मशहूर फिल्म निर्देशक हैं। उन्होंने 'सलाम बॉम्बे', 'नेमसेक' और 'मॉनसून वेडिंग' जैसी फिल्में बनाई, जो भारत सहित दुनियाभर में मशहूर है। वहीं उनके पिता महमूद ममदानी एक मशहूर शिक्षाविद हैं।

जोहरान ममदानी की जीत केवल एक राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि भारतीय, मुस्लिम समुदाय और प्रगतिशील राजनीति के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है। जोहरान ममदानी का नाम अब केवल अमेरिका की राजनीति में नहीं, बल्कि भारत के कोने-कोने में गूंज रहा है। एक नई उम्मीद और बदले हुए दौर की मिसाल बनकर। अगर ममदानी नवंबर में भी जीत दर्ज करते हैं,

एसी के ज्यादा इस्तेमाल से बढ़ रहा तापमान, पिघल रहे ग्लेशियर

लंदन (ईएमएस)। आज मॉडर्न लाइफस्टाइल में एयर कंडीशनर जरूरत बन गई है। तपती गर्मी में बिना एसी के रहना मुश्किल है। सिर्फ घरों में ही नहीं, दफ्तरों और गाड़ियों में भी एसी का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन आपको ठंडक देने वाला एसी पर्यावरण के लिए कितना खतरनाक है? एसी का ज्यादा इस्तेमाल एनर्जी की खपत बढ़ाता है, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का भी कारण बनता है। एससी में रेफ्रिजरेंट गैस का इस्तेमाल होता है, जो ठंडक पैदा करती है। पुराने एसी में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) और हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (एचसीएफसी) गैसें इस्तेमाल की जाती थीं, जो ओजोन लेयर को नुकसान पहुंचाती थीं। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के बाद इनको बैन कर दिया गया, लेकिन आज भी एससी में एचएफसी गैस का इस्तेमाल होता है। ये गैसें ओजोन परत को तो नुकसान नहीं पहुंचातीं, लेकिन ये कार्बन डाइऑक्साइड से कई गुना ज्यादा ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ावा देती हैं।

एसी के लिए बहुत ज्यादा बिजली की जरूरत होती है। भारत जैसे देशों में, जहां ज्यादातर बिजली कोयले से बनती है। एससी का ज्यादा इस्तेमाल कार्बन एमिशन को बढ़ाता है। कोयला जलने से कार्बनडाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें वातावरण में घुल जाती हैं, जो वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनती हैं। एसी से निकलने वाली गर्म हवा शहरी क्षेत्रों के तापमान को बढ़ा देती है। यह अर्बन हीट आइसलैंड प्रभाव पैदा करता है, जिससे शहरों का तापमान गांव के इलाकों की तुलना में ज्यादा होता है। इससे लोग और ज्यादा एसी का इस्तेमाल करते हैं, जिससे कभी न खत्म होने वाला साइकिल बन जाता है। एसी के ज्यादा इस्तेमाल से धरती का तापमान बढ़ रहा है। इसके कारण कई ग्लेशियर पिघल रहे हैं, पीने का पानी कम हो रहा है और कई इलाकों में सूखा पड़ रहा है। वॉटर टेबल रिचार्ज न होने की वजह से लोगों को पीने के पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। एसी की लाइफ सीमित होती है और जब ये खराब हो जाते हैं, तो इन्हें डिसपोज करना एक बड़ी समस्या बन जाता है। इनमें मौजूद हानिकारक केमिकल और मेटल्स पर्यावरण को प्रदूषित कर सकते हैं, अगर इन्हें सही तरीके से डिसपोज न किया जाए। हालांकि, एससी आज की जरूरत है। हम इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए कुछ उपाय अपना सकते हैं जैसे कि हम एनर्जी-एफिशिएंट एसी खरीदें, जो कम बिजली खपत करते हैं। नेचुरल वेंटिलेशन का इस्तेमाल करें और पंखे, कूलर जैसे ऑप्शन्स को प्रायोरिटी दें। सोलर पावर से एसी चलाएं, ताकि कार्बन एमिशन कम हो। पेड़ लगाकर पर्यावरण को ठंडा रखने में मदद करें।

घटती आबादी बनी विकसित देशों के लिए बड़ी चुनौती, खोजे जा रहे स्थायी समाधान

लंदन (ईएमएस)। वर्तमान में दुनिया के अनेक विकसित देश नई जनसांख्यिकीय संकट से जूझ रहे हैं। इन देशों के सामने घटती आबादी एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी हो गई है। लगातार घटती जन्म दर, बढ़ती जीवन प्रत्याशा और शहरीकरण के चलते इन देशों की जनसंख्या तेजी से सिकुड़ी है और सामाजिक-आर्थिक ढांचे पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विकसित देशों में महिलाओं द्वारा कम बच्चे पैदा करने की प्रवृत्ति आम होती जा रही है। इसके पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण हैं, जिनमें शिक्षा और करियर को प्राथमिकता प्रमुख माना गया है। उच्च शिक्षित महिलाओं के लिए करियर पहले आता है, जिससे वे देर से विवाह करती हैं और बच्चों की संख्या कम रखती हैं। वहीं बच्चों की परवरिश में आने वाली लागत और आधुनिक जीवनशैली भी जन्म दर पर असर डालती है। जबकि चिकित्सा सुविधाओं की बेहतर उपलब्धता के चलते जीवन प्रत्याशा भी बढ़ी है, जिससे वृद्ध आबादी का अनुपात इन देशों में बढ़ता दिख रहा है। वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों में पलायन और नगरीकरण ने पारंपरिक परिवार संरचना को कमजोर किया है। समस्या की व्यापकता और इसके दुष्परिणाम यह संकट सिर्फ जनसंख्या घटने तक सीमित नहीं है, इसके दूरगामी दुष्परिणाम भी हैं, जिन्हें इन बिंदुओं पर समझा जा सकता है।

आर्थिक सुस्तीः युवाओं की कमी से कार्यबल में गिरावट आती है, जिससे उत्पादन और आर्थिक गति धीमी हो जाती है।

पेंशन और स्वास्थ्य पर दबावः वृद्ध जनसंख्या के कारण सरकारों पर सामाजिक सुरक्षा, पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षाः घटती जनसंख्या से सैन्य भर्ती में कमी आने की आशंका है, जो सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है।

सांस्कृतिक बदलावः जनसंख्या ढांचे में बदलाव से पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों में परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

संभावित समाधान की ओर बढ़ते कदम

इस चुनौती से निपटने के लिए विभिन्न देशों ने रणनीतिक उपायों पर काम शुरू कर दिया है। इनमें प्रमुख रुप से इन देशों ने जन्म दर बढ़ाने की नीति बनाई है। मातृत्व/पितृत्व अवकाश, मुफ्त या सस्ती बाल देखभाल सेवाएं, बच्चे पैदा करने पर कर रियायतें और नकद सहायता, प्रवासन को प्रोत्साहन, विदेशी कामगारों के लिए वीजा प्रक्रियाओं को सरल बनाना, प्रवासियों के समावेशन को बढ़ावा देना, महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि, कार्यस्थलों पर लचीलापन, समान वेतन नीति, मातृत्व के बाद पुनः नौकरी में वापसी के लिए सहायता, वृद्ध कार्यबल का उपयोग, रिटायरमेंट की उम्र में वृद्धि, वृद्धों के लिए पुनः प्रशिक्षण कार्यक्रम और अंशकालिक या लचीली नौकरी के अवसर प्रदान करना इसमें शामिल है।

वैसे भी घटती जनसंख्या दर एक धीमी लेकिन गंभीर चुनौती है, जिससे विकसित देशों का आर्थिक और सामाजिक भविष्य प्रभावित हो सकता है। यह आवश्यक है कि सरकारें दीर्घकालिक रणनीतियों के तहत एक समावेशी और सतत जनसंख्या नीति अपनाएं, जिससे आने वाले वर्षों में कार्यबल, सामाजिक सुरक्षा और सांस्कृतिक स्थिरता को बनाए रखा जा सके।

आतंकवाद मानवता के विरुद्ध अपराध, पालने वालों को कटघरे में लाएं

बीजिंग,(ईएमएस)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सदस्य देशों की सुरक्षा परिषद सचिवों की 20वीं बैठक में भाग लिया। मंगलवार को बैठक को संबोधित करते हुए डोभाल ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड छोड़ने और संयुक्त राष्ट्र से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके नेटवर्क के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने की जरुरत पर बल दिया। डोभाल ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आतंक के ढांचे को नष्ट करने और सीमा पार से भारत में घुसपैठ की कोशिशों को रोकने के लिए एक संतुलित और गैर-उकसाने वाला कदम था। उन्होंने कहा कि टीआरएफ ने इस हमले में 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। एनएसए ने कहा कि भारत को लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल-कायदा, आईएसआईएस और उनके सहयोगी संगठनों से बने यूएन द्वारा नामित आतंकी संगठनों से लगातार खतरा बना है, जिनका मुख्यालय पाकिस्तान में है और जिन्हें राज्य का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने एससीओ देशों से आग्रह किया कि वे आतंकवाद को मानवता के विरुद्ध अपराध मानें और उसके प्रायोजकों, आयोजकों, वित्तीय मददगारों और हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने में मदद करें। डोभाल ने एससीओ मंच पर भारत की ओर से कई प्रस्ताव भी रखे। इनमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों के खिलाफ संयुक्त कार्यों का एक 'एल्गोरिदम ऑफ जॉइंट एक्शन्स', आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद की ओर ले जाने वाले कट्टरपंथ से निपटने के लिए संयुक्त उपाय और आतंकी विचारधाराओं से मुकाबला करने के लिए संयुक्त सूचना अभियान शामिल है। उन्होंने इन प्रस्तावों को समर्थन देने के लिए अन्य सदस्य देशों का आभार भी जताया। इससे पहले, अजीत डोभाल ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग और रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप सचिव अलेक्ज़ेंडर वेनेडिक्टोव से भी मुलाकात की। रूस ने जल्द ही भारत-रूस रणनीतिक संवाद के अगले चरण के लिए डोभाल को आमंत्रित किया।

नाखून और झाड़ू की मदद से जेल की दीवार में सुराख....लेकिन कैदी की कमर दे गई धोखा

रियो ब्रांको (ब्राजील)। फिल्मों में आपने कई बार देखा होगा कि जेल से भागने के लिए कैदी नए-नए तरीके अपनाते हैं, लेकिन ब्राजील के रियो ब्रांको शहर में यह सीन सही साबित हुआ। जब एक कैदी ने अपने नाखून और झाड़ू की मदद से जेल की दीवार में सुराख कर डाला। हालांकि, कैदी का भागने का यह प्रयास बुरी तरह नाकाम हुआ और वह दीवार में ही फंस गया। 32 वर्षीय एलन लियांड्रो दा सिल्वा नाम का यह कैदी दो दिनों से जेल की दीवार को नाखूनों और झाड़ू के हत्थे से खुरच रहा था। वह इस छोटे से सुराख के रास्ते जेल से बाहर निकल जाए। लेकिन कैदी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि दीवार का माप और उसका शरीर तालमेल नहीं खा रहे।

जैसे ही एलन ने खुद को सुरंगनुमा गड्ढे में डालकर निकलने की कोशिश की, वह कमर तक जाकर बीच में ही अटक गया। खुद को न निकाल पाने की हालत में वह मदद के लिए तड़पने लगा। इसके बाद जेल वार्डन को जब कैदी की कोठरी से आवाजें सुनाई दीं, उन्होंने तत्काल पहुंचकर देखा कि कैदी एलन दीवार में अटका हुआ है। उसकी पीठ पर खरोंचों से खून बह रहा था और वह शर्टलेस हालत में दर्द से कराह रहा था।

इसके बाद मौके पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, जिन्होंने ड्रिल मशीनों से दीवार के चारों ओर काटकर बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। एलन को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया है और उसके खिलाफ अब जेल तोड़ने का नया मामला दर्ज किया गया है। घटना की तस्वीरें और वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आए, लोग इस 'फिल्मी कैदी' की कोशिशों पर मज़ेदार टिप्पणियां करने लगे। एक यूज़र ने लिखा, भाई ने शॉशैंक रिडेम्प्शन देख ली लेकिन प्लान पूरा नहीं पढ़ा! वहीं दूसरे ने लिखा, जेल से भागने की कीमत अब पीठ की चमड़ी से चुकानी पड़ी।

म्यांमार के दुर्लभ खनिज तत्वों की खदानों पर है ड्रेगन की नजर, जुंटा सेना और विद्रोहियों को साधकर वैश्विक बाजार पर बना रहा दबदबा

नेपीडा,(ईएमएस)। म्यांमार में 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद से लगातार अराजकता फैली है। म्यांमार में जुंटा सेना और विद्रोही समूहों के बीच आए दिन झड़पें होती रहती हैं। म्यांमार के गृहयुद्ध के बीच चीन उसके दुर्लभ खनिज तत्वों की खदानों पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। म्यांमार के जुंटा शासन और विद्रोही गुटों में संतुलन साधते हुए चीन खनिज तत्वों के वैश्विक बाजार पर दबदबा बना रहा है। म्यांमार दुर्लभ पृथ्वी उत्पादन में दुनिया के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। मीडिया रिपोर्ट में विशेषज्ञों का कहना है कि इनमें से ज्यादातर धातुएं चीन को भेजी जाती हैं। चीन इससे दुर्लभ पृथ्वी निर्यात पर नियंत्रण बढ़ा रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर कमी हो रही है और उद्योगों की चीनी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता बढ़ रही है। चीन दुनिया का शीर्ष दुर्लभ पृथ्वी उत्पादक है लेकिन फिर भी वह इन धातुओं वाले कच्चे माल का आयात करता है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में चीन के कुल दुर्लभ पृथ्वी आयात में म्यांमार की हिस्सेदारी 57 फीसदी थी। चीनी सीमा शुल्क डेटा के मुताबिक म्यांमार से चीन को दुर्लभ पृथ्वी निर्यात 2018 में काफी बढ़ गया और 2023 तक 42,000 मीट्रिक टन के शिखर पर पहुंच गया। म्यांमार से आयात में भारी दुर्लभ पृथ्वी तत्व सामग्री विशेष रूप से ज्यादा है, जो आम तौर पर पृथ्वी की परत में कम मात्रा में होती है। इससे इनकी कीमत बढ़ जाती है। म्यांमार के उत्पादन ने चीन की प्रमुख स्थिति को काफी मजबूत किया है, जिससे बीजिंग को वैश्विक भारी दुर्लभ पृथ्वी आपूर्ति श्रृंखला पर वास्तविक एकाधिकार मिल गया है। दुर्लभ पृथ्वी तत्व के एक वरिष्ठ सलाहकार ने बताया कि म्यांमार में आईएसी खनिकों से निकाले गए दुर्लभ पृथ्वी को आगे प्रसंस्करण और शोधन के लिए ज्यादातर दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड के रूप में चीन भेजा जाता है। चीन ने प्रभावी रूप से अपने दुर्लभ पृथ्वी निष्कर्षण को म्यांमार को आउटसोर्स किया है।

एआई टूल्स कुंद कर रहे रचनात्मकता कोः शोध

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। जेनरेटिव एआई टूल्स, जैसे चैटजीपीटी, लोगों की सोचने और रचनात्मकता की क्षमता को धीरे-धीरे कुंद कर रहे हैं। यह खुलासा हुआ है अमेरिका की मशहूर संस्था मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कोच गंभीर की जमकर प्रशंसा की

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने टीम के कोच गौतम गंभीर की तारीफ करते हुए कहा कि दुबई में चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से उन्होंने लय पकड़ ली है। उन्होंने कहा, 'गंभीर अच्छा कर रहा है। शुरूआत धीमी रही जब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हारे पर चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद उन्होंने लय पकड़ ली। उन्होंने गंभीर के जुनून की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'इस भूमिका में मैने उसे बहुत करीब से नहीं देखा है पर मैने उसका जुनून देखा है। मैने उसकी रणनीतियों को करीब से नहीं देखा क्योंकि उसके कोच रहते मैने उसके साथ काम नहीं किया। गांगुली ने कहा, 'वह सीधी बात करता है और चीजों को साफ देखता है। वह अपने विचार खुलकर रखता है। टीम के बारे में, खिलाड़ियों , लोगों और सबके बारे में। बाहर से आप कह सकते हैं कि वह काफी पारदर्शी इंसान है। उन्होंने अपने खेलने के दिनों को याद करते हुए कहा कि गंभीर हमेशा सीनियर्स का काफी सम्मान करता था। उन्होंने कहा, 'मैने उसके साथ खेला है। उसने हमेशा मुझे और सीनियर खिलाड़ियों को काफी सम्मान दिया। अभी

भी अपने काम को लेकर उसके भीतर काफी जुनून है।

उन्होंने कहा है कि वह भी अवसर मिलने पर भारतीय टीम का कोच बन सकते हैं। इससे पहले कहा जा रहा था कि गांगुली राजनीति में आ सकते हैं और उन्होंने इसको गलत बताया है। गांगुली आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम के निदेशक भी रहे है। गांगुली ने कहा है कि वह क्रिकेट से संन्यास के बाद अलग-अगल भूमिकाओं में रहे हैं जिससे बंगाल क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष से लेकर बीसीसीआई अध्यक्ष तक का उनका सफर रहा है।

टीम नहीं जीती तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का मतलब नहीं : गंभीर

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के दो शतक को लेकर कहा कि अगर टीम जीत नहीं पाती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का कोई मतलब नहीं रह जाता। वहीं जब उनसे इंग्लैंड के हाथों पहले टेस्ट में मिली हार के बीच भी सकारात्मक बातों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सबसे अहम परिणाम होता है जो टीम अपने पक्ष में नहीं ला पायी। वहीं गंभीर से जब ऋषभ के दो शतकों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा ,''तीन और शतक बने थे। ये सब सकारात्मक बातें हैं।'' वहीं मैच के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछने पर गंभीर ने कहा ,''अगर आप कहते कि यशस्वी जायसवाल ने शतक जमाया और शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर पहले ही मैच में शतक लगाया तो मुझे अच्छा लगता। इसके अलावा केएल राहुल ने भी शतक लगाया और ऋषभ ने दो शतक लगाये। एक टेस्ट में पांच शतक बड़ी बात है। यह सवाल बेहतर हो सकता था।'' कोच ने कहा कि अगर टीम हारती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियां काम नहीं आतीं। उन्होंने हालांकि कहा ,''ये सब सकारात्मक पक्ष हैं। जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिये पर अंत में तो टीम हार ही गयी।'' उन्होंने कहा , ''व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छी बात है। हमें शीर्ष छह से बड़ी पारियां चाहिये थी पर अंत में तो हम टेस्ट मैच जीत नहीं सके। अब हमें इससे सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।''

गंभीर बोले अनुभव की कमी के कारण हारी टीम

भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में हार के लिए खराब गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण को जिम्मेदार बताया है। साथ ही कहा कि टीम में अधिकतर खिलाड़ी युवा हैं और अनुभव की कमी से भी टीम को नुकसान हुआ। गंभीर ने कहा, 'तेज गेंदबाजी आक्रमण में अगर हम जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को छोड़ दें तो ज्यादा अनुभव नहीं है। एक गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने चार टेस्ट खेले हैं। एक हर्षित राणा ने दो टेस्ट खेले हैं। एकदिवसीय में इसका प्रभाव नहीं पड़ता पर टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरों पर ये उन्हें समंदर में फेंकने जैसा है। साथ ही कहा कि अगर हम हर टेस्ट के बाद गेंदबाजों की समीक्षा करने लगेंगे, तो हम उन्हें सीखने कैसे देंगे।'

गंभीर ने प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि कृष्णा में टेस्ट मैच का अच्छा गेंदबाज बनने की सभी संभावनाएं हैं। कृष्णा ने मैच में पांच विकेट लिए लेकिन काफी रन भी दिये। वहीं शार्दुल ठाकुर से मैच में केवल 16 ओवर करवाने के सवाल पर गंभीर ने कहा, 'कभी-कभी कप्तान अपने भरोसे के साथ् चलता है। रवींद्र जडेजा ने हमें पहली पारी में वह नियंत्रण दिया, जिसकी जरूरत थी। इससे हम अपने बाकी तेज गेंदबाजों को रोटेट कर पाए।' उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि शार्दुल की खूबी क्या है। इसलिए ही वे टीम में हैं।' गंभीर ने पहले पारी में शुभमन गिल की शानदार बल्लेबाजी की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें कप्तानी के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। गंभीर ने इसके बाद कहा, 'हर हार बुरी होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह युवा टीम है या अनुभवी टीम।

बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने पर फैसला ब्रेक के बाद लिया जाएगा : शुभमन

हेडिंग्ले (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार के बाद एक बार फिर ये सवाल उठा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरा टेस्ट खेलेंगे या नहीं ? बुमराह को लेकर सीरीज के पहले ही कहा गया था कि वह तीन टेस्ट ही खेलेंगे जिससे उनपर अधिक बोझ न पड़े। पहले टेस्ट में बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज असफल रहे थे। ऐसे में बुमराह दूसरा टेस्ट नहीं खेलते तो भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। वहीं जब कप्तान शुभमन गिल से बुमराह के दूसरे मैच में खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'बुमराह की उपलब्धता पर मैच दर मैच फैसला लिया जाएगा। दूसरे टेस्ट मैच के शुरू होने में अभी 7 दिन का समय है। लंबे ब्रेक के बाद जब हम अगले मैच की तरफ जाएंगे तब देखेंगे क्या करना है।' शुभमन ने टीम की हार का कारण कमजोर गेंदबाजी और खराब फील्डिंग को दिया जिसका का पूरा लाभ उठाते हुए मेजबान टीम केबेन डकेट ने शानदार लगा दिया जिससे इंग्लैंड ने 371 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। डकेट ने 170 गेंद में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से 149 रन बनाए जबकि जैक क्रॉली ने 65 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 188 रन बनाकर अपनी टीम को जीत तय कर दी। इसके बाद जो रूट ने 53 और जैमी स्मिथ ने 44 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। पांच मैचों की सीरीज में अब इंग्लैंड 1-0 से आगे है। भारत की ओर से इस मैच में पांच शतक बने पर इसके बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने कई कैच गिराये। बुमराह को दूसरे छोर से गेंदबाजी में सहयोग नहीं मिल पाने से भी भारत की मुश्किलें बढी।

आईसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंचे ऋषभ

भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दो शतक लगाने से लाभ हुआ है। इससे वह एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऋषभ के अभी 801 रेटिंग अंक हैं। यह उनके करियर की सबसे अच्छी रेटिंग है। उन्होंने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। भारतीय टीम कप्तान शुभमन गिल को भी शतक लगाने से लाभ हुआ है और पांच स्थान ऊपर आये हैं। शुभमन ने 147 रन बनाये थे जिससे अब वह 20 वें नंबर पर पहुंच गये हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल ने भी पहले टेस्ट में शतक लगाया था। जिससे वह चौथे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान का लाभ हुआ है। इससे डकेट अब आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। डकेट की 149 रनों की पारी से इंग्लैंड को जीत मिली। डकेट ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था।

छह कैच छोड़ने के बाद भी नाच रहे यशस्वी पर भड़के प्रशंसक

लीड्स (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट में अपने खराब क्षेत्ररक्षण के कारण प्रशंसकों के निशाने पर हैं। इस मैच में यशस्वी ने 6 कैच छोड़े, इसके बाद भी वह मैदान पर डांस कर रहे थे। जिससे भारतीय प्रशंसक भड़क गये क्योंकि इस मैच में भारतीय टीम को बड़े स्कोर के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी पारी में बेन डकेट का कैच छोड़ने के कुछ ही देर बाद यशस्वी के डांस पर प्रशंसक बेहद नाराज दिखे। डकेट ने इस मैच में शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। भारतीय टीम की हार का कारण यशस्वी का कैच छोड़ना रहा। यशस्वी ने दोनों पारियों में कुल मिलकाकर 6 से ज्यादा कैच छोड़े। मैच का उनका एक वीडियो

भी सोशल मीडिया में आया है। उसमें वह डकेट का कैच छोड़ने के कुछ ही देर बाद मुस्कुराते और डांस करते दिख रहे हैं। डकेट जब 97 के स्कोर पर थे तभी कैच गिरने के बाद भी उन्होंने 149 रन की मैच विजेता पारी खेली। वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी। यशस्वी ने भारतीय टीम की ओर से पहली पारी में शतक लगाया था पर खराब क्षेत्ररक्षण से उन्होंने अब बेकार कर दिया। एक भारतीय प्रशंसक ने यशस्वी के वीडियो क्लिप के साथ पोस्ट किया, 'टीम हार रही है और वह डांस कर रहे हैं।

ओकालोहामा सिटी में एनबीए खिताब जीतने के बाद थंडर गार्ड के शाई गिलजियस और एलेकजेंडर ट्रॉफी के साथ निकले। इस दौरान प्रशंसकों की भारी भीड़ जमा थी।

एशिया कप से बाहर हो सकता है पाकिस्तान, प्रोमो में भी नहीं मिली जगह

मुम्बई (ईएमएस)। आगामी एशिया कप में पाकिस्तान के भाग लेने को लेकर संशय बना हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही जिस प्रकार से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाब बढ़ा है। उससे साफ है कि पाक को एशिया कप से बाहर किया जा सकता है। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनो देशों के बीच तनाब बढ़ा है। वहीं अब एशिया कप के आधिकारिक प्रसारक के एक प्रोमो से भी अटकलें लगने लगी हैं कि एशिया कप में पाकिस्तान को शायद ही खेलने को मिले। एशिया कप सितंबर में होना तय है। साल 2026 के टी-20 विश्व कप को देखते हुए यह टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। टूर्नामेंट के प्रसारक ने एशिया कप का एक प्रोमो जारी किया है। इसमें प्रोमो में भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के टी-20 कप्तानों की तस्वीर तो है पर पाकिस्तान के कप्तान की नहीं है। जिससे संदेह और गहराया है। इसके साथ ही ये अनुमान लगाये जा रहे हैं कि पाक को इससे बाहर रखा जा सकता है। प्रोमो में टीम इंडिया के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो और श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका की ही तस्वीरें हैं। एशिया कप में अफगानिस्तान, ओमान, यूएई और हांगकांग की टीमें भी शामिल होंगी।

नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

ओस्ट्रावा (ईएमएस)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य में हुए 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स एथलेटिक्स टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। नीरज ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में अपने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डौव स्मिट 84.12 मीटर भाला फेंककर दूसरे जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे। नीरज की यह सत्र की तीसरी जीत रही। इससे पहले वह पोटचेफ्स्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) में 84.52 मीटर भाला फेंककर और पेरिस डायमंड लीग – में 88.16 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे थे। इस सत्र में नीरज अब तक एक बार ही 90 मीटर के आंकड़े तक पहुंच पाये हैं। डोहा डायमंड लीग में नीरज ने पहली बार 90.23 मीटर भाला फेंककर 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था पर वह जूलियन वेबर 91.06 मीटर से पिछड़ गये। पोलैंड के जानुस कुशोचिंस्की मेमोरियल में नीरज 84.14मीटर भाला फेंककर एक बार फिर वेबर 86.12 मीटर से पिछड गये। अब नीरज बेंगलुरु में अगले माह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट आयोजित कर रहे

हैं। इसमें वह दुनिया भर के शीर्ष स्तर के भाला फेंक खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करेंगे। ये भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक इवेंट होगा। इस इवेंट का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्टस एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और विश्व एथलेटिक्स मिलकर करेंगे। नीरज इस इवेंट के जरिये अपने प्रदर्शन को और निखारना चाहेंगे।

अब विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना चाहते हैं नीरज

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लक्ष्य अब 13 से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीत हासिल करना है। उसी को देखते हुए ही वह अभ्यास कर रहे है। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने कहा है कि उनका प्रयास 90 मीटर थ्रो करने को लेकर है पर इसके लिए वह किसी प्रकार के दबाव में नहीं आना चाहते हैं। नीरज ने पिछले हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर की थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा कि चेक गणराज्य के दिग्गज खिलाड़ी जान ज़ेलेज़नी के कोच बनने से उन्हें लाभ हुआ है। अब उन्हें अपनी कड़ी मेहनत से अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है।

इस भारतीय खिलाड़ी ने ने दोहा में सत्र के शुरूआती डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपने करियर में पहली बार 90 मीटर की दूरी तक भाला फेंका था और वह अपनी प्रगति से बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अपने नये कोच के साथ काम करके वाकई बहुत खुश हूं। तकनीक में थोड़ा और सुधार करने के बाद मैं इस साल पहले ही प्रयास में 90 मीटर फेंक चुका हूं। देखते हैं कि मैं अगली बार कब यह दूरी फिर से हासिल करूंगा पर मैं तैयार हूं। हाल ही में हमने चेक गणराज्य में अच्छा अभ्यास किया। इस खिलाड़ी ने कहा, 'इस सत्र का मुख्य लक्ष्य निश्चित रूप से टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप है।

ऋषभ इस सीरीज के अंत तक तोड़ सकते हैं द्रविड़ का रिकार्ड : मांजरेकर

लीड्स (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से ऋषभ खेल रहे हैं। उससे वह इस सीरीज के अंत तक इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्उ राहुल द्रविड़ के नाम है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की दोनो ही पारियों में शतक लगाये हैं। इससे ऋषभ के इंग्लैंड में टेस्ट शतकों की संख्या 4 हो गई है, जो द्रविड़ 6 शतक से सिर्फ 2 कम है, और मांजरेकर को लगता है कि सीरीज में चार टेस्ट शेष रहने पर वह इंग्लैंड में सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने के लिए पूर्व कप्तान की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे निकल सकते हैं। उन्होंने कहा, ऋषभ इस टेस्ट टीम में विकेटकीपर के रूप में भारत की पहली और आखिरी पसंद हैं। अब अगर आप संख्याओं को देखें तो इंग्लैंड में टेस्ट में भारतीयों द्वारा सबसे अधिक 6 शतक साथ द्रविड़ सबसे आगे हैं। अचानक आपके पास उसी विशिष्ट वर्ग में ऋषभ का नाम है। उन्होंने कहा, आपके पास केएल राहुल हैं और आपके पास ऋषभ हैं। कौन जानता है, जब तक यह सीरी समाप्त होगी, ऋषभ द्रविड़ की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे भी निकल सकते हैं। इस सीरीज में अभी चार टेस्ट मैच होने हैं जो कि ऋषभ के लिए संभावित रूप से 8 पारियां हैं। उन्होंने पहले ही लगभग शानदार शुरुआत कर दी है। ऋषभ दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाकर आउट हो गए। केएल राहुल ने पहली पारी में बल्ले से भी प्रभावशाली रहे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने दूसरी पारी में शतक लगा दिया। ऋषभ और राहुल ने चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े, जो इंग्लैंड में टेस्ट मैच की दूसरी पारी के दौरान चौथे विकेट के लिए भारत की अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है।

डबल्यूटीसी अंक तालिका में पहले नंबर पर पहुंची इंग्लैंड, भारतीय टीम चौथे स्थान पर खिसकी

लीड्स (ईएमएस)। यहां भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली जीत के साथ ही मेजबान इंग्लैंड की टीम विश्व टेस्ट चैम्पियशिप(डबल्यूटीसी) अंक तालिका में पहले नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं पहले मैच में मिली पांच विकेट की हार से भारतीय टीम चौथे नंबर पर खिसक गयी है। डबल्यूटीसी के नए चक्र की शुरुआत गाले में 17 जून से शुरु हुए बांग्लादेश और श्रीलंका टेस्ट से हुई थी पर ये टेस्ट ड्रॉ रहने से दोनों ही टीमों के अंक बराबर हैं। इससे ये टीमें अंक तालिका में दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। पहले टेस्ट में पांच विकेट से जीत से इंग्लैंड को जहां 12 अंक मिले हैं। वहीं भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला। इंग्लैंड की टीम का जीत का प्रतिशत 100.00 है। वहीं दूसरे नंबर पर बांग्लादेश जबकि तीसरे नंबर पर श्रीलंका की टीम है। दोनों टीमों के एक बराबर 4-4 अंक हैं जबकि जीत का प्रतिशत 33.33-33.33 है। भारतीय टीम को अंक तालिका में उपर उठने के लिए अब 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट को हर हाल में जीतना होगा। भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी 2019-21 अंक तालिका में शीर्ष पर रहा था जबकि 2021-23 डब्ल्यूटीसी चक्र में टीम इंडिया दूसरे स्थान पर रही। वहीं डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र में तीसरे स्थान पर रहा.

रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने के मामले में संयुक्त रुप से पहले नंबर पर

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट में दो कैच पकड़ने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। रुट अब टेस्ट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में भारत के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। द्रविड़ के 210 केच थे, वहीं अब रुट के भी इतने ही कैच हो गये हैं। द्रविड़ ने यह आंकड़ा 164 टेस्ट मैचों में हासिल किया था, जबकि जो रूट ने इसे सिर्फ 154 टेस्ट में ही हासिल कर लिया है। गौरतलब है कि द्रविड़ ने साल 1996 से लेकर 2012 तक भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं अब जो रूट ने उनकी बराबरी कर ली है और इस सीरीज में उनके पास द्रविड़ का रिकार्ड तोड़ने का भी अवसर है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने की सूची में तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने हैं। इस श्रीलंकाई ने अपने करियर में 149 टेस्ट मैच खेले और कुल 205 कैच पकड़े। उनकी गिनती भी विश्व क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद फील्डर में होती थी। वहीं चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ हैं, जिन्होंने 117 टेस्ट मैचों में 200 कैच लिए हैं। पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं, जिन्होंने 166 टेस्ट मैचों में 200 कैच लिए थे।

डकेट को प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड, दो शतक के बाद भी खाली हाथ रहे ऋषभ

यहां भारत के खिलाफ हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 149 रन बनाकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया है। इस मैच में पांच शतक लगाने के बाद भी खराब गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के कारण भारतीय टीम को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में डकेट ने अपने जोड़ीदार जैक क्राउली के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 188 रन की बनाये। इंग्लैंड ने इस मैच में जीत के साथ ही पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच की दोनो पारियों में शतक लगाने के बाद भी भारतीय टीम के बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह डकेट को प्लेयर ऑफ द मैच इसलिए दिया गया क्योंकि उन्होंने कठिन हालातों में शतक लगाकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई। इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम दिन जीत के लिए 350 रन चाहिए थे और उसके दोनों ही सलामी बल्लेबाजों बेन डकेट और क्राउली ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाकर जीत की ओर अग्रसर किया। डकेट ने क्राउली के साथ शतकीय साझेदारी कर 76 साल पहले इसी मैदान पर बना सबसे बड़ी साझेदारी का रिकार्ड भी तोड़ दिया। डकेट और क्राउली ने साल 1949 में इसी इसी मैदान पर न्यूजीलैंड के वर्दुन स्कॉट और बर्ट सुटक्लिफ की चौथी पारी में पहले विकेट के लिए बनाये 112 रन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया. डकेट को इसलिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया क्योंकि उन्होंने कठिन हालातों में लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ी पारी खेली। उनकी शानदार पारी से मेजबान टीम को जीत मिली जबकि ऋषभ ने पहली ओर दूसरी पारी ममें 134 और 118 रन बनाए थे लेकिन तब उनपर कोई दबाव नहीं था। भारतीय टीम अगर ये मैच जीतती तो उन्हें ये अवार्ड मिलता।

तिलक ने काउंटी चैम्पियनशिप के अपने पहले ही मैच में लगाया शतक

लंदन (ईएमएस)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में अपने डेब्यू मैच में ही शतक लगाया है। तिलक ने हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए एसेक्स के खिलाफ शतकीय पारी खेली। तिलक ने तीसरे दिन काउंटी में पहला शतक बनाया। वह 241 गेंदों पर 100 रन आउट हुए। तिलक ने अपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाए। वह इसी के साथ ही 2019 में अजिंक्य रहाणे के बाद हैम्पशायर की ओर से शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। तिलक ने दूसरे दिन के बाद कहा, मैं अब रहाणे से कह सकता हूं कि मैंने भी यहां शतक बनाया है।

शिवम ने मुंबई में खरीदा 27 करोड़ के दो अपार्टमेंट

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मुंबई में 27 करोड़ रुपय के दौ अपार्टमेंट खरीदे हैं। आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलने वाले शिवम ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट में ये अपार्टमेंट लिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अपार्टमेंट का कुल क्षेत्रफल 4200 वर्गफुट है। इस बीच 3800 वर्गफुट के कारपेट एरिया वाली एक छत भी है। दोनों अपार्टमेंट में तीन पार्किंग स्पेस हैं। कुल स्टांप ड्यूटी 1.65 करोड़ रुपए और रजिस्ट्रेशन फीस 30,000 रुपए है। पिछले दो सत्र में सीएसके की ओर से अच्छा प्रदर्शन करने के बाद शिवम को मेगा-नीलामी से पहले ही सीएसके ने 12 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। हालांकि टूर्नामेंट के इस सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने 14 मैचों में 32.45 की औसत से 357 रन बनाए जिसमें उनका स्ट्राइक रेट केवल 132.22 रहा, जो 2021 के बाद से आईपीएल सत्र में उनका सबसे कम औसत है। शिवम ने सत्र के दौरान अलग-अलग नम्बर पर बल्लेबाजी की। सीएसके का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे रही। आईपीएल के अलावा दुबे ने भारत के लिए चार वनडे और 35 टी20 मैच खेले हैं।

ISPL में नई दिल्ली फ्रेंचाइजी के मालिक बने सलमान

मुम्बई (ईएमएस)। बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान भी अब इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में टीम मालिक बन गये हैं। सलमान नई फ्रेंचाइजी नई दिल्ली के मालिक होंगे। आईएसपीएल लीग टेनिस गेंद से खेली जाती है और इसमें 10-10 ओवर के मैच होते हैं। आईएसपीएल की कोर कमिटी में सचिन तेंदुलकर, एशियन क्रिकेट काउंसिल के सदस्य आशीष शेलार, मिनाल अमोल काले और सूरज सामत शामिल हैं। इस लीग का दूसरा सत्र काफी सफल रहा था। उसे टीवी पर 2.8 करोड़ से ज्यादा दर्शकों का प्यार मिला था। पहले सत्र के मुकाबले दूसरे सत्र में टीवी व्यूअरशिप में 47 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। अब लीग में दो और फ्रेंचाइजी शामिल हो गयी हैं। नई दिल्ली के बाद दूसरी फ्रेंचाइजी अहमदाबाद की औपचारिक घोषणा भी आने वाले दिनों में हो सकती है। अभी तक इस लीग में अमिताभ बच्चन, सैफ अली खान, करीना कपूर खान, अक्षय कुमार, सूर्या, ऋतिक रोशन और राम चरण ने टीमें खरीदी हैं।

विराट ने पहले ही संन्यास की जानकारी बीसीसीआई को दे दी थी : गांगुली

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने खुलासा किया है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को पहले ही पता थी। गांगुली ने हालांकि कहा कि संन्यास का फैसला पूरी तरह से विराट का था और उनपर किसी प्रकार का दबाव नहीं था। साथ ही कहा कि कोहली ने संन्यास की घोषणा के चार दिन पहले ही बता दिया था कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने विराट को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए भी कहा था पर वे नहीं माने। गांगुली ने बताया कि कोहली ने यह फैसला खुद लिया था। संन्यास को लेकर उन पर किसी तरह का दबाव नहीं था। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की थी। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से अनाचक संन्यास लेने के फैसले ने कई लोगों को हैरान किया था। गांगुली भी उनमें से एक थे। कोहली ने पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। ऐसे में सभी को उम्मीद थी कि वे कुछ और सालों तक टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में गांगुली ने कहा कि हर अच्छी चीज का अंत होता है।

आयुष की भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड यंग लायंस को हराया

लॉफबोरो (ईएमस)। एक ओर जहां शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में बड़े स्कोर के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। वहीं भारतीय अंडर-19 टीम ने लॉफबोरो में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड यंग लायंस को 231 रनों से हरा दिया। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम इस मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में हावी रही। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम ने इस मैच में 50 ओवरों में 9 विकेट पर 444 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। इसे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड यंग लायंस की टीम केवल 213 रन ही बना पायी। भारतीय जूनियर टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज हरवंश पंगालिया के नाबाद शतक 103 रनों की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज के सामने मेजबान टीम के गेंदबाज टिक नहीं पाये। हरवंश के अलावा, राहुल कुमार, कनिष्क चौहान और आरएस अमरीश ने भी अर्धशतक लगाये। इन बल्लेबाजों ने इंग्लैंड यंग लायंस के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

चहल के नाम पर हंसे रोहित, रितिका ने कार्टून बताया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आजकल खेल से दूर हैं क्योंकि अभी कोई सीरीज नहीं चल रही है। टी20 और टेस्ट से वह पहले ही संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में रोहित अपनी पत्नी रितिका सजदेह के साथ पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और गीता बसरा के एक टॉक शो में पहुंचे। इसमें जब हरभजन ने रोहित से कुछ भारतीय क्रिकेटरों के बारे में केवल एक शब्द कहने के लिए कहा तो रोहित ने पूर्व कप्तान कपित देव के लिए फिटनेस, युवराज सिंह के लिए सुपर लेजी, सूर्यकुमार यादव के लिए मेवरिक

एक जुलाई से बदल जाएंगे कई नियम, आपके बजट पर पड़ेगा असर, पैन कार्ड को आधार से लिंक कराना जरुरी, नहीं तो लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। एक जुलाई से आम लोगों के लिए कई बदलाव हो रहे है। रेलवे टिकट बुकिंग, क्रेडिट कार्ड पेमेंट, ऑनलाइन वॉलेट ट्रांजैक्शन और पैन कार्ड जैसे ज़रूरी कामों के नियम बदले जा रहे हैं। ये छोटे-छोटे बदलाव आपके बजट पर बड़ा असर डाल सकते हैं। एक जुलाई से तत्काल टिकट बुक करने का तरीका बदल जाएगा। अब आईआरसीटीसी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप से तत्काल टिकट बुक करते समय यात्रियों को मोबाइल पर एक ओटीपी भेजा जाएगा। जब तक यात्री वह ओटीपी सिस्टम में दर्ज नहीं करेगा, तब तक टिकट कंफर्म नहीं होगा। इस नए प्रोसेस से टिकटों की सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ेगी।

बैंकिंग सेक्टर में खासकर क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में एचडीएफसी बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए कई नए चार्ज लगाए हैं। अगर आप एचडीएफसी कार्ड से ड्रीम11, एमपीएल, रुम्मी कल्चर जैसे गेमिंग ऐप्स पर महीने में 10,000 से ज्यादा खर्च करते हैं, तो आपको 1 फीसदी अतिरिक्त शुल्क देना होगा। यही चार्ज पेटीएम, मोबिक्विक, फ्रीचार्ज जैसे वॉलेट्स में 10,000 से ज्यादा लोड करने पर भी लगेगा। इसके अलावा यूटिलिटी बिल जैसे बिजली, पानी, गैस आदि पर 50,000 से ज्यादा भुगतान होने पर भी 1 फीसदी का अतिरिक्त चार्ज लगेगा। अगर किसी महीने में फ्यूल पर 15,000 से ज्यादा का खर्च करते हैं, तो वहां भी यही शुल्क लागू होगा। आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने ग्राहकों के लिए एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। अब आईसीआईसीआई बैंक ग्राहक अगर किसी अन्य बैंक के एटीएम से महीने में तीन बार से ज्यादा पैसे निकालते हैं, तो प्रत्येक अतिरिक्त फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 23 और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 8.50 चार्ज देना होगा। इससे बैंकिंग से जुड़े खर्चों में बढ़ोतरी होगी। क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर भी एक अहम बदलाव किया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों के मुताबिक एक जुलाई से सभी क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान अब भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के जरिए ही किया जा सकेगा। इससे फोनपे, सीआरईडी, बिलडेस्क जैसे प्लेटफॉर्म पर असर पड़ेगा, क्योंकि अब तक केवल आठ बैंकों ने बीबीपीएस पर यह सुविधा शुरू की है।

इसके अलावा, पैन कार्ड बनवाने के नियम भी बदल गए हैं। अब नया पैन कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड देना जरुरी होगा। अगर आपके पास पहले से पैन और आधार दोनों हैं, तो इन्हें आपस में लिंक कराना भी जरूरी है। इसके लिए 31 दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया है। इसके बाद लिंक न करने पर जुर्माना लग सकता है या आपका पैन कार्ड अमान्य किया जा सकता है। इन सभी बदलावों का मकसद सिस्टम को अधिक पारदर्शी और डिजिटल फ्रेंडली बनाना है, लेकिन इनका असर आम जनता की जेब और आदतों पर पड़ेगा। ऐसे में बेहतर होगा कि आप पहले से इन बदलावों को समझ लें और अपनी योजना उसी के अनुसार बनाएं।

निवेशकों के लिए सेबी ने दी तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। शेयर बाजार में निवेश करने वाले कुछ ऐसे निवेशक भी हैं जो आईपीओ के इंतजार में रहते हैं। ये निवेशक आईपीओ पर दांव लगाकर कमाई करना चाहते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए अब सेबी ने तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दी है। ये कंपनियां- इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार से जुड़ी जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता ग्लोटिस और दवा कंपनी अमांता हेल्थकेयर हैं। सेबी ने बताया कि तीनों कंपनियों ने फरवरी-मार्च में नियामक के समक्ष अपने शुरुआती आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे और उन्हें 16 से 20 जून के बीच निष्कर्ष पत्र मिले। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रस्तावित आईपीओ में 450 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 51 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में लैपटॉप और डेस्कटॉप का सबसे बड़ा रीफर्बिश्ड है। रीफर्बिश्ड के तहत पुराने प्रोडक्ट को सही कर बेचा जाता है। यह कंपनी भारत, अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और यूएई में मौजूदगी का दावा करती है। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। इसी तरह, चेन्नई स्थित ग्लोटिस के आईपीओ में 160 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और 1.45 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है।

अदाणी टोटल गैस व जियो-बीपी की साझेदारी, अब एक ही स्टेशन पर मिलेगा पेट्रोल, डीजल

अदाणी टोटल गैस लिमिटेड और जियो-बीपी (जो कि रिलायंस इंडस्ट्रीज़ और ब्रिटिश कंपनी बीपी की साझेदारी है) ने भारत में ईंधन खरीदने का अनुभव पूरी तरह बदलने के लिए एक रणनीतिक समझौता किया है। अदाणी टोटल ने इसकी जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को दी है। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां अपने-अपने ईंधन स्टेशन और टेक्नोलॉजी को आपस में साझा करेंगी ताकि ग्राहकों को ज्यादा विकल्प, बेहतर ईंधन और सुविधाजनक सेवा मिल सके।

एटीजीएल 6के पेट्रोल पंपों पर मिलेगा जियो-बीपी का पेट्रोल-डीजल

अब कुछ चुने हुए अदाणी टोटल गैस के फ्यूल स्टेशन पर जियो-बीपी का हाई परफॉर्मेंस पेट्रोल और डीजल बेचा जाएगा। यानी ग्राहक एक ही स्टेशन पर दोनों कंपनियों की सर्विस का फायदा उठा सकेंगे। वहीं दूसरी ओर, अदाणी टोटल गैस अपनी सीएनजी सर्विस को जियो-बीपी के कुछ चुनिंदा आउटलेट्स पर शुरू करेगा, खासतौर पर उन्हीं इलाकों में जहां पर एटीजीएल को काम करने की अधिकृत मंजूरी है। इससे सीएनजी की उपलब्धता और आसान हो जाएगी।

दोनों कंपनियों की ताकत होगी एकजुट

एटीजीएल जो अदाणी ग्रुप और फ्रांस की टोटल एनर्जी की साझेदारी वाली कंपनी है, देश के शहरों में गैस सप्लाई का एक बड़ा नाम है। यह कंपनी घरेलू, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल ग्राहकों को पाइप से गैस देती है और करीब 650 सीएनजी स्टेशन चला रही है। इसके साथ ही यह इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग, बायोगैस और एलएनजी (जैसी सेवाएं भी देती है। वहीं, जियो-बीपी पूरे भारत में लगभग 2,000 फ्यूल स्टेशन चलाता है। यह कंपनी पेट्रोल-डीजल के साथ ही कम कार्बन वाले और पर्यावरण के अनुकूल ईंधनों पर भी ध्यान दे रही है।

27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वीआरआरआर की नीलामी करेगा आरबीआई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार यानी 27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) की नीलामी करेगी। इसका उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी को बाहर निकालना है। मौजूदा समय में वेटेड एवरेज कॉल रेट पॉलिसी रीपो रेट से नीचे है, जो नकदी अधिशेष का संकेत देता है। आरबीआई ने कहा कि वर्तमान और संभावित तरलता स्थितियों की समीक्षा के बाद यह फैसला किया गया है कि 27 जून को वीआरआरआर नीलामी की जाएगी। इसके साथ ही आरबीआई ने साफ किया कि 27 जून को 14 दिनों की मुख्य रिवर्स रीपो नीलामी नहीं की जाएगी। यह फैसला आने वाले पखवाड़े की नकदी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया है। पिछले दो हफ्तों में बैंकिंग सिस्टम में औसतन 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त नकदी रखी है, जिसे आरबीआई हर दिन अलग-अलग माध्यमों से सिस्टम से बाहर करता रहा है।

आरबीआई के लिक्विडिटी फ्रेमवर्क के मुताबिक अगर किसी ऑपरेशन की अवधि 14 दिन या उससे ज्यादा होती है, तो उसे मुख्य ऑपरेशन कहा जाता है। वहीं 14 दिन से कम अवधि वाले ऑपरेशन को फाइन ट्यूनिंग ऑपरेशन माना जाता है। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की ओर से वेरिएबल रिवर्स रीपो रेट नीलामी कराना उम्मीद के मुताबिक ही था। ऐसा इसलिए किया क्योंकि टैक्स भुगतान के बावजूद बैंकिंग सिस्टम में लगातार तरलता बनी है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में नकदी की स्थिति सोमवार को 2.43 लाख करोड़ सरप्लस में थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि वेटेड एवरेज ओवरनाइट कॉल रेट अभी भी रीपो रेट से काफी नीचे है। अगर सरकार अगले महीने की शुरुआत में खर्च बढ़ाती है तो यह दर और भी नीचे जा सकती है। एक सरकारी बैंक के मनी मार्केट डीलर ने बताया कि ओवरनाइट रेट को रीपो रेट के करीब लाने के लिए वीआरआरआर नीलामी की उम्मीद पहले से थी। भले ही जीएसटी और एडवांस टैक्स भुगतान के चलते करीब 2.5 लाख करोड़ की निकासी हुई है, लेकिन सिस्टम में नकदी अब भी भरपूर है। मंगलवार को वेटेड एवरेज कॉल रेट 5.27 फीसदी पर आकर रुकी, जबकि रीपो रेट इस समय 5.50 फीसदी है।

जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली (ईएमएस)। एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई डेटा के अनुसार, जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। कंपनियों ने कुल नए व्यवसाय के तेजी से बढ़ने और निर्यात ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि के जवाब में उत्पादन बढ़ाया। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में मासिक आधार पर परिवर्तन को मापता है। इंडेक्स जून में 61.0 के साथ 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। मई में 59.3 से बढ़कर, लेटेस्ट रीडिंग विस्तार की तेज दर के अनुरूप थी, जो लंबी अवधि की सीरीज के औसत से काफी ऊपर थी। निर्माताओं ने व्यावसायिक गतिविधि में उछाल का नेतृत्व किया, हालांकि सेवा अर्थव्यवस्था में भी विकास ने गति पकड़ी। वृद्धि की दरें क्रमशः दो और दस महीने के उच्चतम स्तर पर थीं। पेंडिंग वर्कलोड के लगातार बढ़ने के साथ, फर्म भर्ती मोड में रही। इस बीच, एचएसबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में दस महीनों में सबसे धीमी गति से वृद्धि होने के कारण मुद्रास्फीति में नरमी आई। पैनलिस्टों के अनुसार, अनुकूल मांग प्रवृत्तियों, दक्षता लाभ और तकनीकी निवेश से उत्पादन में वृद्धि हुई। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई मई में 57.6 से बढ़कर जून में 58.4 हो गया, जो अप्रैल 2024 के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे बेहतर सुधार का संकेत देता है।

अगले साल फरवरी से शुरू होगा घरेलू आय सर्वेक्षण ग्रामीण-शहरी परिवारों की औसत आय का होगा आकलन

ईरान-इजरायल सीजफायर के बाद रुपया उछला, कारोबारी सत्र में बनाई बढ़त

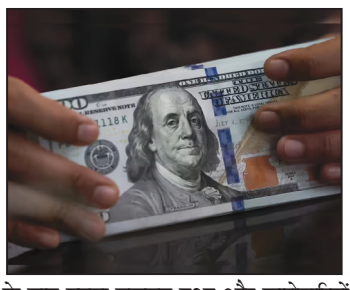

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ईरान-इजराइल के बीच संघर्ष विराम की घोषणा का असर रुपए पर हुआ उसने जमकर फायदा उठाया। मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल का भाव नीचे आने और संघर्ष विराम की घोषणा के बाद डॉलर कमजोर होने से रुपया पिछले एक महीने में एक कारोबारी सत्र में सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मुकाबले मजबूत होकर 85.97 पर पहुंच गया। सोमवार को रुपया 86.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मंगलवार को कारोबार के दौरान रुपया 0.91 फीसदी सुधर गया, जो चालू कैलेंडर वर्ष में किसी एक कारोबारी सत्र में इसकी दूसरी सबसे बड़ी बढ़त है। इससे पहले 23 मई को रुपया 0.93 फीसदी उछला था। एक निजी बैंक में ट्रेजरी प्रमुख ने कहा कि कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से फिसलने और डॉलर सूचकांक नीचे आने के बाद रुपए पर दबाव नहीं रहा। उन्होंने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के बाद रुपया मजबूत हुआ और कारोबारियों की इसमें दिलचस्पी बढ़ी। इस बीच ईरान-इजराइल के बीच संघर्ष विराम की अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद घरेलू शेयर सूचकांक कारोबार के दौरान 1.3 फीसदी से ज्यादा उछला लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रही क्योंकि संघर्ष विराम की घोषणा के तुरंत बाद इजराइल ने ईरान पर इसका उल्लंघन करने का आरोप लगा दिया।

सेंसेक्स 83,018 का स्तर छूने के बाद कुल 158 अंक बढ़त के साथ 82,055 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 72 अंक की तेजी दर्ज कर 25,044 पर बंद हुआ। निफ्टी कारोबार में 25,318 के स्तर पर पहुंच गया था, जो करीब नौ महीने में इसका सर्वोच्च स्तर था। चालू वित्त वर्ष में डॉलर की तुलना में रुपया 0.5 फीसदी मजबूत हुआ, लेकिन मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अब तक 0.4 फीसदी फिसला है। मंगलवार को कच्चे तेल का भाव 15 फीसदी से टूट कर 69 डॉलर प्रति बैरल रह गया। दूसरी तरफ डॉलर सूचकांक भी 0.2 फीसदी लुढ़क कर 98 पर आ गया।

डॉलर सूचकांक दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती का आकलन करता है।

कारोबारियों का कहना है कि आगामी कारोबारी सत्रों में रुपया मजबूत रह सकता है लेकिन 85.80 के स्तर पर इसके लिए मजबूत प्रतिरोध दिख सकता है। मेकलाई फाइनैंशियल सर्विसेस में उपाध्यक्ष ऋतेश भंसाली ने कहा कि रुपया-डॉलर की जोड़ी के लिए 86.70 के स्तर के करीब प्रतिरोध दिख रहा है। अगर यह इस स्तर के पार पहुंच गया तो फिर 87.20 तक पहुंच सकता है, लेकिन इससे ऊपर नहीं जाने और 85.80 के स्तर से नीचे आई तो रुख बदल सकता है। फिलहाल देश में यह भंडार 699 अरब डॉलर है जो सितंबर 2024 में दर्ज सर्वकालिक स्तर 705 अरब डॉलर से कम है।

दैनिक पंचांग

26 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.48 बजे से
चंद्र	मिथुन में	सिंह	09.04 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.16 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.42 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.58 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.03 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.49 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.22 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मेष	00.53 बजे से
		वृष	02.33 बजे से
		मिथुन	04.31 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 177 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 08.47 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 23.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 21' **सूर्य** उत्तरायण **कलि अहर्गण** 1872387 **जूलियन दिन** 2460852.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्यारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 29 **विशेष** चंद्र दर्शन, गुप्त नवरात्रि प्रारंभ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7328

बाएँ से दाएँ

1. [illegible]-2
2. [illegible]-2
3. [illegible]-2
5. [illegible]-2
6. [illegible]-2
10. [illegible]-2
12. [illegible]-3
14. [illegible]-3
17. [illegible]-3
19. [illegible]-3
21. [illegible]-2
23. [illegible]-4
25. [illegible] का [illegible]: [illegible]-2
26. [illegible]-2
28. [illegible]-4
30. [illegible]-3
32. [illegible]-2
33. [illegible]-3
37. [illegible]-3
38. [illegible]-2
40. [illegible] का [illegible]-3
41. [illegible]

ऊपर से नीचे

1. [illegible]-3
2. [illegible]-3
4. [illegible]-2
5. [illegible]-3
7. [illegible]-2
9. [illegible]-3
11. [illegible]-3
13. [illegible]-2
15. [illegible]-4
16. [illegible] के बाद का [illegible]-3
18. [illegible]-3
20. [illegible]-4
22. [illegible]-3
24. [illegible]-5
27. [illegible]-3
29. [illegible]-4
31. [illegible]-3
33. [illegible] जो [illegible]: [illegible] [illegible] [illegible] के साथ [illegible]-4
34. [illegible]-2
36. [illegible]-2
39. [illegible]-2

शब्द पहेली - 7327 का हल

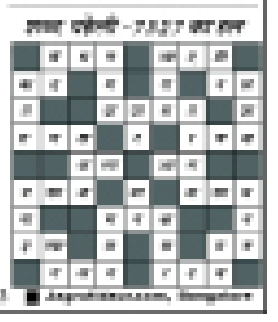

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6869

	8	9	36	17	15		17	26	
24	3		6		3		2		9
27		4		2				7	15
			3		2		3		27
15		6				7		5	17
21	7		5				2		14
35		5		7		6			
7	2				4		8		30
13		8		4		6		7	26
	24	26		21	8	42	16	15	

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6868 का हल

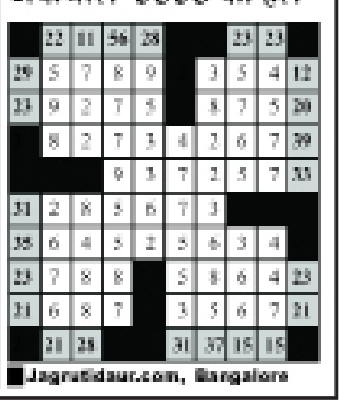

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5813

7			3	6		2
	35		30	1	32	
4	1	5			7	3
	26	2	34	4	31	
2		7			6	
	29	4	40	5	34	6
5		3			2	

प्रत्येक खेत सुडोकू व योग की पद्धति का मिश्रण है. खाली व भाड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. पहले बने वर्ग में सिर्फ संख्या चार और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा भाड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5812 का हल

5	6	7	1	2	3	4
2	39	1	29	6	26	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

गणित पहेली - 5173

99		99		99		49	=	50
	■		■		■		■	
50		40		5		25	=	25
	■		■		■		■	
20		4		45		20	=	30
	■		■		■		■	
30		3		50		10	=	50
=	■	=	■	=	■	=	■	=
39		58		9		34	=	5/72

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5172

20	+	30	-	40	+	50	=	60
+	■	-	■	x	■	-	■	+
40	-	30	+	40	-	50	=	0
-	■	+	■	÷	■	+	■	+
50	÷	2	-	20	x	10	=	50
x	■	+	■	-	■	+	■	-
2	x	45	-	70	+	40	=	60
=	■	=	■	=	■	=	■	=
20	+	47	-	10	-	50	=	50/7

शब्दजाल - 6860

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द छिपे जिनके नीचे "जल" शब्द लगा है. शब्द ऊपर से नीचे एवं बिल्कुल से सकते हैं.

अंकशास्त्र, किताबघर, [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible].

शब्दजाल - 6859 का हल

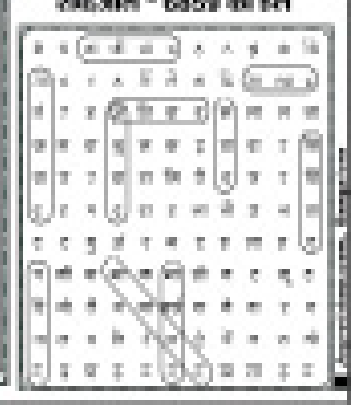

आज का इतिहास

1960 ब्रिटिश सोमाली लैंड स्वतंत्र हुआ.

1970 अलेक्जेंडर डुबचेक चेकोस्लोवाक कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिए गए.

1976 इंडोनेशिया के इंडियन जावा में भूकंप से हजारों लोग मारे गए.

1980 बंगाल की खाड़ी में तेल मिला.

1982 एयर इंडिया का पहला बोइंग गौरीशंकर दुर्घटनाग्रस्त हुआ.

1989 सोवियत संघ को परमाणु चालित पनडुब्बी नार्वे के पास समुद्र में बेकार हो गई.

1990 हंगरी की संसद ने वारसा संधि से अलग होने के लिए सरकार को बातचीत करने का निर्देश दिया.

1995 मिस्र के राष्ट्रपति हुस्नी मुबारक अदिस अबाबा में हमले से बाल-बाल बचे.

1996 अफगानिस्तान में छापामार नेता गुलबुद्दीन हिकमतयार प्रधानमंत्री बने.

संक्षिप्त खबरें

टाटा जूलॉजिकल पार्क में बीमार भालू की मौत

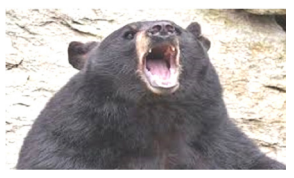

जमशेदपुरः जमशेदपुर टाटा जूलॉजिकल पार्क में एक सप्ताह से बीमार चल रहे भालू की मौत हो गई। भालू के इलाज के लिए चिकित्सकों की निगरानी में लगातार प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन मंगलवार की देर रात उसकी मौत हो गई। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। टाटा जू में रखे गए भालू की तबीयत पिछले एक सप्ताह से खराब चल रही थी। इसके बाद उसे चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया था। लगातार इलाज के बावजूद भालू ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही जिले के पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुधाकर मुंडा और क्षेत्रीय वन पदाधिकारी (डीएफओ) सबा आलम अंसारी टाटा जू पहुंचे। इसके बाद भालू का पोस्टमार्टम पशु चिकित्सकों की टीम ने किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि भालू की मौत किसी बीमारी, संक्रमण, उम्र या अन्य किसी कारण से हुई है। इस संबंध में डीएफओ सबा आलम अंसारी ने कहा कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। रिपोर्ट से पहले कोई भी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी।

विधायक सविता महतो नें पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुधीर महतो के आदमकद मुर्ती का अनावरण किया

जमशेदपुरः ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के तुता पंचायत के झाड़ूआ मोड़ पर बुधवार को झारखंड के अग्रणी नेता पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुधीर महतो के 69 वीं जयंती के अवसर पर उनके आदमकद मुर्ती का अनावरण विधायक सह उनके धर्मपत्नी सविता महतो नें विधिवत रुप से फीता काट व दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सविता महतो नें कहा कि उनके दिवंगत पति सुधीर महतो के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए ईचागढ़ वासियो ने जो प्यार दिया है उसे भूलाना नामुमकिन है। उन्होंने कहा मैं हर वक्त ईचागढ़ के जनता के लिए खड़ी हूँ। उन्होंने कहा ईचागढ़ के जनता का काफी पुराना मांग था कि ईचागढ़ में दिवंगत नेता सुधीर महतो के मुर्ती लगे जिसे आज जनता के प्यार से पूरा किया गया। उन्होंने दो बार आशीर्वाद देने के लिए ईचागढ़ के जनता का आभार जताया। साथ ही उन्होंने कहा कि ईचागढ़ के जनता का काफी पुराना मांग था कि ईचागढ़ में एक डिग्री कॉलेज का भी स्थापना हो जिसका प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है । जल्द ही डिग्री कॉलेज का निर्माण भी शुरू होगा जिससे क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को ऊंची शिक्षा मिल पाएगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुधीर महतो के आदमकद मूर्ति स्थापना के लिए झाड़ूआ मोड़ पर जमीन दान देने वाले राजेंद्र नाथ गोप को विधायक सविता महतो व उनके पुत्री स्नेहा महतो नें सोल उढ़ाकर सम्मानित किया। सविता महतो नें कहा उनके दिवंगत पति सुधीर महतो के प्रति लोगों का प्यार आज भी उतना ही है। उन्होंने जमीन दाता के परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

आपातकाल में अनैतिक शक्तियों के विरुद्ध लड़ने वालों की याद में 50 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

जमशेदपुरः 25 जून 1975 को भारत के इतिहास में काला दिन के रूप में याद करते हैं। आनंद मार्ग रक्तदान शिविर में आपातकाल में अनैतिक शक्तियों के विरुद्ध लड़ने वाले दधीचियों के याद में 50 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान । आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल कि ओर से 125 वा मासिक रक्त दान शिविर में ईश्वर कोटि के मनुष्यों ने 50 यूनिट रक्तदान किया एवं 100 पौधा वितरण किया गया । वहीं सुनील आनंद का कहना है कि जितने भी रक्तदाता निस्वार्थ भाव से रक्तदान करते हैं वह सभी लोग ईश्वर कोटि के मनुष्य है कारण इस रक्तदान करने में रक्तदाता का किसी प्रकार का कोई भी स्वार्थ नहीं रहता परम पुरुष के छोटे-छोटे बच्चों के कष्ट निदान के लिए रक्तदान करते हैं इसलिए इस तरह के मनुष्य को ईश्वर कोटि के मनुष्य कहा गया है। रक्त दाताओं के बीच ज्ञानरंजन श्रीवास्तव टाटा वर्कर्स यूनियन कमिटी मेंबर टेक्नोलॉजी सर्विसेज, ट्यूब डिवीजन द्वारा पौधा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जोगेश कुमार, समीर सरकार,सुनील आनंद सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

जमशेदपुरः मोहर्रम के अवसर पर सीतारामडेरा थाना शांति समिति की बैठक भालूबासा स्थित अब्दुल कलाम मेमोरियल हाल में आयोजित किया गया । इस बैठक में मुख्य रूप से अखाड़ा के रूट, रूट डायवर्जन, पुलिस बल की तैनाती, क्षेत्र की साफ सफाई, लाइट की व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण ढंग से मोहर्रम का जुलूस निकले , इस पर चर्चा किया गया । इस बैठक में मुख्य रूप से थाना प्रभारी विनय मंडल , मोहर्रम के लाइसेंसी मोहम्मद इलियास, जसपाल सिंह, शंभू मुखी सहित अन्य उपस्थित थे।

झारखंड में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए कृषि मंत्री की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक

सभी जिलों में फीड मिल निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश

संवाददाता रांचीः झारखंड में नीली क्रांति का सपना साकार करने की दिशा में मत्स्य विभाग वृहद कार्य योजना के साथ मैदान में उतरने जा रही है। राज्य में मत्स्य बीज और फीड को लेकर राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की लंबी लकीर खींचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जहां मत्स्य पालन को लेकर राज्य के तालाबों का निर्णोद्धार करने की योजना है, वहीं राज्य के हर एक जिले में मत्स्य विभाग फीड मिल की स्थापना का प्रस्ताव तैयार करेगा। रांची के पशुपालन भवन में मत्स्य विभाग की आहुत महत्वपूर्ण बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने ये दिशा निर्देश दिया है। मत्स्य विभाग की बैठक में निदेशालय के अधिकारी से लेकर राज्य भर के जिला मत्स्य पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। समीक्षा बैठक में सबसे ज्यादा जोर मत्स्य बीज को बढ़ावा देने पर रहा। इसके लिए हर एक जिला में वर्तमान मत्स्य बीज उत्पादन की समीक्षा की गई। इस समीक्षा में जहां कई जिलों का प्रदर्शन बेहतर रहा, वहीं कई जिलों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने का निर्देश दिया गया है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने समीक्षा बैठक के दौरान मिट्टी और गाद से भरे तालाबों की सूची जिला स्तर पर तैयार करने का निर्देश दिया। ऐसे तमाम तालाब का जीर्णोद्धार विभाग के स्तर पर किया जाएगा। अनुपूरक बजट में इसके लिए राशि का प्रावधान करने की तैयारी है। इतना ही नहीं सरकारी फिश फॉर्म के तालाबों की वर्तमान स्थिति और उसके विकास को लेकर भविष्य की योजना तैयार करने को भी कहा गया है। समीक्षा बैठक के क्रम में राज्य के 6 फीड मिल की भी समीक्षा की गई। फीड मिल की उत्पादन क्षमता और वर्तमान में उत्पादन का विस्तृत ब्यौरा रखा गया। इसके बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य में मत्स्य फीड की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी जिलों में फीड मिल स्थापना का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। इतना ही नहीं पहले से संचालित फीड मिल को अपग्रेड करने के लिए एक कमिटी का गठन करने को कहा गया है। ये कमिटी फीड मिल को अपग्रेड करने से संबंधित प्रस्ताव को तैयार कर विभाग को सौंपेगी। राज्य के फीड मिल में तैयार हो रहे फीड की जांच हर तीन माह में कराने का निर्देश भी मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिया है। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निदेशालय के बजाय जिला भ्रमण पर जाने को कहा है। प्रमंडल स्तरीय प्रभारी हर महीने 2 से 3 जिलों का भ्रमण करेंगे। जिला भ्रमण से संबंधित रिपोर्ट को संबंधित वरीय अधिकारी को अग्रसारित की जाएगी। अधिकारियों को कलस्टर बना कर काम करने की सलाह दी गई है।

इसके साथ स्पष्ट तौर पर निर्देश दिया गया है कि अधिकारी विभाग की योजनाओं की चर्चा स्थानीय विधायक और मुखिया से जरूर करेंगे। जन प्रतिनिधियों से योजना से संबंधित सहयोग और उनकी सलाह को प्राथमिकता में रखना है। इसके साथ ही योजना का लाभ हर बार किसी एक लाभुक के बजाय नये लाभुकों को देने का निर्देश गया है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस मौके पर दो टूक शब्दों में कहा कि ऐसा काम करें की लोग आपका नाम लें और आपके काम को हमेशा याद करें। बैठक में मत्स्य निदेशक एच एन द्विवेदी, विशेष सचिव प्रदीप हजारी, विभाग के उप निदेशक, प्रमंडलीय प्रभारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जल जीवन मिशन की सफलता में सभी डीसी लीडरशिप दें : मुख्य सचिव

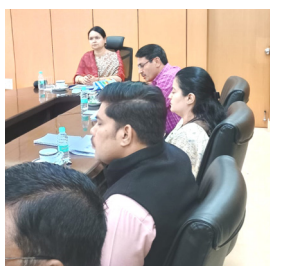

रांचीः हर घर नल से जल को लेकर चल रहे जल जीवन मिशन की झारखंड में वर्तमान स्थिति को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार को समीक्षा की गयी। इस दौरान मिशन के आड़े आ रही समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश की गई। वर्चुवल माध्यम से जुड़े तमाम जिले के उपायुक्तों को मुख्य सचिव ने मिशन के सुचारू क्रियान्वयन में लीडरशिप देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मिशन के कार्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाएं। इसकी नियमित समीक्षा करें। इलाके के मुखिया के साथ नियमित अंतराल पर बैठक करें। इससे इलाके की अच्छी जमीनी जानकारी मिलेगी। इस फीडबैक का उचित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अधूरा कार्य और पूरा भुगतान का मामला सामने आने पर उसे गंभीरता से लें। उसकी जांच कराएं और समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे जब भी किसी काम से फील्ड में जाएं, तो वहां के जल जीवन मिशन के कार्यों को जरूर देखें। उसका आकलन करें और जरूरत पड़ने पर मौके पर ही समस्या का समाधान करें। जल जीवन मिशन की सफलता के लिए सभी उपायुक्तों को दो कमिटेड इंजीनियर दिये जा रहे हैं। वे उपायुक्तों के अधीन कार्य करेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि उनका टेक्निकल सेल बना कर पूरा काम लें। रोज उन्हें काम सौंपे और उसकी रिपोर्ट लें। मुख्य सचिव ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्यकारी एजेंसी को पांच साल तक रख-रखाव की जिम्मेदारी तय है। इस कारण छोटी-मोटी समस्या के समाधान में देरी नहीं होनी चाहिये। जो एजेंसी इसमें विफल रहती है, उसके खिलाफ प्रस्ताव दें, उसका निराकरण मुख्यालय स्तर से यथाशीघ्र होगा। वहीं निर्देश दिया कि प्रशासनिक स्तर की बाधा को उपायुक्त प्राथमिकता के स्तर पर अपनी लीडरशिप में दूर कराएं। इसके अलावा उपायुक्तों को जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को पूरा कराने, पूरी हो चुकी योजना को ग्राम समिति को सुपुर्द करने का निर्देश दिया।

आपातकाल के 50 वर्ष

रघुवर दास ने कांग्रेस पर बोला तीखा हमला

जमशेदपुरः आपातकाल की 50वीं बरसी पर भारतीय जनता पार्टी देशभर में जनजागरण अभियान चला रही है. इसी क्रम में बुधवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर द्वारा साकची स्थित जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान 25 जून 1975 को लागू आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला दिन करार देते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने सत्ता के मोह में संविधान की धज्जियां उड़ाईं और देश को एक रात में जेलखाना बना दिया. यह कांग्रेस का वह चेहरा है जो लोकतंत्र को कुचलने से भी पीछे नहीं हटता। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 जून 1975 को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी और चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहरा दिया, तब उन्होंने कुर्सी बचाने के लिए आपातकाल लागू किया. बिना कैबिनेट की अनुमति के राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से हस्ताक्षर करवाकर संविधान का दुरुपयोग किया गया. जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, चंद्रशेखर जैसे तमाम विपक्षी नेताओं को रातों-रात जेल भेज दिया गया. प्रेस की स्वतंत्रता छीनी गई, न्यायपालिका पर दबाव डाला गया और जनता के मौलिक अधिकारों का गला घोंट दिया गया. रघुवर दास ने आपातकाल के दौरान अपने अनुभव भी साझा किए।

दक्षिण-पश्चिमी जिलों में आज भारी बारिश की आशंका

रांचीः झारखंड के दक्षिण पश्चिमी जिलों में 26 जून को भारी बारिश होने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग के अनुसार जिन जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है उनमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पलामू, गढवा, चतरा और लातेहार शामिल है। इसके अलावा 28 जून तक गर्जन और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक बारिश 60.4 मिमी जमशेदपुर में रिकॉर्ड की गई। वहीं बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.4, जमशेदपुर में 32.4, डालटेनगंज में 34.6, बोकारो में 33.1 और चाईबासा में तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

झारखंड के वनों की मौसमी निगरानी को मिलेगी तकनीकी धार

बीआईटी मेसरा, इसरो और राज्य वन विभाग के बीच हुआ त्रिपक्षीय समझौता

संवाददाता रांचीः झारखंड में अब वनों की मौसमी निगरानी उपग्रह और फेनोकैम तकनीक के माध्यम से वैज्ञानिक तरीके से की जा सकेगी. इसके लिए मंगलवार को बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा, नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद और झारखंड वन विभाग के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए. इस समझौते के अंतर्गत एक साझा शोध परियोजना की शुरुआत की जाएगी, जिसका उद्देश्य है फेनोलॉजिकल मॉनिटरिंग यानी वनस्पतियों में मौसमी बदलावों की सटीक पहचान और अध्ययन करना।

फेनोलॉजी निगरानी से वनों के स्वास्थ्य पर वैज्ञानिक दृष्टिकोणः इस परियोजना के अंतर्गत झारखंड के वनों में फेनोकैम आधारित फेनोलॉजी मॉनिटरिंग प्रोग्राम शुरू किया जाएगा. इसमें सेटेलाइट रिमोट सेंसिंग डाटा और ग्राउंड-बेस्ड फेनोकैम टेक्नोलॉजी का समन्वित उपयोग किया जाएगा. इस तकनीक की मदद से जंगलों में पत्तों के उगने, फूलों के खिलने और झड़ने जैसे मौसमी बदलावों को सटीक रूप से कैप्चर किया जा सकेगा, जिससे वनों की मौसमी स्थिति और स्वास्थ्य की निगरानी वैज्ञानिक आधार पर संभव हो सकेगी।

इसरो वैज्ञानिकों ने बताया परियोजना का महत्व

इस मौके पर डॉ. नीरज विप्रेशी, वैज्ञानिक (एनआरएससी, कोलकाता) ने इस परियोजना का तकनीकी खाका प्रस्तुत किया. उन्होंने बताया कि उपग्रह डाटा और फेनोकैम की मदद से मौसमी बदलावों की सतत निगरानी और विश्लेषण संभव होगा, जो जलवायु विज्ञान और वन प्रबंधन दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

फेनोकैम क्या है और यह कैसे काम करता हैः फेनोकैम एक स्थायी डिजिटल कैमरा प्रणाली है, जिसे जंगलों में स्थापित किया जाता है. यह नियमित अंतराल पर पेड़-पौधों की तस्वीरें लेता है, जो मौसमी बदलावों को रिकॉर्ड करने में अत्यंत उपयोगी है. जब इन तस्वीरों को सेटेलाइट डाटा के साथ जोड़ा जाता है तो यह जलवायु परिवर्तन के प्रारंभिक संकेतों को पहचानने, वनों के स्वास्थ्य का विश्लेषण करने और उपग्रह आंकड़ों का जमीनी सत्यापन करने में भी मददगार होता है।

बीआईटी मेसरा परिसर में हुआ आयोजनः समझौता हस्ताक्षर समारोह का आयोजन बीआईटी मेसरा के परिसर में हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. वी. एस. राठौड़ (विभागाध्यक्ष, रिमोट सेंसिंग और जियोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग) द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई. उन्होंने कहा कि यह साझेदारी पर्यावरणीय शोध को नई दिशा देने वाली साबित होगी और शैक्षणिक संस्थानों तथा सरकारी एजेंसियों के बीच सहयोग की मिसाल पेश करेगी।

श्री श्री विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा नाटक मंचन

राँचीः "अब और नहीं... अब से नशा को दृढ़ स्वर में 'ना' !" नशा की दिशा से मुँह मोड़कर जीवन की ओर बढ़ने का आह्वान। ओडिशा के कटक स्थित श्री श्री आयुर्वेद महाविद्यालय द्वारा यह संदेश दिया गया । एक संगठित कार्यशाला में श्री श्री आयुर्वेद महाविद्यालय के 'स्वस्थवृत्त' और 'अगदतंत्र' विभागों के संयुक्त तत्वावधान में नशा सेवन और उसके दुष्परिणामों को जड़ स्तर तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। इसमें सामूहिक रूप से यह मत व्यक्त किया गया कि जब युवा पीढ़ी जागरूक होगी, तभी हमारा समाज नशामुक्त हो सकेगा। यदि यह असंभव लगे भी, तो भी युवा समाज अगर जुट जाए, तो यह संभव है, ऐसा इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री श्री विश्वविद्यालय के कार्मिक निर्देशक स्वामी सत्यचैतन्य ने किया। भुवनेश्वर के एनसीबी अधीक्षक समीरण पल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और कहा कि समाज को नशामुक्त करना हमारा ध्येय होना चाहिए।

सम्माननीय अतिथि एवं कटक स्थित अवकारी अधीक्षक करुणा शंकर तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि युवाओं की भूमिका नकारने योग्य नहीं है। नशा निवारण केवल एक दिन की बात नहीं है, बल्कि यह पूरे वर्ष हमारे मन और कार्यों में झलकना चाहिए, ऐसा आह्वान उप अधीक्षिका अरूपा पाणिग्राही ने किया।

गढ़वा सदर अस्पताल के डॉक्टर की पत्नी ने कर ली आत्महत्या

गढ़वाः बुधवार को गढ़वा सदर अस्पताल में एक डॉक्टर की पत्नी ने आत्महत्या कर ली. घटना अस्पताल परिसर स्थित डॉक्टर के आवास पर घटी. इससे पूरे अस्पताल में सनसनी फैल गई. घटना के वक्त महिला के पति अपनी ड्यूटी में व्यस्त थे और ओपीडी में मरीजों को देख रहे थे. घटना के कारणों का स्पष्ट रूप से खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है. अस्पताल कर्मियों और परिजनों में मातम का माहौल है।

समक्ष लेख्य प्रमाणक, रांची

शपथ पत्र

मैं, सुरेश बेदिया, पिता- भागीरथ बेदिया, निवासी पता- हाउस नं0-23, हलमाद मेन रोड, नियर हरि मंदिर, ग्राम- हरिडीह, आमटोला, हाकेदाग, थाना- सिल्ली, जिला- रांची (झारखण्ड), पिन कोड-835101, शपथ पूर्वक निम्न ब्यान करता हूं जो सत्य एवं सही हैः-

1. यह कि, मैं भारतीय नागरिक एवं उक्त पते का निवासी हूं।
2. यह कि, मेरा वास्तविक नाम सुरेश बेदिया है जो मेरे आधार कार्ड सं0-4863 4193 3781 में दर्ज है।
3. यह कि, नया आधार कार्ड में मेरा नाम लखीराम बेदिया दर्ज हो गया है, जो गलत है।
4. यह कि, सुरेश बेदिया एवं लखीराम बेदिया दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है जो मैं ही हूं।
5. यह कि, कि बी0ए0 के शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरा सही नाम सुरेश बेदिया दर्ज है।
6. यह कि, मैं भविष्य में सुरेश बेदिया के ही नाम से जाना जाऊँगा।
7. यह कि, उपरोक्त बातें सत्य एवं सही है।

क्र0 सं0- 265 दिनांकः- 24.06.2025

रांची में नेशनल गर्ल्स हॉकी चैंपियनशिप, 3 से 14 जुलाई तक

झारखंड समेत देश की 30 टीमें लेंगी भाग

रांचीः हॉकी का हब कहे जाने वाले झारखंड की राजधानी रांची एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन की मेजबानी के लिए तैयार है. 3 जुलाई से 14 जुलाई तक मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में सब जूनियर नेशनल गर्ल्स हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड समेत देश के 30 टीमें भाग लेंगी. इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता को लेकर हॉकी झारखंड और हॉकी इंडिया ने व्यापक स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है. इस टूर्नामेंट को लेकर हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, खुद तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं. वे लगातार अधिकारियों और आयोजन समिति के सदस्यों से संपर्क में हैं ताकि आयोजन में किसी प्रकार की कोई कमी न रह जाए. वहीं हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह के नेतृत्व में स्थानीय स्तर पर तैयारियों को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है.

बालिका खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण शिविर शुरूः प्रतियोगिता से पहले, रांची में ही एक विशेष प्रशिक्षण शिविर (ट्रेनिंग कैंप) आयोजित किया गया है. जिसमें झारखंड, तमिलनाडु और अन्य राज्यों की बालिका टीमें भाग ले रही हैं. इन खिलाड़ियों को अनुभवी और पेशेवर कोचों द्वारा इंटरनेशनल लेवल की ट्रेनिंग दी जा रही है।

झारखंड टीम पूरी तरह से तैयारः झारखंड की बालिका टीम भी इस चैंपियनशिप के लिए जोश और आत्मविश्वास से भरी हुई है. झारखंड के खिलाड़ी अपने प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं और घरेलू मैदान में खेले जाने वाले, इस बड़े टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाने का लक्ष्य लेकर तैयारी कर रहे हैं. झारखंड की टीम को भी अनुभवी कोचों से प्रशिक्षण मिल रहा है और खिलाड़ियों का अभ्यास लगातार जारी है.

खिलाड़ियों को मिलेंगी सारी सुविधाएं : हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए भोजन, आवास और अन्य मूलभूत सुविधाओं की पूरी व्यवस्था की गई है. खिलाड़ियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए आयोजन समिति ने एक विशेष टीम बनाई है, जो हर स्तर पर निगरानी रखेगी।

झारखंड बन रहा है राष्ट्रीय हॉकी का नया केंद्रः पिछले कुछ वर्षों में हॉकी झारखंड ने कई प्रतिभावान खिलाड़ियों को निखार कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया है. झारखंड की बेटियां सलीमा टेटे, निक्की प्रधान जैसी खिलाड़ी आज भारतीय महिला हॉकी टीम की अहम सदस्य हैं. इस आयोजन के जरिए झारखंड की नई पीढ़ी को भी देश के सामने खुद को साबित करने का अवसर मिलेगा।

इंटरमीडिएट कॉलेज बंद करने के फैसले के खिलाफ छात्रों का जोरदार प्रदर्शन, उपायुक्त कार्यालय का घेराव

जमशेदपुरः झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा इंटरमीडिएट कॉलेजों की पढ़ाई बंद करने और छात्रों को अलग-अलग कॉलेजों में शिफ्ट करने के फरमान के बाद छात्र-छात्राओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपायुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे और मुख्य सड़क जाम कर दी। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने उपायुक्त कार्यालय में अधिकारी के वाहन को भी अंदर जाने से रोक दिया, जिससे अधिकारी पैदल ही कार्यालय पहुंचे। छात्रों का कहना है कि इस नीति के कारण उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। छात्र संगठन ने साफ कहा है कि अगर सरकार इस फैसले को वापस नहीं लेती है, तो वे आगामी दिनों में राज्य भवन और मुख्यमंत्री आवास का भी घेराव करेंगे। छात्र अपनी पढ़ाई की सुविधाओं को बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार हैं। उनके मुताबिक, कॉलेज शिफ्ट करने से उन्हें आवागमन, समय और आर्थिक परेशानियां बढ़ेंगी, जो उनके भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव डालेगी। सरकार से छात्रों ने मांग की है कि वे तुरंत इस निर्णय पर पुनर्विचार करें।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।